3 | राजधानी
डिग्री विद रिसर्च तो है पर डॉक्टरेट नहीं

6 | अभिमत
संसद में व्याप्त अव्यवस्था

11 | विदेश
हिज्बुल्ला ने इजराइल पर 200 से ज्यादा रॉकेट दागे

12 | स्पोर्ट्स
विंबलडनः बोपन्ना-एब्डेन दूसरे दौर में पहुंचे

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 252
लखनऊ, शुक्रवार, 5 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

माझी ने ओडिया भाषा, अस्मिता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया

राष्ट्रीय-9

विश्व विजेता लाडलों के स्वागत में उमड़ा जनसमुद्र

● वानखेड़े स्टेडियम सचिन...सचिन और मुंबई चा राजा, रोहित शर्मा और इंडिया...इंडिया के पारंपरिक नारों से गूंजा

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

मुंबई में बृहस्पतिवार को टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के विजय जुलूस में मरीन ड्राइव पर उमड़ा जनसमुद्र

टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम के स्वागत के लिए आयोजित विजय जुलूस (विक्ट्री परेड) में बृहस्पतिवार को यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा जिससे दक्षिण मुंबई का यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से अनुसार विजय जुलूस नरीमन पॉइंट में नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) से शाम पांच बजे शुरू होकर वानखेड़े स्टेडियम में शाम सात बजे समाप्त होना था लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम नई दिल्ली से देर से यहां पहुंची, जिससे परेड सात बजकर 30 मिनट के बाद ही शुरू हो पाई। इस विजय जुलूस का साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में क्रिकेट प्रेमी मरीन ड्राइव पर पहुंच गए। भारतीय टीम बारबाडोस से सुबह नई दिल्ली पहुंची थी जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद टीम दोपहर बाद तीन बजकर 42 मिनट पर ही मुंबई के लिए रवाना हो पाई। वानखेड़े स्टेडियम को प्रशंसकों के लिए खोल दिया गया और कुछ मिनट में ही स्टेडियम खचाखच पर गया। स्टेडियम के गेट को शाम पांच बजे के लगभग बंद कर दिया गया और कई प्रशंसक बाहर इंतजार करते रह गए।

भारतीय टीम विस्तारा के विमान से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 पर पहुंची, जहां उसे वाटर सैल्यूट दिया गया। इसके साथ ही यहां पहुंचे क्रिकेट प्रेमियों और मीडियाकर्मियों का लंबा इंतजार भी खत्म हुआ। रुक-रुक कर हो रही बारिश, अत्यधिक उमस और आस-पास के इलाकों में हज़ारों लोगों के आने की वजह से वानखेड़े स्टेडियम के गेट बंद कर दिए गए। जो लोग वानखेड़े के अंदर पहुंचने में सफल रहे वे भोजन और पानी की कमी के बावजूद अपनी सीटों पर जमे रहे। (शेष पेज 9)

मुंबई की आंखों का तारा बने हार्दिक

मुंबई। हार्दिक पंड्या मुंबई की आंखों का तारा बन गए हैं। कुछ महीने पहले तक हार्दिक पंड्या होना कठिन था। मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने वाला यह हरफनमौला खिलाड़ी कठिन समय से गुजर रहा था, वानखेड़े स्टेडियम सहित वह जहां भी जाता था, प्रशंसकों द्वारा उसका मजाक उड़ाया जाता था। हार्दिक की फॉर्म में गिरावट के कारण चीजें बद से बदतर होती गईं और फ्रेंचाइजी अंततः आईपीएल 2024 प्लेऑफ़ तक पहुंचने में विफल रही।

उन्हें एमआई के खलनायक के रूप में देखा गया था और सच कहा जाए तो आगे की राह कठिन लग रही थी। लेकिन रातोंरात उनकी किस्मत बदल गई। सबसे बुरा दौर देखने के एक महीने बाद, हार्दिक विश्व चैंपियन बनकर उभरे और भारत को टी20 विश्व कप चैंपियन का ताज पहनाया गया। हार्दिक ने टी20 विश्व खिताब में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 11 विकेट लिए और 114 रन बनाए।

भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने भी गाड़े झंडे

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम बारबाडोस में टी20 विश्व कप के अपने गौरव का आनंद ले रही थी, दूसरी भारतीय बधिर क्रिकेट टीम के खिलाड़ी चुपचाप इंग्लैंड में अपनी खुद की उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहे थे। पिछले हफ्ते, उन्होंने लीसेस्टर में रोमांचक सातवें और अंतिम टी20 में मेजबान इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर श्रृंखला 5-2 से अपने नाम कर ली। उनकी जीत न केवल खेलों में समावेशिता को उजागर करती है, बल्कि एक प्रेरणा के रूप में भी काम करती है, जो दर्शाती है कि दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ, कोई भी बाधा दूर नहीं हो सकती है, विशेषज्ञों ने इस उपलब्धि पर बेहद खुशी और गर्व व्यक्त किया। भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा, 'इंग्लैंड के खिलाफ इस द्विपक्षीय (शेष पेज 9)

लोकसभा में बयानों पर भाजपा, कांग्रेस में ठनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद को गुमराह करने की कोशिश करने वाला कोई भी सदस्य आसानी से बच नहीं पाएगा और 'नियम उन्हें पकड़ लेंगे'। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच जुबानी जंग तब और बढ़ गई जब विपक्षी कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोक सभा में 'तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बयान' दिए तथा मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण में कथित अशुद्धियों को लेकर भाजपा पहले ही उनके खिलाफ नोटिस दे चुकी है। कांग्रेस के लोकसभा सांसद मनिकम टैगोर ने स्पीकर बिरला को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मोदी और ठाकुर द्वारा दिए गए बयानों पर निर्देश 115(1) के प्रावधान लागू किए जाएं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कोई भी भागने की उम्मीद नहीं कर सकता। किसी के लिए कोई विशेष विशेषाधिकार नहीं है, सिर्फ इसलिए कि वह एक विशेषाधिकार प्राप्त परिवार से आता है। अगर कोई सदन में पद का दुरुपयोग कर सदन को गुमराह करना चाहेगा तो वह आसानी से बच नहीं पाएगा।

रिजिजू वास्तव में भाजपा सदस्य बांसुरी स्वराज द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत एक नोटिस का जिक्र कर रहे थे, जिसमें अध्यक्ष से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण में कुछ अशुद्धियों के खिलाफ उनके नोटिस पर संज्ञान लेने का आग्रह किया गया था। रिजिजू ने कहा, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता तथ्यों और आंकड़ों सहित कई चीजों पर झूठ बोलते रहे, तो अध्यक्ष को एक नोटिस दिया गया और हमने अध्यक्ष से उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। हम कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं मंत्री ने कहा कि नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं क्योंकि सदन में कोई भी सदस्य अध्यक्ष से ऊपर नहीं होता है।

स्पीकर को लिखे अपने पत्र में, टैगोर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में कहा था कि कांग्रेस ने महिलाओं को प्रति माह 8,500 रुपये का 'झूठा वादा' किया था, जबकि पार्टी का वादा सशर्त जीत और सरकार के गठन का था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के इस दावे को भी चुनौती दी कि कांग्रेस का वोट शेयर उन 16 राज्यों में कम हो गया है जहां उसने अकेले चुनाव लड़ा था। पत्र में टैगोर के हवाले से कहा गया, यह तथ्यात्मक रूप से गलत है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, तेलंगाना आदि में कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ा है। उन्होंने मोदी की इस टिप्पणी को भी बेहद भ्रामक बताया कि कांग्रेस के समय में सेना के लिए कोई बुलेट प्रूफ जैकेट उपलब्ध नहीं कराए गए थे। टैगोर ने कहा, जैकेट की कमी थी, ऐसा नहीं था कि जैकेट नहीं थे। यहां तक कि पुलिस के पास मुंबई हमलों की तरह बुलेट प्रूफ जैकेट भी थे। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस दावे पर भी चुनौती दी कि कांग्रेस ने सेना को लड़ाकू विमान नहीं दिये। पत्र में कहा गया, 'हमारे पास जगुआर, मिग 29, एसयू- 30, मिराज 2000 थे।' टैगोर ने लोकसभा में ठाकुर के 1 जुलाई के भाषण में कथित अशुद्धियों की ओर भी इशारा किया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि ठाकुर ने दावा किया कि जब पार्टी ने देश पर शासन किया था तो सेना को हथियार और लड़ाकू विमान नहीं दिए गए थे। उन्होंने कहा, 'हमारे पास जगुआर, मिग 29, एसयू- 30, मिराज 2000 थे... हमारे पास परमाणु बम, अग्नि, पृथ्वी, आकाश, नाग, त्रिशूल और बाद में ब्रह्मोस (शेष पेज 9)

सीबीआई ने बीएनएस के तहत दर्ज किया अपना पहला केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने तिहाड़ जेल में बंद एक व्यक्ति की रिहाई में मदद के लिए कथित तौर पर 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में दिल्ली पुलिस के दो अधिकारियों के खिलाफ हाल ही में लागू भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपनी पहली एफआईआर दर्ज की है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने ब्रिटिश काल की भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) का स्थान ले लिया है। बुधवार शाम को (शेष पेज 9)

नायडू ने की केंद्रीय मदद बढ़ाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की

केंद्र में भाजपा नीत एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के पूर्ण वार्षिक बजट से पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य से संबंधित प्रमुख विकास मुद्दों पर उनकी चर्चा को 'रचनात्मक' बताया। नायडू का यह बयान एनडीए के एक अन्य महत्वपूर्ण सहयोगी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जेडीयू द्वारा पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान बिहार के लिए विशेष पैकेज और अनुदान के लिए दबाव डालने के एक हफ्ते बाद आया है। सूत्रों ने बताया कि पीएमओ में बैठक के दौरान नायडू ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने के बदले सहायता बढ़ाने की वकालत की। सूत्रों ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रमुख, जो भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, ने राज्य के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किए और केंद्र सरकार से समर्थन मांगा।

बैठक के बाद, उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश के 'राज्यों के बीच एक शक्ति केंद्र के रूप में फिर से उभरने' की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। नायडू ने सोशल मीडिया पर कहा, आज, आंध्र प्रदेश के कल्याण और विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मामलों को (शेष पेज 9)

हाथरस मामले में छह गिरफ्तार, मुख्य आरोपी सेवादार पर 1 लाख इनाम

● गिरफ्तार लोगों में दो महिला सेवादार भी, आईजी ने कहा-जरूरत पड़ी तो भोले बाबा से भी होगी पूछताछ

पायनियर समाचार सेवा। हाथरस, लखनऊ

हाथरस भगदड़ के बाद अपने घर के बाहर बैठा एक परिवार। फोटोः रंजन डिमरी

उत्तर प्रदेश के हाथरस भगदड़ कांड के सिलसिले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी तथा सेवादार पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। अलीगढ़ संभाग के पुलिस महानिरीक्षक शलभ माथुर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पिछले मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊक्षेत्र स्थित फुलरई गांव में आयोजित हरिनारायण साकार विश्वहरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत के मामले में अब तक दो महिला सेवादारों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले के प्रमुख अभियुक्त और मुख्य सेवादार देव प्रकाश मधुकर पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया है। उसके खिलाफ जल्द ही गैर जमानती वारंट भी जारी किया जाएगा।

पुलिस महानिरीक्षक ने कहा, विवेचना में इस चीज को भी देखा जाएगा कि किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा कोई आपराधिक षड्यंत्र तो नहीं किया गया था। भोले बाबा से पूछताछ या उसकी गिरफ्तारी की सम्भावना के बारे में पूछने पर माथुर ने कहा, आगे किसी की गिरफ्तारी होगी या नहीं, यह विवेचना पर निर्भर करेगा। जांच में आगे किसी की भूमिका निकलकर आएगी तो कार्रवाई होगी। जरूरत पड़ेगी तो जरूर पूछताछ की जाएगी। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लोगों में राम नरेते, उपेन्द्र सिंह यादव, नेक सिंह, मंजू यादव, मुकेश कुमार और मंजू देवी शामिल हैं। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि वे सभी सत्संग आयोजन समिति के सदस्य हैं। वे मुख्यत: सेवादार के रूप में काम करते हैं और अतीत में भी वह ऐसे कई आयोजन करा चुके हैं। वे बैरीकेडिंग करके भीड़ नियंत्रण, पंडाल व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और सफाई की व्यवस्था कराते थे। माथुर ने बताया कि विवचेना के क्रम में अपर पुलिस महानिदेशक (आगरा) ने क्षेत्र के सभी जिलों में पुलिस को अभियुक्तों की गिरफ्तार (शेष पेज 9)

आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को बेनकाब करें: जयशंकर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/अस्ताना

पिछले पांच वर्षों से सीमा पर तनाव जारी रहने के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान किया जाना चाहिए। जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उन देशों को अलग-थलग करने और बेनकाब करने को कहा जो आतंकवादियों को प्रश्रय देते हैं, उन्हें सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराते हैं और आतंकवाद को नजरअंदाज करते हैं। उन्होंने चीन और पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर आतंकवाद को बेलगाम छोड़ दिया गया तो यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्र प्रमुखों की परिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों को रखते हुए जयशंकर ने कहा कि एससीओ का एक मूल लक्ष्य आतंकवाद से लड़ना है। जयशंकर ने सम्मेलन में कहा, हममें से कई लोगों के अपने अनुभव हैं, जो अक्सर हमारी सीमाओं से परे सामने आते हैं। यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि अगर आतंकवाद को बेलगाम छोड़ दिया गया तो यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। किसी भी रूप या स्वरूप में आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता या माफ नहीं किया जा सकता।

सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल हुए। जयशंकर ने पाकिस्तान और उसके सहयोगी चीन के परोक्ष संदर्भ में कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन देशों को अलग-थलग करना चाहिए और बेनकाब कर देना चाहिए जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं, सुरक्षित पनाहगाह प्रदान करते हैं और आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। चीन ने अक्सर पाकिस्तान के वांछित आतंकवादियों को काली सूची में डालने के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तुत प्रस्तावों को अवरुद्ध दिया है। उन्होंने कहा, सीमापार आतंकवाद के लिए निर्णायक प्रतिक्रिया चाहिए और आतंकवाद के वित्तपोषण तथा भर्ती से दृढ़ता से निपटना होगा। हमें हमारे नौजवानों के बीच कट्टरता फैलाने के प्रयासों को रोकने के लिए सक्रियता से कदम उठाने चाहिए। जयशंकर ने कहा कि पिछले साल भारत की अध्यक्षता के दौरान इस विषय पर जारी संयुक्त बयान नई दिल्ली की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जहां तक लद्दाख में सीमा विवाद का सवाल है, भारत और चीन ने एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर दोनों विदेश मंत्रियों के बीच बैठक के दौरान पूर्वी लद्दाख में शेष मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने और संबंधों (शेष पेज 9)

हेमंत सोरेन फिर बने झारखंड के मुख्यमंत्री

पीटीआई। रांची

रांची में राजभवन में जेएमएम नेता हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद हस्ताक्षर करते हुए

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार की शाम यहां राजभवन में राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने राजभवन में हेमंत सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हेमंत सोरेन के पिता और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन, उनकी मां रूपी सोरेन, पत्नी कल्पना सोरेन तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाले गठबंधन के वरिष्ठ नेता भी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले चंपई सोरेन भी इस अवसर पर मौजूद थे। हेमंत सोरेन को झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दिए जाने के बाद 28 जून को जेल से रिहा कर दिया गया था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को उनकी गिरफ्तारी से कुछ समय पहले ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण करने के बाद सोरेन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अपनी जिम्मेदारियों का अच्छी तरह निर्वाह किया। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि अदालत का आदेश सार्वजनिक है और सभी लोग उसे देख सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करेंगे। जनता को संबोधित एक वीडियो संदेश में हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष ने उनके खिलाफ साजिश रची और वे अपने नापाक इरादों में कामयाब भी हो गए जिसके चलते उन्हें करीब पांच महीनें सलाखों के पीछे गुजारने पड़े।

50 वर्ष से अधिक पुराने सेतुओं का कराएं निरीक्षण: मुख्यमंत्री

सुरक्षित न हो तो तत्काल रोक दें यातायात, मुख्यमंत्री ने की लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और निर्माणकार्यों की समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले प्रदेश के सभी सेतुओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण कराया जाए। उनके सुपर स्ट्रक्चर की स्थिति, सेतुओं के वाटर-वे में ब्लाकेज, पियर के साइड में स्कावर होल, सेतु के एबटमेन्ट ढाल एवं बोल्डर का परीक्षण कराया जाना चाहिए। निरीक्षण के समय कोई सेतु असुरक्षित नजर आता हो तो तत्काल उसे यातायात के लिए बंद किया जाए। स्थानीय जिला प्रशासन को इसकी सूचना दें।

योगी ने कहा कि विगत 7 वर्षों में प्रदेश की रोड कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। वर्ष 2017 के सापेक्ष आज 2024 में स्टेट हाइवे 7002 किमी से बढ़कर 10214 किमी हो गया है, जबकि ग्रामीण मार्गों की लंबाई 1,87,517 किमी से बढ़कर 1,93,581 किमी हो गई है। इसी प्रकार, प्रमुख जिला मार्गों और अन्य जिला मार्गों का संजाल में भी विस्तार हुआ है। आज प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 09 किमी मार्गों का चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण हो रहा है और हर दिन गांवों में लगभग 11 किमी नई सड़क बन रही है। विकास के लिए बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता के दृष्टिगत प्रदेश में सड़क निर्माण की यह गति अभूतपूर्व है। इसे और बेहतर करने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। आगामी दिनों में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जनपदों में इनसे जुड़े मार्गों को शतप्रतिशत गड्ढामुक्त किया जाए। 15 जुलाई तक यह कार्य पूरा करा लिया जाए। ऐसे मार्ग, जहां जलभराव होता है, उन स्थानों पर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ब्लॉक मुख्यालयों को 2 लेन सड़क की कनेक्टिविटी देने का संकल्प समय से पूरा होना चाहिए। यह संतोषप्रद है कि कुल 165 में से 143 मार्गों का निर्माण पूरा हो गया है, यथाशीघ्र अवशेष कार्यों को भी पूरा कर लिया जाए। प्रदेश के अंतरराज्यीय तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पड़ने वाले मार्गों पर भव्य द्वार बनाने का कार्य तेजी के साथ पूरा कराएं। जहां भूमि की अनुपलब्धता हो, तत्काल स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें। द्वार सीमा पर ही बनाए जाएं। यह आकर्षक हों, यहां प्रकाश व्यवस्था भी अच्छी हो। यह सराहनीय है कि देश में सर्वप्रथम यूपी पीडब्ल्यूडी द्वारा एफडीआर निर्माण तकनीक का प्रयोग किया गया।

जनपद उन्नाव में एफडीआर का कार्य पुराने मार्ग को रीसाइकिल कर सीमेंटेड बेस एवं कानपुर देहात में एडिटिव का प्रयोग कर निर्माण कार्य कराया गया था। यह अच्छा प्रयोग था। हमारा प्रयास हो कि अन्य जिला मार्गों में बनने वाली कुल सड़कों का आधा इसी तकनीक से बनाया जाए। नवाचारों को अपनाएं। मार्ग पर वर्तमान पीसीयू पर प्रतिवर्ष होने वाली बढ़ोत्तरी को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के मार्गों के चौड़ीकरण के मानकों को और बेहतर किया जाना चाहिए। सड़कें और चौड़ी हों, इससे आवागमन और अधिक सुविधाजनक होगा। नई सड़क पर बरसात से कटान हो तो उसका सुधारीकरण तत्काल कराया जाए। सड़क और सेतु हो अथवा आमजन से जुड़ी अन्य निर्माण परियोजनाएं, स्वीकृति देने से पहले उसकी लोक महत्ता का आंकलन जरूर किया जाए।

विकास में संतुलन सबसे आवश्यक है। पहले आवश्यकता की परख करें, प्राथमिकता तय करें, फिर मेरिट के आधार पर किसी सड़क अथवा सेतु निर्माण की स्वीकृति दें। विकास कार्यों का लाभ सभी 75 जनपदों को मिले।

मलिन बस्तियों का होगा कायाकल्प बनेंगे बहुमंजिला भवन: मुख्यमंत्री

- नालों पर अतिक्रमण के खिलाफ चलाएं अभियान, सड़क किनारे न पार्क होने पाएं वाहन, किसी भवन के ऊपर नहीं लगे विज्ञापन होर्डिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मलिन बस्तियों के पुनरोद्धार के लिए नियोजित प्रयास किया जाना अपेक्षित है। उन्होंने नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक नगर निगम में एक-एक मलिन बस्ती को चिन्हित कर वहां बहुमंजिला आवासीय परिसर के विकास की योजना तैयार करें। इस आवासीय परिसर के समीप स्कूल, मार्केट, पार्क, आदि बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। यहां जो बाजार विकसित करें, उसमें इसी मलिन बस्ती के परिवार को आवंटित करें। जो पार्क बनाएं उसके संचालन की जिम्मेदारी भी इन्हें ही दी जाए। इस प्रकार चरणबद्ध रूप से पूरे प्रदेश में मलिन बस्तियों का पुनरोद्धार हो सकेगा। यहां के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में यह प्रयास अत्यंत उपयोगी होगा।

योगी आदित्यनाथ गुरुवार को नगर विकास विभाग के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के दौरान भावी योजनाओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नगरों में वाहनों की पार्किंग एक चुनौती बनती जा रही है। इसके समुचित समाधान के लिए शासन, प्रशासन और जनता को मिलकर काम करना पड़ेगा। इसे सुनिश्चित करना ही होगा कि वाहन तय पार्किंग स्थल पर ही खड़े हों, सड़क किनारे नहीं। आवश्यकता पड़े तो इंफोर्समेंट की कार्रवाई भी की जाए। पार्किंग के लिए मल्टीलेवल पार्किंग प्रणाली उपयोगी सिद्ध हो रही है। मल्टीलेवल पार्किंग में कॉमर्शियल स्पेस जरूर रखें। नए पार्किंग स्थल के लिए स्थानीय आवश्यकताओं के अध्ययन करने के उपरांत ही कार्ययोजना तैयार करें। भविष्य के दृष्टिगत बेहतर पार्किंग सुविधा के लिए 'पार्किंग स्थल नियम' तैयार किये जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी सड़क किनारे बाइक, कार, टैक्सी की पार्किंग न हो। स्ट्रीट वेंडरों को एक जगह नियोजित करें। अवैध टैक्सी स्टैंडों पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। नगरीय परिवहन में इलेक्ट्रिक बसों के उपयोग को प्रोत्साहित करें। जलजमाव का सबसे बड़ा कारण है नालों/ नालियों पर किया गया अतिक्रमण। नालियों/नालों पर जहां भी कहीं अतिक्रमण है, जनता के साथ संवाद बनाकर समाधान निकालें। कार्रवाई के समय इसका ध्यान जरूर रखें कि संबंधित परिवार को मकान के भीतर आने-जाने में अनावश्यक असुविधा न हो। नगरीय क्षेत्रों में बेतरतीब लगे विज्ञापन होर्डिंग न केवल नगर की सुंदरता खराब करते हैं बल्कि आए दिन दुर्घटना का कारक बन रहे हैं। इसे व्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी नगरीय क्षेत्र में किसी भवन के ऊपर होर्डिंग नहीं लगाई जानी चाहिए। वर्तमान में प्रचलित होर्डिंग के स्थान पड़ एलईडी डिस्प्ले को स्थान दें। तकनीक आधारित इस व्यवस्था से विज्ञापन एजेंसियों, विज्ञापन दाताओं, स्थानीय प्रशासन और जनता सभी को सहूलियत होगी। तय स्थान के अतिरिक्त और कहीं भी किसी प्रकार का विज्ञापन होर्डिंग नहीं लगाई जानी चाहिए।

विगत वर्षों में नगरीय आबादी व जनसंख्या घनत्व में बढ़ोतरी तथा नगरीय निकायों के विस्तार आदि को दृष्टिगत रखते हुए नगरीय निकायों में केडर पुनर्गठन की आवश्यकता है। नई व्यवस्था तय करते समय आबादी को आधार बनाएं। सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे, इसके लिए आवश्यक है कि वहां पर्याप्त मैनपॉवर की उपलब्धता हो। ईओ हो या सफाईकर्मी कहीं भी किसी की रिक्तता न हो। हर काम की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

काशी में निरंतर बढ़ रही तीर्थाटन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण, काशी के मजबूत हुए इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी ने यहां आने वाले धार्मिक पर्यटकों की राह आसान कर दी है। वाराणसी में पिछले वर्ष 2023 के प्रथम छमाही (जनवरी-जून) के मुकाबले 2024 के प्रथम छमाही में पर्यटकों और बाबा विश्वनाथ धाम की आमदनी दोनों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई है। इस समयावधि में 2023 के सापेक्ष 2024 में धाम की आमदनी में 24.66 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं श्रद्धालुओं की संख्या में 45.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में योजनाओं को योगी सरकार द्वारा धरातल पर उतारने के बाद काशी में तीर्थाटन करने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि वर्ष 2023 (जनवरी से जून) तक 22979137 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किये थे, जबकि 2024 में इस समयावधि के भीतर 33494933 श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार मे हाज़िरी लगाई है। यह पिछले वर्ष से 1 करोड़ ,5 लाख 15 हज़ार ,796 (1,05,15,796) अधिक है। वहीं धाम के पास 2023 के पहले छमाही में 38,29,77,214 था, जबकि 2024 की प्रथम छमाही में आमदनी 47,74,13890 हो गई है। यह 9 करोड़ 44 लाख 36 हज़ार ,676 (9,44,36,676) अधिक है।

भव्य और दिव्य महाकुंभ के लिए संगमनगरी का होगा कायाकल्प

जंक्शन सुधार के साथ ही शहरी मार्ग को भी सजाया और संवारा जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संगमनगरी प्रयागराज में अगले वर्ष की शुरुआत में होने जा रहे महाआयोजन महाकुंभ 2025 को योगी सरकार भव्य और दिव्य बनाने के लिए जोरदार तैयारियों में जुटी है। योगी सरकार महाकुंभ में सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता के साथ-साथ महाकुंभ की सुंदरता को लेकर भी मिशन मोड में कार्य कर रही है। इस क्रम में महाकुंभ से पहले ही प्रयागराज को दुल्हन की तरह सजा दिया जाएगा। योगी सरकार की पूरे शहरी इलाके के सौंदर्यीकरण की योजना है, जिस पर कार्य भी शुरू हो चुका है। अयोध्या में रामलला के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जिस तरह की साज सज्जा की गई थी, उसी तरह प्रयागराज का कायाकल्प किया जाएगा। जगह-जगह ग्रीन बेल्ट, हार्टिकल्चर, थीमैटिक डेवलपमेंट समेत सैकड़ों स्तंभ स्थापित किए जाएंगे। महाकुंभ के आयोजन के दौरान जब श्रद्धालु संगमनगरी पहुंचेंगे तो यहां की आभा देखकर न सिर्फ दंग रह जाएंगे, बल्कि पूरी तरह धार्मिक आस्था के रंग में सराबोर हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसके प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। उन्होंने महाकुंभ को स्वच्छता, सुविधा और सुरक्षा का मानक आयोजन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने को कहा था। मुख्यमंत्री के अनुसार, महाकुंभ 2025 पूरे विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि भारत की ग्लोबल ब्रांडिंग का माध्यम बनेगा। हमें इसके सफल आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत की प्राचीन संस्कृति का परिचायक है। इसकी गरिमा के अनुरूप पूरे नगर को सजाया जाना चाहिए। कुंभ से जुड़े कथानक, सनातन संस्कृति के प्रतीकों आदि को चित्रित किया जाए। चौराहों पर कुंभ के 'लोगो' लगाए जाने चाहिए। थीम आधारित द्वार, स्तम्भ, लाइटिंग के प्रयास होने चाहिए।

योगी की मंशा के अनुरूप प्रयागराज में 38 जंक्शन का सौंदर्यीकरण कार्य प्रगति पर है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा एजेंसी आबद्ध करके ट्रैफिक डेंसिटी एनालिसिस के प्रयोग से स्टडी करके डिजाइन तैयार किया गया है। इसके साथ ही 5 साल के मेंटीनेंस के साथ ग्रीन बेल्ट एवं स्कल्प्चर्स की स्थापना की जाएगी। कुल मिलाकर 19 जंक्शन पीडीए द्वारा, 15 जंक्शन पीडब्ल्यूडी एवं 2 जंक्शन का निर्माण सेतु निगम द्वारा किया जा रहा है। दूसरी तरफ, शहरी मार्गों का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके तहत 38 शहरी मार्गों (75 किलोमीटर) का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मेला प्राधिकरण द्वारा 8 आर्किटेक्ट आबद्ध कर प्रत्येक मार्ग पर ग्रीन बेल्ट, हार्टिकल्चर, लैंड स्केपिंग डेवलपमेंट, थीमैटिक डेवलपमेंट एवं गैप एनालिसिस पूर्ण किया जा रहा है। कुल 36 मार्ग पीडीए द्वारा और 2 मार्ग का सौंदर्यीकरण पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त लगभग 10 लाख वर्गफीट पर स्ट्रीट आर्ट व दीवारों पर कलाकृतियां बनाई जाएंगी। इसमें 5 लाख वर्गफीट कुंभ मेला मद से एवं 5 लाख वर्गफीट एनएमसीजी मद से प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा कार्य किया जाएगा। साथ ही,4 थीमैटिक गेट बनाए जाने की भी योजना है। इन प्रस्तावित थीमैटिक गेट के नाम सरस्वती द्वार, शिव द्वार, गंगा द्वार और यमुना द्वार रखा जाएगा। इसकी निविदा प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त 108 स्तंभों का भी निर्माण होगा।

सहारनपुर के पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान साथियों सहित सपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा सहारनपुर के पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान गुरुवार को अपने साथियों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी में शामिल किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को मजबूती देने के लिए हर प्रयास करने का भरोसा जताया। अखिलेश यादव ने हाजी साहब के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हुए सभी साथियों का आभार जताते हुए उम्मीद जताई है कि वे सभी मिलकर समाजवादी पार्टी और समाजवादी जिन सिद्धांतों के लिए संघर्षरत है, उनको मजबूती देने का काम करेंगे। हाजी फजलुर्रहमान के साथ आज बड़ी संख्या में बसपा के तमाम चेयरमैन नगर पंचायत, पूर्व सांसदों के कई साथी, जिलाध्यक्ष, पूर्व मेयर प्रत्याशी, पूर्व ब्लाक प्रमुख, सदस्य जिला पंचायत, पार्षद नगर निगम, व्यापारी नेता, प्रधान पूर्व सभासद आदि समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख बसपा नेताओं में चौधरी विनोद पंवार पश्चिम उप्र प्रभारी भाईचारा कमेटी बसपा, शराफत खान चेयरमैन तीतरों नगर पंचायत, हाजी तस्लीम कमाल डायरेक्टर ए.एल.एम इंडस्ट्रीज, शकील अहमद खान चेयरमैन जलालाबाद, चौधरी अनुज गुर्जर जिलाध्यक्ष प्रधान संगठन, अकबर कुरैशी पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत सुल्तानपुर, अबूबकर चौधरी पूर्व कोऑर्डिनेटर बसपा, नरेन्द्र खोटीयान सदस्य रेलवे बोर्ड मुरादाबाद मंडल, मुन्नू खान पूर्व सांसद प्रतिनिधि आदि प्रमुख रहे। इस अवसर पर विधानसभा में प्रतिपक्ष के पूर्व नेता राम गोविन्द चौधरी, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल सहित नीरज मौर्य, रूचिवीर, आशु मलिक, उमर अली खान, शाहनवाज खान एमएलसी, तथा माविया अली पूर्व विधायक, राहुल भारती राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, जसवीर बाल्मीकि, फैजल सलमानी, चौधरी अब्दुल वाहिद जिलाध्यक्ष सहारनपुर, नवाब अंसारी महानगर अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

हाथरस घटना के घायलों को 25 लाख, मृतकों के परिजनों को एक करोड़ मुआवजा दे सरकार

- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा न्यायिक जांच हाईकोर्ट के वर्तमान जज की अध्यक्षता में कराई जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हाथरस का दर्दनाक घटना का पूर्ण रूप से दोषी वहां का प्रशासन है जिसने ये जानते हुए भी इतना बड़ा आयोजन है अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ठीक तरीके से नहीं किया। 80000 हजार श्रद्धालुओं की अनुमति के बाद 2.50 लाख से अधिक श्रद्धालु आए मगर सिर्फ 40 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। अंदर से बाहर तक हर तरफ सिर्फ अव्यवस्था थी। हादसे के बाद घायलों को अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं थी, मजबूरन टैम्पों, आटो रिक्शा के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया परन्तु वहां पर भी उनके इलाज का समुचित इंतजाम नहीं था नतीजन बहुत से लोगों ने अस्पताल के दरवाजे पर ही दम तोड़ दिया। शासन ने घटना का संज्ञान तीन घंटे बाद लिया। अजय राय गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य देखिए कि एक तरफ इतने बड़े हादसे के बाद घायलों के लिए एम्बुलेंस तक उपलब्ध नहीं थी और दूसरी तरफ प्रदेश के कई जिलों में एम्बुलेंस घोटाला सामने आ रहा है। एक ही नंबर से 30-30 बार एम्बुलेंस बुक किया जा रहा है, पुराने मरीजों की फोटो अपलोड की जा रही है, यह खेल सालों से जारी है और हर महीने सरकार को करोड़ों का चूना लग रहा है। राय ने कहा कि सरकार का आपसी मतभेद भी इस दुर्घटना का जिम्मेदार हैं कल जब मैं हाथरस गया, वहां मैंने देखा कि कल ही मुख्यमंत्री भी हाथरस गये और जब वापस आ रहा था तो प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी हाथरस गए। इन लोगों की आपस की लड़ाई में प्रदेश पिस रहा है। राय ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ रुपए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा घायलों को इलाज हेतु 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि हादसे को गंभीरता से लेते हुए मामले की न्यायिक जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान जज की अध्यक्षता में कराई जाए। राय ने कहा कि ये सरकार आंकठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। केंद्र से लेकर राज्य तक सभी परीक्षाओं में धांधली हो रही है। अभी नीट परीक्षा में जिस तरह अनियमितता हुई वो निहायत निंदनीय है। हम नीट परीक्षा को फिर से कराए जाने की मांग करते हैं और नई तारीख भी तुरंत घोषित की जाए। राय ने कहा कि उप्र में फरवरी में हुई सिपाही भर्ती का काम गुजरात की एक ब्लैकलिस्ट कंपनी एजुटेस्ट सेल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को दे दिया गया। यही नहीं इस कंपनी का पुराना नाम कुछ और था और 2017 में यह कंपनी ब्लैक लिस्ट हुई थी और इसके डॉयरेक्टर विनीत आर्या गिरफ्तार भी हुए थे।

मोटो जीपी रेस के आयोजन के लिए 'इन्वेस्ट यूपी' और डोर्ना स्पोर्ट्स एसएल के बीच हुआ समझौता

- वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश करेगा मोटो जीपी रेस की मेजबानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मोटो जीपी रेस के आयोजन के लिए 'इन्वेस्ट यूपी' की ओर से मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह तथा डोर्ना स्पोर्ट्स एसएल की ओर से कार्मेलो एज़पेलेटा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इस समझौते को उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में हो रही इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा के आयोजन से बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय निवेशक प्रदेश की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में मोटो जीपी लाने से न केवल हमारे राज्य को वैश्विक खेल मंच पर उभारा जाएगा, बल्कि पर्यटन, आतिथ्य और संबंधित क्षेत्रों में पर्याप्त आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। यह कार्यक्रम दुनिया भर के आगंतुकों को आकर्षित करेगा, जो विश्व स्तरीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने में उत्तर प्रदेश की क्षमता को उजागर करेगा। उल्लेखनीय है कि यह ऐतिहासिक समझौता उत्तर प्रदेश को प्रमुख खेल आयोजनों के लिए अंतिम गंतव्य के रूप में मजबूत करता है, जो वर्ष 2025 से प्रतिष्ठित मोटोजीपी रेस इवेंट की वार्षिक मेजबानी की गारंटी देता है। राज्य की प्रमुख निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी द्वारा संचालित यह समझौता उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और पर्याप्त निवेश आकर्षित करने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे मोटोजीपी आयोजन की निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति भी बनाई है। इस समिति की अध्यक्षता मुख्य सचिव तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह करेंगे और इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के सीईओ सदस्य होंगे। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी और डोरना स्पोर्ट्स के मुख्य खेल अधिकारी भी इस समिति के सदस्य होंगे। उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति को सहयोग देने के लिए एक आयोजन समिति भी बनाई जाएगी। औद्योगिक विकास प्राधिकरणों और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ डोरना स्पोर्ट्स के मुख्य खेल अधिकारी और राज्य के कुछ जाने-माने निवेशक भी इसके सदस्य होंगे। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में प्रतिष्ठित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में रोमांचक मोटो जीपी मोटरसाइकिल दौड़ का आयोजन किया जाएगा, जो विश्व स्तरीय मोटर स्पोर्ट आयोजित करने के लिए प्रसिद्ध है। डोर्ना के साथ रणनीतिक सहयोग के माध्यम से, उत्तर प्रदेश का लक्ष्य प्रत्येक मोटो जीपी कार्यक्रम को निर्बाध रूप से क्रियान्वित करना है, जिससे वैश्विक खेल केंद्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचित करना है कि मैने अपने पुत्र दीपक मिश्रा के गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से दिनांक 28.06.2024 बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कार्य अथवा लेन-देन की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। पिता- सत्य प्रकाश मिश्रा, पुत्र स्व उमा शंकर मिश्रा, नि. 21/337, इंदिरा नगर, लखनऊ।

सूचना

मैं अनीता शर्मा पत्नी श्री राजेश शर्मा, पता- 12/22 ,आनन्दपुरम विकासनगर लखनऊ-226022 की हूं, मेरा ड्राइवरी लाइसेंस में गलत नाम ANEETA SHARMA लिख गया मेरा सही नाम ANITA SHARMAहै। भविष्य में इसी नाम को सही माना जाए।

NOTICE

I JYOTISHREE CHAUHAN D/O MR ASHOK KUMAR PANDE AND RESIDENT OF B-1017 , INDIRA NAGAR ,LUCKNOW 226016 HAVE CHANGED MY NAME FROM JYOTISHREE CHAUHAN TO JYOTISHREE PANDEY FOR ALL FUTURE PURPOSES WITH IMMEDIATE EFFECT

ग्रीन फील्ड कालेज, इलसिया ग्रन्ट रामकोट सीतापुर, पिन कोड-261001

आवश्यकता है

सहायक आचार्य (एम०ए०)-चित्रकला 02 पद, गृह विज्ञान 02 पद, अग्रेजी 02 पद। सहायक आचार्य-बी0काम0-03 पद।

योग्यता-यू०जी०सी०/राज्य सरकार/लखनऊ विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों सहित आवेदन 15 दिनों में पंजीकृत डाक से भेजे।

प्रबन्धक/सचिव
ग्रीन फील्ड कालेज,
सीतापुर।
7310005000

शुभम्
शुभम् हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कं. लि.
सीआईएन: U65921DL2010PLC199469 | टेलीफोन: +91 124 4212531 | www.shubham.co
कॉर्पोरेट कार्यालय: शुभम् हाउस, 425, उद्योग विहार, फेज IV, गुरुग्राम-122015
पंजीकृत कार्यालय: 608-609, छठी मंजिल, ब्लॉक-सी अंसल इंपीरियल टॉवर, सामुदायिक केंद्र, नारायणा विहार, नई दिल्ली-110028

सूचना

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी का शाखा कार्यालय, द्वितीय तल, प्लॉट सं. 5-5ए, कंचनपुर, मटियारी, चिनहट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226028 (भारत), कुछ बेहतर अवसरों की कमी के कारण 06 अक्टूबर 2024 को कार्यालय समय की समाप्ति के बाद परिचालनात्मक रूप से बंद रहेगा। हालाँकि, कंपनी अपने ग्राहकों को पहली मंजिल, प्लॉट नं. 5-5ए, कंचन पुर, मटियारी, चिनहट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226028 (भारत) से अपनी सेवाएँ प्रदान करना जारी रखेगी, अगर किसी भी आम व्यक्ति को इस मामले में और कोई प्रश्न हो, तो वह कृपया हमारे ग्राहक सेवा केंद्र पर हमसे संपर्क कर सकता है, जिसका विवरण www.shubham.co पर पाया जा सकता है।

शुभम् हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लि. हेतु
और उसकी ओर से
हस्ता/-
संजय चतुर्वेदी, सीईओ

स्थानः गुड़गाँव,
तिथि: 05.07.2024

शुभम्
शुभम् हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कं. लि.
कॉर्पोरेट कार्यालयः 425, उद्योग विहार फेज IV, गुड़गांव-122015 (हरियाणा)
फोनः 0124-4212530/31/32, ई-मेलः customercare@shubham.co वेबसाइटः www.shubham.co

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एंव प्रतिभूति हित प्रवर्तन एक्ट 2002 के तहत शुभम् हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लि. (इसके बाद इसे शुभम् के रूप में संदर्भित) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित कर्जदारों को निम्नलिखित दिनांकों को एक डिमांड नोटिस जारी किया था, जिसमें सूचना उल्लेखित बकाया राशि को, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने का कहा गया था।

उधारकर्ताओ उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा उधारकर्ता तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमें नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हें प्रदत्त शक्तियो के इस्तेमाल के अन्तर्गत कब्जा निम्नलिखित दिनांक को ले लिया है।

उधारकर्ताओं को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन-देन न करें तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन-देन शुभम् हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लि. के प्रभार वास्ते राशि और भविष्य का ब्याज इत्यादि सहित के अधीन होगा।

कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	ऋण खाता नं. /कर्जदार(रों), सह-कर्जदार का नाम)	मांग सूचना की राशि	मांग सूचना की तिथि	सुरक्षित आस्तियां	चस्पा की तिथि
1.	0ALB2102000005035226, अब्दुल गफूर, कनीज फातिमा	रु. 15,43,911/-	25-04-2024	मकान नं. जी 1/165, बसेरा सेक्टर गवर्धन प्रथम मौजा कालिंदीपुरम आवास स्कीम इलाहाबाद परगना एवं तहसील सदर इलाहाबाद उत्तर प्रदेश -211011	01-07-2024
2.	0LKO2101000005034139, आशीष त्रिपाठी, प्रतिभा त्रिपाठी	रु. 2,92,197/-	25-04-2024	आवासीय प्लॉट संख्या 14 खसरा/गाटा संख्या 539, ग्राम/मोहल्ला- भूहर, वार्ड- हैदरगंज, परगना, तहसील एवं जिला-लखनऊ उत्तर प्रदेश-226001	01-07-2024
3.	0LKW1705000005006048, लक्ष्मी शरण अवस्थी, हर्ष नारायण अवस्थी	रु. 15,41,608/-	25-04-2024	दुकान नं. 03, भूमि सहित इस्माइलगंज सेक्टर-15 इंदिरा नगर योजना खसरा नं. 30, तहसील और जिला- लखनऊ उत्तर प्रदेश-226012	01-07-2024

स्थानः गुड़गाँव,
तिथि: 04.07.2024

प्राधिकृत अधिकारी
शुभम् हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लि.

साल 2023 में आये डेंगू के सबसे अधिक केसेज, 2020 का रिकार्ड टूटा

● डेंगू तथा चिकनगुनिया रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए रणनीतिक कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बारिश के पानी के जलभराव सहित साफ पानी के रूकावट के चलते जलजनित बीमारियों सहित अन्य संचारी रोगों के पनपने का खतरा पैदा हो गया है। पिछले साल 2023 में डेंगू के सबसे ज्यादा 35402 केसेज सामने आये हैं। जबकि वर्ष 2020 में 3715 केस ही सामने आये थे। ऐसे में सरकार की तरफ से जुलाई माह को डेंगू रोधी माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य डेंगू तथा चिकनगुनिया रोग पर प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए व्यापक जन जागरूकता फैलाना है।

वैसे तो डेंगू का प्रसार पूरे प्रदेश में है लेकिन 8 जिले इसके प्रति (लखनऊ, झांसी, बरेली, अयोध्या, बाराबंकी, प्रयागराज, गोंडा एवं कानपुर नगर) जनपद संवेदनशील हैं। इस साल जनवरी से अब तक कुल 352 डेंगू के केस सामने आये हैं। संयुक्त निदेशक मलेरिया एवं वेक्टर बार्न डिजीज डाक्टर विकास सिंघल ने बताया कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशों का अनुपालन करते हुये डेंगू रोधी माह मनाये जाने के निर्देश सभी जिलों को दिये जा चुके हैं। डेंगू एडीज मच्छर से होने वाला रोग है। मानसून और उसके बाद की अवधि में डेंगू बुखार का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निवारक गतिविधियों में तेजी लाने पर जोर है जिससे कि किसी भी तरह के आउटब्रेक से बचा जा सके। हम तैयारियों को लेकर बात करें तो प्रदेश में डेंगू सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के उपाय मार्च महीने से ही शुरु कर दिए गए थे। अप्रैल के महीने में चलाये गए संचारी रोग नियंत्रण अभियान में मनाया गया जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने समुदाय को जागरूक करने के साथ लार्वा पनपने के स्रोत और सोर्स रिडक्शन की कार्यवाही की और वर्तमान में भी यह की जा रही है क्योंकि संचारी रोग नियंत्रण अभियान चल रहा है। इसके साथ ही 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस भी मनाया गया। डाक्टर सिंघल बताते हैं कि डेंगू के हर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं होती। ये जांच करने वाले चिकित्सक की सलाह पर निर्भर है।

डेंगू के लक्षण

यदि मरीज को उल्टी आ रही है, पेट मे तेज दर्द है सांस लेने में कठिनाई है रक्तचाप गिर रहा है, घबराहट हो रही है, बहुत कमजोरी महसूस हो रही हो या शरीर मे कहीं भी रक्तस्राव हो रहा हो तो ऐसी दशा मे तुरंत भर्ती करा कर पूर्ण इलाज करना चाहिए। डेंगू में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि शरीर में पानी की कमी न होने पाए क्योंकि पानी की कमी से मरीज शॉक में चला जाता है। इसलिए डेंगू होने पर ओ आर एस का घोल, तरल पेय पदार्थ का सेवन करें। डेंगू के उपचार में फ्लूड मैनेजमेंट ही महत्वपूर्ण है।

मच्छरों से बचने के उपाय

सोते समय मच्छर दानी या मच्छररोधी क्रीम का उपयोग करें। पूरी बांह के कपड़े पहने। घर की खिड़की और दरवाजों पर जाली लगवाएं। घरों और ऑफिस में हर रविवार मच्छरों पर वार के तहत कूलर और जलजमाव वाले स्थानों की सफाई करें। यदि कहीं पानी इकट्ठा है तो उसमें जला हुआ मोबिल ऑयल डाल दें। घर में पुराने कबाड़, गमलों की ट्रे, फ्रिज की ट्रे, पुराने टायर, शो प्लांट अदि में पानी न इकट्ठा होने दें।

आंकड़ों पर नजर

साल	केस
साल 2019	10640
साल 2020	3715
साल 2021	29,750
साल 2022	19821
साल 2023	35402

नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस ने राजधानी में प्रदर्शन किया। विधानसभा घेरेने जा रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने बैरीकेडिंग लगाकर रोक दिया। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। जिसके बाद पुलिस-प्रशासन ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डेन भेज दिया।

गुरुवार को हुए इस प्रदर्शन का नेतृत्व उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पूर्वी के अध्यक्ष विशाल सिंह, मध्य के अध्यक्ष दीपक शिवहरे एवं पश्चिमी के अध्यक्ष पारस शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में पूर्व एमएलसी दीपक सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। सुबह काफी संख्या में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से निकलकर विधानसभा घेरने के लिए निकले जहां रास्ते पर भारी पुलिस बल द्वारा बैरीकेडिंग लगाकर रोका गया। युवा कांग्रेसजनों और पुलिस में हुई नोकझोंक में कई युवा कांग्रेसजनों को चोटें भी आई। इसके पूर्व प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में युवा कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने कहा कि राहुल गांधी लगातार युवाओं के लिए आवाज उठा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में जबसे भाजपा की योगी सरकार आई है तबसे सारी भर्तियों के पेपर लीक हो रहे हैं, चाहे आरओ, एआरओ हो, लेखपाल भर्ती हो, पुलिस भर्ती हो, योगी सरकार युवाओं के साथ धोखा कर रही है। नीट-यूजीसी की परीक्षा लीक होने से पूरे देश में युवा आक्रोशित हैं। बेरोजगार युवाओं को भर्ती के नाम पर छलने का काम कर रही है। युवा कांग्रेस पूर्वी के अध्यक्ष विशाल सिंह ने कहाकि भाजपा सरकार में आज तक कोई भी भर्ती सकुशल नहीं हो पायी है यह सरकार की घोर विफलता है। बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा है। उन्होने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव युवाओं के हितों के लिए संघर्ष करती रही है। यदि सरकार रोजगार नहीं दे सकती तो भर्ती के नाम पर उन्हें धोखा देना बन्द करे। नीट-यूजीसी परीक्षा में लीक योगी सरकार की युवा विरोधी नीति का परिचायक है। उन्होने कहाकि महाकुंभ मेले में साल स्लीपर सप्लाई में गुजरात की कंपनी को टेण्डर देकर भ्रष्टाचार किया गया। भ्रष्टचार के खिलाफ लड़ाई कांग्रेस पार्टी लड़ेगी। युवा कांग्रेस मध्य के अध्यक्ष दीपक शिवहरे ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहाकि भाजपा की सरकार-पेपर लीक सरकार बनकर रह गई है। भाजपा के साथ ही उनके सहयोगी गठबन्धन के दल भी इस कुकृत्य में शामिल हैं। प्रदेश का युवा आज हताश और निराश है। युवा कांग्रेस पश्चिमी के अध्यक्ष पारस शुक्ला ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहाकि जब तक नीट-यूजीसी की परीक्षा निरस्त कर पुन: परीक्षा नहीं कराई जाती है कांग्रेसजन चुप नहीं बैठेंगे और युवाओं के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

युवा कांग्रेस मध्य के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा सरकार ने परीक्षा लीक का रिकार्ड बनाया है ऐसे में युवा कांग्रेस मांग करती है कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री तत्काल इस्तीफा दें और नीट-यूजीसी परीक्षा निरस्त कर दुबारा परीक्षा कराई जाए।

ओलावृष्टि होने पर फसलों की नुकसान की भरपाई प्राथमिकता पर करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य व दुग्ध विकास की मण्डलीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में मंडलायुक्त द्वारा ओलावृष्टि होने पर फसलों की नुकसान की भरपाई प्राथमिकता पर करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कृषकों के हित में संचालित योजनाओं का बड़े स्तर पर प्रचार.प्रसार कराते हुए, उन्हें लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया।

गुरुवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब की अध्यक्षता में कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, दुग्ध विकास की प्रमुख योजनाओं की महत्वपूर्ण मण्डलीय समीक्षा बैठक का आयोजन स्मार्ट सिटी कार्यालय के सभागार में की। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने खरीफ 2024 में जनपदवार आच्छादन की प्रगति जिसमे खरीफ 2024 में जनपद और बीजों की उपलब्धता एवं वितरण की प्रगति, उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की प्रगति, मृदा स्वास्थ्य कार्ड व सोलर पंप आदि विभिन्न योजनाओ की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार बड़े स्तर पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिससे सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ किसानों को मिल सके साथ ही किसान जागरूक हो सके। उन्होने कहा कि किसानों के लिये बीजो की उपलब्धता व उर्वरकों की उपलब्धता में धरातल पर किसी प्रकार की कमी नही मिलनी चाहिए। फसल बीमा योजना के तहत कृषकों द्वारा प्रीमियम जमा करने के बाद अगर किसी आपदा व ओलावृष्टि द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचता है। तो फसलों के नुकसान की भरपाई प्राथमिकता पर कराये। उद्यान एवं खाद्य पर प्रंसस्करण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एकीकृत बागवानी मिशन लखनऊ में लक्ष्य 323.50 में 285.50 की पूर्ति कर ली गयी है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद उन्नयन योजना की प्रगति वर्ष 2023.24 लखनऊ में लक्ष्य 58 में 58 की भौतिक पूर्ति कर ली गयी है साथ ही मंडल में लक्ष्य 574 के सापेक्ष 574 की पूर्ति कर ली गयी है। फ लपट्टी विकास योजना वर्ष 2023.24 लखनऊ में लक्ष्य 94 में 40 की पूर्ति की गयी है। उन्होंने कहा की कृषको व जनमानस के मध्य उच्च गुणवत्ता व रोग रहित पौधे उपलब्ध कराने के लिए उद्यान व मनरेगा विभाग आपस में समन्वय बनाते हुए मंडल के प्रत्येक जनपद में नर्सरी स्थापित करें। मंडलायुक्त को सम्बंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि निषाद राज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत विभागीय पोर्टल पर आनलाईन आवेदन प्राप्त करने के लिए 1 जुलाई 2024 से 21 जुलाई 2024 तक पोर्टल खोला गया है। जिसकी आनलाईन वेबसाईट पद है। निषाद राज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत इच्छुक लाभार्थी अधिक से अधिक आवेदन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना से भी लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपदों में उपलब्ध तालाबों का अत्यधिक आवंटन जलक्षेत्रो तथा तालाबए जलाशय व नदी की मत्स्य उत्पादकता में अपेक्षाकृत वृद्धि की जाए।

मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन योजनाओं की प्रगति की रफ्तार धीमी है। उन योजनाओं का संबंधित अधिकारी स्वयं समीक्षा करें और लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति में तेजी लाये साथ ही नियमित अंतराल में चेकिंग भी करते रहे।

हाथरस घटना के मृतकों की आत्मा की शांति के लिए छात्रसभा ने निकाला कैंडल मार्च

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी छात्र सभा उत्तर प्रदेश ने हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ में हुई दर्दनाक मौतों से पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए लखनऊ में केडी सिंह स्टेडियम से लेकर बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा तक कैंडिल मार्च निकाला और मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। समाजवादी छात्र सभा द्वारा राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन में बताया गया कि भाजपा सरकार एवं प्रशासन की लापरवाही से यह घटना हुई। जब सरकार को पता था कि सत्संग में 50 हजार से एक लाख लोग उपस्थित होते हैं तो सरकार को सुचारू व्यवस्था करनी चाहिए थी जिसमें सरकारी तंत्र पूरी तरह से फेल रहा। कैंडिल मार्च में समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा, सुश्री पूजा शुक्ला, दीपू श्रीवास्तव, अनिल यादव मास्टर, धीरज श्रीवास्तव, माधुर्य सिंह मधुर, ममता शर्मा, कांची सिंह यादव, तनवीर अली, सुधीर मौर्य, दीपक यादव, मनोज यादव, जयसिंह प्रताप यादव, ओम लोधी, अरविन्द यादव, वीरेन्द्र कुमार, तौफीक, आशुतोष तिवारी, दुर्गेश यादव, जावेद अली, राज साहनी समेत सैकड़ों पदाधिकारी शामिल रहे।

मोहर्रम पर रूमी दरवाजा दो वर्ष बाद खुलेगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पुरातत्व विभाग के संरक्षण में लखनऊ के रूमी दरवाजा की मरम्मत का कार्य चल रहा है। इसलिए रूमी दरवाजा को करीब दो वर्ष तक बंद रखा गया है। लेकिन इस बार मोहर्रम पर रूमी दरवाजा को दो वर्ष बाद खोला गया है।

गुरुवार को रूमी दरवाजा को खोले जाने पर स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर की। लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि रूमी दरवाजा लखनऊ की शान है। पर्यटकों को इमामबाड़ा क्षेत्र में बने रूमी दरवाजा को देखने की हसरत रहती है। दो वर्ष से ज्यादा समय से रूमी दरवाजा को मरम्मत के नाम पर बंद किया गया है। इसे खोले जाने से बेहद प्रसन्नता हो रही है। मरम्मत के दौरान रंगरोगन हो जाने से रूमी दरवाजा में चमक आ गयी है। दूर से देखने पर रूमी दरवाजा अपने नये रंग में दिखायी दे रहा है। पुरातत्व विभाग के अधीक्षण पुरातत्वविद् डॉ आफ्ताब हुसैन ने कुछ वक्त पहले अपने एक बयान में कहा था कि रूमी दरवाजा अब लोगों के देखने के लिए ही रहेगा। रूमी दरवाजा को खोला नहीं जायेगा। डॉ. आफ्ताब के बयान के करीब दो माह बाद रूमी दरवाजा खुला तो मुस्लिम धर्मगुरुओं और शिया समुदाय के लोगों ने उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद कहा। शिया समुदाय के प्रमुख लोगों ने कहा कि मोहर्रम पर रूमी दरवाजा को खोले जाने के बाद इसे लगातार खुला ही रखा जायेए जिससे इसकी खूबसूरती देखने को बाहर मुल्क से भी लोग आते रहें।

उल्टी-दस्त से पीड़ित महिला की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उल्टी-दस्त से पीड़ित महिला एक महिला की गुरुवार को बलरामपुर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। महिला के परिजन हालत बिगड़ने पर अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर आए थे।

राजाजीपुरम निवासी शशांक ने बताया कि सोमवार को मां शांति (52) को कई बार उल्टी-दस्त पड़ने पर नजदीक के एक डॉक्टर को दिखाया। दवाएं दीं, लेकिन राहत नहीं मिली। मंगलवार को हालत बिगड़ने पर बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी लेकर आए। महिला को डॉ. आरएन मिश्रा की निगरानी में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सांस लेने में दिक्कत होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट पर लिया गया। इसके बावजूद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टर ने मरीज को आईसीयू में शिफ्ट करने को कहा। कर्मचारी महिला को आईसीयू में शिफ्ट करने की तैयारी कर रहे थे, तभी मौत हो गयी।

एकेटीयू में हरियाली लाने को किया गया पौधरोपण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय परिसर को हरा भरा करने के लिए कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडे के निर्देशन में पौधारोपण अभियान का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। इस दौरान परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों को लगाया गया। कुलपति प्रो जेपी पांडेय के नेतृत्व में आम आंवला सहित अन्य फलदार और छायादार पौधों को रोपा गया। इस मौके पर माननीय कुलपति प्रो जेपी पांडेय ने कहा कि परिसर को हरा भरा करने का हमें संकल्प लेना होगा। कुलसचिव रीना सिंह ने भी पौधे लगाते हुए पर्यावरण का संदेश दिया। कहा कि परिसर को हरा-भरा करने के लिए खाली जगहों को चिह्नित कर और भी पौधे लगाये जाएंगे। वित्त अधिकारी ने भी पौधरोपण किया। इस दौरान उपकुलसचिव डॉ आरके सिंह, डॉ डीपी सिंह, सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

डालीगंज माधव मंदिर में विश्व शांति सद्भावना यज्ञ का आयोजन

लखनऊ। जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव व 63वें श्री माधव मंदिर वार्षिकोत्सव के क्रम में गुरुवार को डालीगंज माधव मंदिर में विश्व शांति सद्भावना यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में औषधि वाले पेड़ की लकड़ी, जौए तिल, गाय का घी और करीब 55 तरह की औषधियों से हवन में आहुति दी गई। डालीगंज में भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा सात जुलाई को धूमधाम से निकलेगी।

मोदी पर अशोभनीय टिप्पणी का मामला

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की रिवीजन अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

मोदी के विरुद्ध अशोभनीय टिप्पणी के मामले में एमपीएमएलए की विशेष अदालत ने कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की रिवीजन अर्जी खारिज कर दी है। इस अर्जी में निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। पांच जनवरी 2024 को निचली अदालत ने पवन खेड़ा की डिस्चार्ज अर्जी खारिज कर दी थी। पवन खेड़ा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के विरुद्ध जानबूझकर अशोभनीय टिप्पणी करने व उनका नाम अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के नाम के साथ जोड़ने का आरोप है। इस मामले में खेड़ा के विरुद्ध निचली अदालत में आरोप पत्र दाखिल है। पवन खेड़ा ने रिवीजन अर्जी में राज्य सरकार के अलावा भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा को पक्षकार बनाया था।

विशेष अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि पवन खेड़ा के विरुद्ध विभिन्न जिलों एवं राज्यों में जो प्रथम सूचना दर्ज हुई है, उनसे संज्ञेय अपराध का होना पाया जाता है। इसके अलावा खेड़ा के विरुद्ध स्थानीय थाना हजरतगंज पुलिस द्वारा दायर आरोप पत्र को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती भी दी गई थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। साथ ही यह आदेश दिया था कि वह निचली अदालत के समक्ष अपना तर्क प्रस्तुत करे। इससे पूर्व पवन खेड़ा की रिवीजन अर्जी का सरकार की ओर से जोरदार विरोध किया गया। कहा गया कि आरोपी पवन खेड़ा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। वह वर्ष 1998 से 2013 तक सरकार के राजनीतिक सचिव के पद पर रह चुके हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता का नाम दामोदर दास मूल चंद्र मोदी की जगह दुराशय से नरेंद्र गौतम दास मोदी लिया था। 20 फरवरी 2023 को पवन खेड़ा के इस आपत्तिजनक वक्तव्यों को लेकर बनारस के थाना कैंट एवं लखनऊ के थाना हजरतगंज के अलावा 22 फरवरी 2023 को असम के थाना हाफ लॉन्गा में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। कहा गया कि पवन खेड़ा ने भिन्न-भिन्न थानों में दर्ज एफआईआर को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष चुनौती दी गई थी। 20 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी रिपोर्ट को जनपद लखनऊ के थाना हजरतगंज में स्थानांतरित कर दिया था। विवेचना के पश्चात पवन खेड़ा के विरुद्ध सीजेएम लखनऊ की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। पवन खेड़ा की ओर से आरोप पत्र एवं एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष याचिका भी दायर की गई थी। लेकिन हाईकोर्ट ने कोई राहत नहीं दी थी।

प्रो. विनय पाठक को मिला दूसरा कार्यकाल कविता शाह सिद्धार्थ विवि की कुलपति नियुक्त

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति राज्य विश्वविद्यालय आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति प्रो. विनय पाठक को दोबारा कानपुर विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. पाठक का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की अवधि से तीन वर्ष का होगा। वहीं राज्यपाल ने सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर के कुलपति के रूप में बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय की सुश्री कविता शाह को नियुक्त किया है। प्रो. शाह का कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष का होगा।

वर्ष 2020 के छात्रों की परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड के समक्ष गुरुवार को होम्योपैथी फार्मेसी कॉलेज संघ के सदस्यों ने धरना-प्रदर्शन किया। संघ के सदस्यों ने 2020 के छात्रों की परीक्षा कराने की मांग की। प्रदर्शन में कई होम्योपैथिक कॉलेजों के प्रिंसिपल, प्रबंधक, शिक्षक और छात्र शामिल हुए। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल डवास ने बताया कि सत्र 2020 से लेकर सत्र 2023-25 तक के सभी छूटे हुए छात्रों का कालेजवार पुन: पोर्टल खोलकर बोर्ड द्वारा इनरोलमेंट जारी कर परीक्षा कराई जाए। स्वकेन्द्र प्रणाली लागू की जाए। उन्होंने कहा कि बोर्ड के मनमाने आदेशों से कॉलेज प्रबंधन के साथ ही छात्र भी काफी परेशान हैं। संघ के पदाधिकारियों का कहना कि होम्योपैथिक मेडिकल बोर्ड ने हाल ही में कुछ नए नियम और प्रावधान लागू किए हैं जो न केवल अगला होम्योपैथी कॉलेजों के संचालन में बाधा डाल रहे हैं। बल्कि छात्रों लेख भविष्य पर भी विपरीत प्रभाव डाल रहे हैं।

डिग्री विद रिसर्च तो है पर डॉक्टरेट नहीं

● एनईपी के तहत प्रदेश में एलयू पासआऊट पहले बैच के छात्रों के लिए बना सिरदर्द

डिग्री विद रिसर्च के लिए तीसरे साल में 75 फीसद अंक अनिवार्य, डॉक्टरेट के लिए 55 फीसद अंक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में सबसे पहले एनईपी लागू करने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय से पहला बैच तीन साल की पढ़ाई कर निकल चुका है। चौथे वर्ष में डिग्री विद रिसर्च की पढ़ाई के लिए तीसरे साल में 75 फीसद अंक लाने अनिवार्य है। दूसरी बात चौथे साल की पढ़ाई के बाद भी उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त नहीं माना जायेगा। जबकि वहीं विवि स्तर पर ही पीजी के बाद शोध के लिए 55 फीसद अंक लाने अनिवार्य हैं। ऐसे में एनईपी के तहत पढ़ाई कर निकलने वाले उन छात्रों के लिए चौथे साल की पढ़ाई भारी पड़ रही है, जिनके 75 फीसद अंक है।

एनईपी के तहत चौथे साल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए फायदा बस इतना है कि पीजी की डिग्री उन्हें एक साल में मिल जायेगी। लेकिन इसके लिए तकरीबन 10 से 15 फीसद छात्र ही अर्ह हैं। अब इन छात्रों के सामने असमंजस की स्थिति है कि चौथे साल की पढ़ाई करें या पीजी में दाखिला लें। क्योंकि डिग्री विद रिसर्च की पढ़ाई करने के बाद भी उन्हें डॉक्टरेट लिखने का मौका नहीं मिलेगा। ऐसे में छात्रों के सामने पीजी की पढ़ाई एक बेहतर विकल्प अभी दिख रहा है। क्योंकि दो साल की पीजी करने के बाद उन्हें शोध करने का मौका मिल रहा है। एलयू से एनईपी के तहत तीसरे साल की पढ़ाई कर निकले सर्वेश तिवारी ने बताया कि एनईपी के तहत यूजी के चौथे साल में प्रवेश के लिए 7.5 सीजीपीए मतलब 75 प्रतिशत नंबर चाहिए। इसके साथ चौथे साल में प्रवेश मिल भी गया तो पीजी के एक साल में प्रवेश लिए भी इसे बरकरार रखना होगा। चौथे साल में रिचर्स प्रमोट करना है। ऐसे में इसे बरकरार रखने में मुश्किल आएगी। वहीं, यूजी और पीजी के बाद पीएचडी के लिए 55 प्रतिशत नंबर चाहिए।

रेगुलर की जगह सेल्फ फाइनेंस में प्रवेश मिलेगा: लुआक्टा अध्यक्ष डॉ मनोज पांडेय ने बताया कि पहले के मुताबिक यूजी कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स के नंबर बढ़े हैं। एनईपी में प्रत्येक वर्ष में इंटर्नल असेसमेंट के नंबर जुड़ते हैं, जिससे ओवरआल छात्रों के नंबर बढ़े हैं। लेकिन, लखनऊ विश्वविद्यालय सम्बद्ध 543 कॉलेज में मात्र 168 महाविद्यालय ही ऐसे हैं जिनमें एनईपी के तहत आगे पीजी की पढ़ाई हो सकती है। लेकिन, यहां उपकरण और संसाधनों की कमी है। वहीं, इन कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट्स को रेगुलर की जगह सेल्फ फाइनेंस में प्रवेश मिलेगा। इससे स्टूडेंट्स की जेब पर बोझ पड़ेगा। विश्वविद्यालय में यूजी कोर्स के तीसरे साल में एनईपी के तहत एक लाख स्टूडेंट्स पास हुए हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं में अभी दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री ही मान्य: स्नातक के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर छात्रों के सामने काफी विकल्प होते हैं। लेकिन इन परीक्षाओं में शामिल होने के लिए निर्धारित अर्हता में अभी दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री ही मांगी जाती है। ऐसे में एनईपी के तहत चौथे साल की पढ़ाई कर एक साल की पीजी करने वाले छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में अर्हता के मानक में संसोधन करने होंगे।

एलयू में बीबीए-बीसीए व एलएलबी इंटीग्रेटेड में दाखिले के लिए मार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में दाखिले के लिए चल रही स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत इस बार बीबीए व बीसीए सहित एलएलबी इंटीग्रेटेड में दाखिले के लिए छात्रों की भारी भीड़ है। स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में अब तक पिछले सत्र की तुलना में काफ़ी अधिक आवेदन आ चुके हैं।

विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन अंतर्गत पर्यास वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज हुई है। सबसे ज्यादा आवेदन इस बार विधि 5 वर्षीय पाठ्यक्रम एवं बीबीए व बीसीए के पाठ्यक्रमों में देखी जा रही है। विधि स्नातक पाँच वर्षीय पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर 160 सीटें उपलब्ध हैं। जिनके सापेक्ष लगभग 7000 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि में 5 जुलाई है। इस प्रकार एक सीट के सापेक्ष लगभग 44 दावेदार हैं। इसी प्रकार बीबीए (320) एवं बीसीए (100) पाठ्यक्रम में 420 सीटों के सापेक्ष अभी तक लगभग 8000 आवेदन फॉर्म आ चुके है। अर्थात् एक सीट के सापेक्ष बीबीए में लगभग 14 दावेदार एवं बीसीए में 38 दावेदार दिखाई दे रहे हैं। जबकि आवेदन की अंतिम तारीख़ 5 जुलाई है।

एक नजर आवेदन पर 2023-24

- बीबीए- 3700
- बीसीए- 3392

वर्ष 2024-25 में

- बीबीए- 4120
- बीसीए- 3786

एलएलबी इंटीग्रेटेड

- 2023-24 - 5464
- 2024-25 - 6935

नए कानून के संदर्भ में कार्यशाला आयोजित

लखनऊ (विसं)। बीते एक जुलाई से देश में लागू नए आपराधिक कानून के संबंध में जनपद लखनऊ के समस्त शासकीय अधिवक्ताओं व अभियोजन अधिकारियों की एक संयुक्त कार्यशाला जिला जज अश्विनी कुमार मिश्र एवं जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार की उपस्थिति में आयोजित की गई। पुराने हाईकोर्ट के मीडिएशन सेंटर में अभियोजन निदेशालय के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में संयुक्त निदेशक वेद प्रकाश त्रिपाठी द्वारा नए अपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के संबंध में चर्चा की गई। इस कार्यशाला में नए कानूनों की व्याख्या करते हुए उन्हें लागू करने हेतु प्रशिक्षण कराए जाने पर भी जोर दिया गया।

वृक्षारोपण महाभियान का हिस्सा बनकर 20 जुलाई को 'मां के नाम' अवश्य लगाएं एक पौधा

● मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत अपने सरकारी आवास पर लगाया लाल चंदन का पौधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देशवासियों को ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी चुनौतियों से बचने के लिए पूरे देश में पीएम मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का अभिनव आह्वान किया है। इसी श्रृंखला में गुरुवार को सीएम योगी ने अपने सरकारी आवास पर लाल चंदन का पौधा लगाया। उन्होंने इस अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से पीएम का हृदय से आभार प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपील की है कि प्रदेश की आबादी के अनुसार हर व्यक्ति 'वृक्षारोपण महाभियान' का हिस्सा बनकर 20 जुलाई को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाए। इसके लिए प्रदेश की नर्सरियों में हमने 54 करोड़ पौधे भी तैयार किए हैं। इनमें पर्यावरण के लिए उपयोगी हर प्रकार के पौधे (पीपल, पाकड़, नीम, देशी आम, जामुन, अमरुद, शीशम, सागौन) आदि हैं। योगी ने बताया कि पीएम आवास योजना के लाभार्थियों के घर पर निशुल्क सहजन का पौधे उपलब्ध करा रहे हैं। सहजन हर किसी के लिए बहुत उपयोगी है। इसकी फली की सब्जी या सूप के उपयोग से कुपोषण दूर हो सकता है। हम लोगों ने दो वर्ष पहले भी पीएम आवास योजना के हर लाभार्थी के घर पर सहजन का पेड़ लगाया था। यह अब काफी बड़े भी हो चुके हैं। इस बार फिर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। हमारे पास सहजन के लगभग 55 लाख पौधे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग वैरायटी के पौधे पूरे प्रदेश में लगाए जाएंगे। इसके तहत व्यापक अभियान चलाकर ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, पार्कों, सड़क के किनारे, खाली स्थान पर पौधरोपण किया जाएगा। सीएम ने कहा कि प्रदेशवासी वन महोत्सव के साथ-साथ वृक्षारोपण महाभियान का हिस्सा बनकर पर्यावरण की चुनौती का सामना करने के लिए आगे आएंगे, इस विश्वास के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम लखनऊ में किया गया है। योगी ने कहा कि इस महाभियान में 30-35 करोड़ पौधरोपण करेंगे। यह कार्यक्रम अभी से प्रारंभ है। 20 जुलाई को रिकॉर्ड पौधरोपण कर वृक्षारोपण महाभियान के महापर्व में हर कोई हिस्सा लेगा। इन पौधों की देखभाल हो सके, इसके लिए भी समय-समय पर कार्यक्रम चलेंगे। सीएम ने आग्रह किया कि जो व्यक्ति पेड़ लगाए, वह उसकी सुरक्षा भी करे।

इस दौरान वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव (वन) मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) संजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

प्रख्यात इतिहासविद प्रो. शिवाजी सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

प्रख्यात इतिहासविद प्रो. शिवाजी सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत प्रो. सिंह को भारतीय इतिहास लेखन को नई दिशा देने वाला बताते हुए कहा है कि उनका निधन राष्ट्र एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। सीएम योगी ने प्रो. शिवाजी सिंह की पुत्री, खोराबार क्षेत्र के दिव्य नगर गोल्ड निवासी प्रो. शशिप्रभा सिंह को भेजे शोक संवेदना संदेश में कहा कि शिवाजी सिंह जी ने अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भारतीय इतिहास लेखन को भारत केंद्रीय दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति के मर्मज्ञ प्रो. शिवाजी सिंह ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग में चार दशक तक अध्यापन एवं शोध निर्देशन के साथ अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति होने के पश्चात भी अनवरत वैदिक साहित्य एवं भारतीय पुरातत्व पर अध्यनरत रहे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रो. शिवाजी सिंह श्री गोरखनाथ मंदिर के अनन्य भक्त थे। सीएम योगी ने महायोगी गुरु गोरखनाथ से दिवंगत आत्मा की चिर शांति प्रदान करने तथा सभी परिवारजनों को अपार दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

एक वर्ष से ऊपर के वादों का निस्तारण 15 दिवसों में कराने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन कराते हुए ग्रामों में सीमा स्तंभों की स्थापना कराना सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा में उप जिलाधिकारी न्यायलय और तहसीलदार न्यायलयों में लंबित एक वर्ष से ऊपर के वादों का निस्तारण आगामी 15 दिवसों में सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए । डीएम द्वारा अवैध कालोनियों को बसने से अ धिकारियों को रोकने का निर्देश दिया गया। गुरुवार को कलेक्ट्रेट में ज़िलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक की। बैठक में सर्वप्रथम ग्रामों में सीमा स्तंभ की स्थापना करने संबंधित बिंदु की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि भौतिक सत्यापन कराते हुए ग्रामों में सीमा स्तंभों की स्थापना कराना सुनिश्चित किया जाए। सभी उप जिलाधिकारी स्वयं यह सत्यापन करे की कहां कहां सीमा स्तंभों की स्थापना करनी है। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि प्राय: यह देखा जाता है की जान सामान्य के द्वारा ग्रामों का नक्शा मांगने (नक्शे की प्रति मांगने) संबंधित काफी प्रार्थना पत्र दिए जाते है। जिसके लिए सभी तहसीलों और कलेक्ट्रेट में बड़ी फोटोकापी मशीन की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। ताकि किसी को भी अपने ग्राम के नक्शे आदि की आवश्यकता हो तो उसे आसानी से नक्शे की प्रति उपलब्ध कराई जा सके। इसके बाद जिलाधिकारी ने राजस्व वादों की भी गहन समीक्षा की। समीक्षा में उप जिलाधिकारी न्यायलय और तहसीलदार न्यायलयों में लंबित 1 वर्ष से ऊपर के वादों का निस्तारण आगामी 15 दिवसों में सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी न्यायिक हनुमान प्रसाद और अपर नगर मैजिस्ट्रेट शिप्रा पाल को निर्देश दिए कि उनके द्वारा प्रतिदिन 1 वर्ष से ऊपर के जितने भी वाद तहसीलों में लंबित है उनकी मॉनिटरिंग की जाए की किस दिन कहा कितने वाद लगे है और कितने निस्तारित हुए इसकी रिपोर्ट प्रतिदिन जिलाधिकारी को उपलब्ध कराई जाए।

अल्प विकसित व मलिन बस्तियों के समग्र विकास के लिए सूडा ने आयोजित की कार्यशाला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में आने वाली मलिन बस्ती व अल्प विकसित बस्तियों के समग्र विकास हेतु कार्यशाला का आयोजन सूडा सभागार में निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मलिन एवं अल्प विकसित बस्तियों का चिन्हीकरण व सूचीबद्ध करने के लिए ऐसी व्यवस्था को बनाना, जिससे इन बस्तियों का समग्र विकास कर इनको संतृप्त किया जा सके।

कार्यशाला के दौरान निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना का लक्ष्य सिर्फ नाली, खड़ंजा, इंटरलॉकिंग व सडक़ों का निर्माण करना ही नहीं है, इस योजना का उद्देश्य समग्र विकास करना है। यानी कि इन बस्तियों में रहने वाले लोगों को बुनियादी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उनके रोजगार व आजीविका में वृद्धि करना है। उक्त कार्यशाला में अपर निदेशक सूडा आनंद कुमार शुक्ला, नगरीय रोजगार व गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग के अनु सचिव अरविंद कुमार गिरी, उप निदेशक सूडा कीर्ति प्रकाश भारती व कार्यक्रम अधिकारी सूडा अतुल सिंह चौहान ने भी अपने विचार साझा किए। वर्कशॉप में विषय क्षेत्र से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग कर विचार व्यक्त किए गए। इनमें मुख्य रूप से श्री एके गुप्ता, अपर निदेशक, आरसीयूईएस, मुरली मोहन थिम्मापुरम व सपन, डेलॉइट से, उदय सिंह, ग्रैण्ड थॉर्नटन भारत एलएलपी से, अनिमा गुप्ता, ए.वी.पी, ई.वाई. इंडिया से व ऋषिकेश मेधज ग्रुप से शामिल रहे। इसके साथ ही सौरभ त्रिपाठी, परियोजना अधिकारी डूडा लखनऊ, विजया तिवारी, परियोजना अधिकारी डूडा बाराबंकी, अरविंद सिंह, परियोजना अधिकारी डूडा उन्नाव, दर्शानन्द अवर अभियंता मथुरा, प्रशांत सिंह चौहान, सीएलटीसी डूडा लखनऊ, पीयूष मिश्रा, सीएलटीसी, डूडा सीतापुर, प्रतीक गुप्ता, सीएलटीसी डूडा उन्नाव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भारत एआई का ग्लोबल लीडर, नए अवसरों को लेकर तैयार रहें युवा: राजेश्वर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 21 वीं सदी की सबसे क्रांतिकारी तकनीक है, संसार के सभी संस्थान अपनी प्रगति में एआई तकनीक को सहभागी बनाना चाहते हैं, यही कारण है भविष्य में करोड़ो नौकरियों का स्वरुप भी डिजिटल एजुकेशन और एआई के अनुरूप बदलने वाला है। इस संबंध में वृहस्पतिवार को सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने ट्वीट कर एआई के बढ़ते प्रभाव के आंकड़े रखते हुए युवाओं को डिजिटल एजुकेशन और एआई में अपना भविष्य बनाने के साथ इस क्षेत्र में सरोजनीनगर में किये जा रहे प्रयासों को सामने रखा। विधायक ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत एआई अपनाने में अग्रणी है, माइक्रोसॉफ्ट और लिंक्डइन 2024 वर्क ट्रेंड इंडेक्स से पता चलता है कि कैसे इंडिया इंक तेज गति से एआई को अपना रहा है। विधायक ने आंकड़े रखते हुए बताया कि 92 फीसद भारतीय नॉलेज वर्कर्स प्रतिदिन एआई का उपयोग करते हैं और 72फीसद अपने स्वयं के एआई उपकरण काम में लाते हैं। जबकि इस क्षेत्र में वैश्विक औसत 78 फीसद ही है। 75 फीसद भारतीय नियोक्ता नई नियुक्तियों में एआई कौशल को प्राथमिकता देते हैं, इस क्षेत्र में वैश्विक औसत 66 फीसद है। 80फीसद लीडर्स अनुभवी लोगों की तुलना में एआई-कुशल उम्मीदवारों को पसंद करते हैं, भारत में 5-6 साल के अनुभव वाल एआई विशेषज्ञों के वेतन में 40 फीसद तक की बढ़ोतरी हुई है। डॉ सिंह ने आगे लिखा कि पिछले साल एआई विशेषज्ञता की मांग 17 फीसद तक बढ़ी है, 91फीसद लीडर्स का कहना है कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए एआई आवश्यक है, लेकिन तथ्य यह है कि 54 फीसद के पास एआई कार्यान्वियन के लिए स्पष्ट योजना का अभाव है। विधायक ने आगे जोड़ा कि मार्केटिंग डेटा और एनालिटिक्स फर्म कांतार द्वारा प्रकाशित एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि भारत में 10 में से 9 इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा पहले से ही एआई का उपयोग किया जा रहा है। एआई काम के भविष्य को नया आकार दे रहा है! तो तैयार रहें।

ग्राम्य विकास विभाग के 12.59 करोड़ पौधों के रोपण के लक्ष्य को समय से पूरा करें: मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वृक्षों को लगाना बहुत जरूरी है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी उन्हें बचाना है। मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस वर्ष ग्राम्य विकास विभाग के 12.59 करोड़ पौधों के रोपण के लक्ष्य को समय से पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि निर्धारित लक्ष्य को निर्धारित तिथि तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि रोपित पौधों की जीवन्तता सुनिश्चित करने हेतु रोपण के पश्चात आगामी 3 वर्षों अथवा पौधों के वृक्ष के रूप में स्थापित होने तक सुरक्षा एवं रखरखाव किया जाए।।

मौर्य ने कहा है कि हमें अपने बच्चों की तरह वृक्षों और पौधों की परवरिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर काम करना होगा ,तभी हम अपनी पीढ़ी को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण के दृष्टिकोण से ही अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम सबको संकल्प लेना चाहिए की परमार्थ का भाव रखते हुए वृक्षारोपण करें और पौधों को बचाएं। उन्होंने वृक्षों की महत्ता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण हैं, इनसे हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है और पर्यावरण संरक्षित रहता है। कहा कि स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत की दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री ने जो संदेश दिया था, उसके परिणाम सार्थक और सकारात्मक परिणाम निखर कर आए हैं लेकिन अभी इस क्षेत्र में बहुत कुछ करना बाकी है। मौर्य ने कहा हम सब लोग वातावरण को स्वच्छ रखने तथा वृक्षों को संरक्षित रखने की संगठित रूप से प्रयास करें, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित पर्यावरण दे पाएंगे । उन्होने लोगों से अपील की है कि हम अपने मित्रों व आसपास के लोगो को पर्यावरण सुरक्षा हेतु प्रेरित करें व अधिक से अधिक पौधे लगाएं। केशव प्रसाद मौर्य ने आम जनमानस का आह्वान किया है कि सभी लोग पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान दें तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। मौर्य ने कहा है कि लक्ष्य से अधिक उच्च गुणवत्ता प्राप्त करने वाले तीन जनपदों को चिन्हित कर सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व व निर्देशन में वृक्षारोपण को सफल बनाने हेतु ग्राम्य विकास विभाग पहले से ही सक्रिय है। विभाग को मिले लक्ष्य के अनुसार सभी जनपदों को भी लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। जारी निर्देशों में कहा गया है कि मनरेगा योजनान्तर्गत मास्टर सर्कुलर 2024-25 के प्रस्तर-7.6.10 निहित शर्तों के अनुसार पौधों की सुरक्षा हेतु कार्यवाही की जाय जहां तक सम्भव हो। रोपित पौधों की देखभाल कृषि सखी व वृक्ष सखी के माध्यम से कराने पर विचार किया जाय। कृषकों की मांग के अनुरूप पौधों की उपलब्धता हो, इसे भी सुनिश्चित करने के कहा गया है। कुल वृक्षारोपण में 20 प्रतिशत फलदार पौधों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसमें पर्याप्त मात्रा में मोरिंगा प्लान्टेशन की कार्यवाही प्राविधानित की जाय।वन विभाग द्वारा ग्राम्य विकास विभाग को निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराये के निर्देश हैं। मनरेगा योजना से बांस का रोपण नदियों के किनारे पर किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। अमृत सरोवरों के चारों ओर फलदार/छायादार पौधों का रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं । यह भी निर्देश दिए गए हैं कि रोपण के पश्चात पौधों की देखरेख एवं प्रतिस्थापन सम्बन्धी कार्य में भी श्रमिकों को योजित किया जाय।

ई-पॉस से लैस राशन की दुकानों की होगी सॉफ्टवेयर के जरिए रेगुलर मॉनिटरिंग

● खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने शुरू की प्रक्रिया, यूपीडेस्को को सौंपी गई मॉनिटरिंग के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करने की जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश की सभी राशन की दुकानों में ई-पॉस उपकरणों की रोलआउट प्रक्रिया में तेजी लाने जा रही है। योगी सरकार के निर्देश पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीडेस्को) को इसकी मॉनीटरिंग के लिए सॉफ्टवेयर का विकास करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इस क्रम में यूपीडेस्को द्वारा एक एजेंसी की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जो प्रदेश की सभी राशन की दुकानों को ई-पॉस मशीनों से युक्त करने के साथ ही उसके ऑटोमेशन व रेगुलर मॉनिटरिंग की प्रक्रिया को सुनिश्चित करेगी।

योगी सरकार की योजना के अनुसार राशन की दुकानों के ऑटोमेशन की जिस प्रक्रिया को पूरा किया जाना है उसमें तेजी यूपीडेस्को द्वारा एजेंसी निर्धारण के बाद आएगी। यूपीडेस्को द्वारा प्रक्रिया शुरू करते हुए इंपैनल्ड एजेंसियों से आवेदन मांगे गए हैं। उल्लेखनीय हैं कि जिस एजेंसी को यह कार्य आवंटित होगा उसे न केवल यह सुनिश्चित करना होगा कि इलेक्ट्रॉनिक प्वॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइसेस को प्रदेश की सभी राशन की दुकानों में स्थापित किया जाए, बल्कि इसके संचालन, मेंटिनेंस व रेगुलर मॉनिटरिंग के फ्रेमवर्क को भी एजेंसी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। जिन ई-पॉस डिवाइसेस को राशन की दुकानों में स्थापित किया जा रहा है वह इलेक्ट्रॉनिक वेइंग स्केल (ईडब्ल्यूएस) पर आधारित होंगी।

प्रदेश की सभी राशन की दुकानों में ई-पॉस डिवाइसेस के इंस्टॉलेशन और ऑटोमेशन के बाद इनकी रेगुलर मॉनिटरिंग के लिए एक विशिष्ट सॉफ्टवेयर को भी डेवलप किया जाएगा। इस रेगुलर मॉनिटरिंग को सुनिश्चित करने के लिए पॉस एप्लिकेशन के विकास के साथ ही खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के लिए प्रॉपर फ्रेमवर्क और ट्रेनिंग प्रक्रिया को भी पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 79,500 फेयर प्राइस शॉप्स हैं जो कि 3.59 करोड़ परिवारों को लाभान्वित करती हैं। इनके जरिए प्रति माह अंत्योदय अन्न योजना के जरिए राशन कार्ड धारक लाभान्वित होते हैं। लगभग 80 लाख क्विंटल खाद्य सामग्रियां इन राशन की दुकानों के जरिए प्रति माह राशन कार्ड धारक लाभार्थियों तक पहुंचती हैं। यही कारण है कि लाभार्थियों को घटतौली और कालाबजारी से बचाने तथा पूर्ण पारदर्शिता के साथ लाभान्वित करने की मंशा से योगी सरकार इस प्रक्रिया को लागू करने में तेजी ला रही है।

ई-पॉस मशीनों के इंस्टॉलेशन और ऑटोमेशन के साथ ही सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की प्रक्रिया को दो फेज में पूरा किया जाएगा। फेज वन में राज्य के सभी ईडब्ल्यूएस युक्त ई-पॉस उपकरणों के कार्यान्वयन की निगरानी की जाएगी। इसके बाद दूसरे फेज में राशन की दुकानों के ई-पॉस उपकरणों के स्वचालन के लिए परियोजना प्रबंधन की प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। इस पहल की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सभी राशन की दुकानों में सिस्टम इंटीग्रेटर की एसएलए निगरानी और रिपोर्टिंग को सुनिश्चित किया जाएगा। समय-समय पर मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (एमआईएस) रिपोर्ट के विश्लेषण के साथ प्रगति रिपोर्ट भी तैयार करके विभिन्न प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन की स्थिति को मॉनिटर किया जाएगा।

बाढ़ से ना हो कोई जनहानि, किसानों का हित सर्वोपरि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सिंचाई मंत्री ने किया बाढ़ सुरक्षात्मक कार्या का निरीक्षण

जल शक्ति एवं सिंचाई मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार स्वतंत्र देव सिंह ने गुरुवार को सहसवान के ग्राम नगला बरन में महाबा तटबंध पर 251.59 लख रुपए से कराए गए बाढ़ सुरक्षात्मक कार्या का जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने किए गए कार्य पर संतोष व्यक्त किया। ग्राम वासियों से वार्ता कर कुशल क्षेम जाना व समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि कोई जनहानि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सहसवान के ग्राम नगला बरन में महाबा तटबंध पर सुरक्षात्मक कार्य हो जाने से आसपास के लगभग 25 ग्रामों को बाढ से सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों से किए गए कार्यों की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम वासियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन के हितार्थ कार्य कराई है। उन्होंने किसानों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी जो भी समस्याएं हों उसकी प्राथमिकता पर निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों व आमजन की सरकार है तथा उनके हितार्थ कार्य कर रही है। योजनाएं संचालित कर रही है व पात्रों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग उमेश चंद्र ने बताया कि तहसील सहसवान के ग्राम नगला बरन में महाबा तटबंध पर किलोमीटर 18.530 से 18.710 तक बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्य मार्च 2024 में प्रारंभ हुआ था इसकी कुल लागत 251.59 लख रुपए है यह इसका कार्य 15 जून 2024 को पूर्ण हो गया था। उन्होंने बताया कि सुरक्षात्मक कार्यों में स्पर, पॉर्क्युपाइन स्क्रीनिंग आदि कार्य कराए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद में इस वर्ष 9 कार्य बाढ़ सुरक्षा के संबंध में कराए जाने थे, जिसमें से 8 पूर्ण हो गए हैं। एक निर्माणाधीन है, जिसका कार्य 85 प्रतिशत पूर्ण हो गया है। उन्होंने बताया कि यह 9 कार्य लगभग 30 करोड रुपए के हैं। उन्होंने बताया कि जो आठ कार्य पूर्ण हुए हैं उनमें से चार सहसवान क्षेत्र में आते हैं तथा चार दातागंज क्षेत्र में आते हैं तथा जो कार्य निर्माणाधीन है वह दातागंज क्षेत्र में आता है। इस अवसर पर बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, वृज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी व ग्रामवासी मौजूद रहे।

बीते सात वर्षों में 4415.55 करोड़ की लागत से किया जा रहा पर्यटन स्थलों का विकास

● पर्यटन स्थलों का विकास सरकार की प्राथमिकता: जयवीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा है कि सांसदों, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव पर पर्यटन विभाग द्वारा 4415.55 करोड़ रुपए की लागत से प्रदेश में स्थित अध्यात्मिक, पौराणिक एवं धार्मिक स्थलों का विकास किया जा रहा है। वर्ष 2017-18 से 2023-24 तक प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुविधाएं सृजित की जा रही है। धार्मिक एवं अध्यात्मिक पर्यटन स्थलों पर देशी-विदेशी पर्यटकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए राज्य सरकार पर्यटन सुविधाओं का प्राथमिकता से विस्तार कर रही है।

उन्होंने बताया कि विगत वर्षों में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से एक पर्यटन स्थल को विकसित किया गया है। पर्यटकों/श्रद्धालुओं के उपयोग के लिए पर्यटक सुविधा केन्द्र, यात्री निवास, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, बेंच, परिक्रमा मार्ग पर स्थित पड़ाव स्थल तथा घाट का निर्माण आदि कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों के अंतर्गत जनपद अयोध्या में चौदह कोसी मार्ग पर पर्यटक सुविधा की स्थापना 12.10 करोड़ रुपये से, जनपद अयोध्या में 14 धार्मिक पर्यटन स्थलों (रिर्षभ सरभ पनास मंदिर, सियाराम किला, दिगम्बर अखाड़ा, तुलसी चौराहा मंदिर, कौसल्या घाट मंदिर, कालेराम मंदिर, नेपाली मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, विश्वकर्मा मंदिर, छोटी देवकली मंदिर, मायूर मंदिर, भारत महल मंदिर, राम गुलेला मंदिर, हनुमान मंदिर) के फसाड ट्रीटमेन्ट एवं पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का कार्य 19.19 करोड़ रुपये से किया जा रहा है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसी प्रकार जनपद अयोध्या में चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित कुंडों का पर्यटन विकास/निर्माण कार्य 17.72 करोड़ रुपये से, चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित पर्यटन स्थलों का पर्यटन विकास/निर्माण कार्य 18.29 करोड़ रुपये से, चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित पर्यटन स्थलों (आश्रम) का पर्यटन विकास/निर्माण कार्य 17.56 करोड़ रुपये से, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग स्थित पर्यटन स्थलों का पर्यटन विकास/निमार्ण कार्य 18.67 करोड़ रुपये से, अयोध्या में ही 16 धार्मिक पर्यटन स्थलों (करतलिया बाबा मंदिर, तिवारी मंदिर, वेद मंदिर, सिंघम मंदिर, गारापुर मंदिर, मनीराम दास की छवनी मंदिर, बरेली मंदिर, रंग महल मंदिर, सीताराज महल मंदिर, मोतिहारी मंदिर, टेढ़ी यातीमहादेव मंदिर, राम पुस्तकालय मंदिर, विद्या देवी मंदिर, देवीकाली कुण्ड, श्री सरोवर मंदिर, धन्याक्ष्य कुण्ड) के फसाड ट्रीटमेन्ट एवं पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का कार्य 34.10 करोड़ से कराया जा रहा है।

जयवीर सिंह ने बताया कि जनपद प्रयागराज तहसील सदर के बालसन चौराहा स्थित महर्षि भारद्वाज आश्रम का पर्यटन विकास 13.35 करोड़ से, प्रयागराज के ही श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क का पर्यटन विकास 42.51 करोड़ रुपये से, जनपद मीरजापुर में विन्ध्य कॉरीडोर का निर्माण 128.95 करोड़ रुपये से, जनपद सीतापुर स्थित नैमिषारण्य में ललिता देवी मंदिर के निकट तीर्थयात्री सुविधा एवं कॉरीडोर का निर्माण 47.96 करोड़ से, जनपद वाराणसी में ओवरआल टूरिज्म डेवलपमेंट के अन्तर्गत पंचकोसी परिक्रमा यात्रा पड़ाव का पर्यटन विकास 41.20 करोड़ रुपये से, वाराणसी में ओवर ऑल टूरिज्म डेवलपमेंट योजना के अन्तर्गत 24.32 करोड़ रुपये से, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर साउण्ड एवं लाइट शो तथा दर्शकों के बैठने हेतु स्थान का निमार्ण 15.86 करोड़ रुपये से किया जा रहा है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि मथुरा के अन्तर्गत बरसाना परिक्रमा मार्ग का विकास कार्य 18.73 करोड़ रुपये से, जनपद मथुरा में वासुदेव वाटिका का निर्माण एवं विकास कार्य 45.33 करोड़ और मथुरा परिक्रमा के विकास एवं सुदृढ़ीकरण 18.89 करोड़ रुपये से, सहारनपुर के शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में पदयात्रा मार्ग का सुदृढ़ीकरण एवं पर्यटन सुविधाओं का विकास कार्य 16 करोड़ रुपये से, सहारनपुर के शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में टीएफसी का निर्माण 22.16 करोड़ और पार्किंग का निर्माण 18 करोड़ रुपये से, मुजफ्फरनगर के शुक्रतीर्थ धाम में गंगा घाट का उच्चीकरण 19.90 करोड़, टीएफसी एवं पार्किंग का निर्माण कार्य 21.24 करोड़ से, जनपद हापुड़ के ब्रजघाट गढमुक्तेश्वर का समेकित पर्यटन सुविधाओं का सृजन एवं पर्यटन विकास कार्य 13.15 करोड़ रुपये से और टीएफसी मल्टीकल्चरल हब का पर्यटन विकास कार्य 22.53 करोड़ से कराया जा रहा है। जयवीर सिंह ने बताया कि इसी प्रकार हापुड़ के वीआईपी घाट पर पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन 11.35 करोड़ रुपये से, जनपद चित्रकूट में तुलसीदास जी की जन्मस्थली राजापुर का समग्र पर्यटन विकास 20.89 करोड़ रुपये से, चित्रकूट स्थित रामघाट का सांस्कृतिक कायाकल्प, चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य 24.10 करोड़ रुपये से किया जा रहा है।

पूनम मिश्रा ने मुक्त विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी का पदभार संभाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की नियमित वित्त अधिकारी पूनम मिश्रा ने आज कार्यभार ग्रहण कर लिया। उत्तर प्रदेश वित्त एवं लेखा सेवा संवर्ग समूह क की अधिकारी पूनम मिश्रा इसके पहले सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय नोएडा में कार्यरत थीं।विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो सत्यकाम ने पूनम मिश्रा का स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को पूर्णकालिक वित्त अधिकारी मिलने से विश्वविद्यालय के रुके हुए कार्य तेजी से आगे बढ़ेंगे। संस्था के विकास के लिए वित्तीय अनुशासन पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जिस पर नवागत वित्त अधिकारी पूरा ध्यान देंगी।विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक वित्त अधिकारी नियुक्त करने पर कुलपति ने उत्तर प्रदेश शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की नवनियुक्त वित्त अधिकारी पूनम मिश्रा ने कुलपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में वित्तीय शुचिता का पूर्ण ध्यान रखते हुए विश्वविद्यालय के विकास में हर संभव योगदान करेंगी। इस अवसर पर नवागत वित्त अधिकारी का स्वागत विश्वविद्यालय के निदेशक कुलसचिव परीक्षा नियंत्रक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया। यह जानकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र जनसंपर्क अधिकारी की ओर से दी गई।

फोटोः नवागत वित्त अधिकारी पूनम मिश्रा का स्वागत करते कुलपति।

450 किलो लहन नष्ट, 30 लीटर कच्ची शराब बरामद

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्रान्तर्गत स्थित बीजपुर सेवकामोड पुनर्वास सहित अन्य स्थानों पर अंग्रेजी बियर व देशी शराब के दुकानों की जांच पड़ताल आबकारी निरीक्षक रविनंदन कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि बीजपुर परिक्षेत्र अंतर्गत देशी अंग्रेजी व बियर दुकानों का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान स्टॉक मेंटेन व रख रखाव सब सही पाया गया। साथ ही बभनी प्रभारी निरीक्षक व आबकारी निरीक्षक टीम द्वारा बभनी थाना क्षेत्र के अर्झर व चक चपकी के विभिन्न घरों में कच्ची शराब की भट्टियां धधक रही थी जिसकी सूचना पर बभनी पुलिस व आबकारी विभाग द्वारा लगभग 450 किलो लहन नष्ट किया गया। साथ ही साथ लगभग 30 लीटर कच्ची शराब भी बरामद किया गया। आबकारी प्रभारी रविनंदन कुमार द्वारा ऐसे कार्यों में संलिप्त लोगों को कडी हिदायत दी गई कि अवैध कच्ची शराब न बनाए अन्यथा कार्रवाई करने के लिए विभाग बाध्य होगा।

मेडिकल जागरूकता संगोष्ठी सात को

प्रयागराज। सात जुलाई को समूह बोंग ब्यूटी की ओर से महिलाओं के लिए मेडिकल जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन सिविल लाइंस स्थित हिंदुस्तानी एकेडमी में सांय साढ़े पांच बजे से आठ बजे तक किया जाएगा। जिसमें वक्ता के तौर पर डा नवनीता बनर्जी डा उर्मी नियोगी एवं डा शाश्वती सेन मौजूद रहेंगे। यह जानकारी अनुपमा दास फाउंडर बोंग ब्यूटी ने दी।

अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत

प्रयागराज। कहते हैं फिटनेस सिर्फएक ट्रेंड नहीं बल्कि एक लाइफस्टाइल है। जिसमें बहुत लगन अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। कुमकुम भाग्य में मोनिशा के नेगेटिव रोल के लिए जानी जाने वाली सृष्टि जैन ने भी अपने लुक में इजाफा करने के लिए जी टीवी के शो में आने के सिर्फ तीन महीनों में खुद को पूरी तरह बदल लिया है। उन्होंने इंटरमिटेंट फास्टिंग और कड़ा वर्कआउट किया और उनके इस बदलाव के सफर में एक बैलेंस्ड डाइट और कड़ी एक्सरसाइज़ बड़ी कारगर रही। सृष्टि जैन ने कहा चार महीने पहले जब मैं कुमकुम भाग्य में आई थी तो मैं स्क्रीन पर अपने लुक को लेकर पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी। ज्यादा जानने के लिए देखिए कुमकुम भाग्य रोज रात नौ बजे सिर्फ़जी टीवी पर आएगा। चूंकि मैं मोनिशा का इंटेंस किरदार निभा रही हूं इसलिए मुझे लगा कि इसे असरदार बनाने के लिए इसमें थोड़ी बारीकी जरूरी है। मेरा मानना है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग से मुझे खुद को बदलने और महज तीन महीनों में आठ किलो वजन कम करने में मदद मिली।

खराब नलकूपों को तत्काल ठीक कराएं

राज्यमंत्री ने नलकूप नहरों, जल जीवन मिशन और बाढ़ से सम्बंधित अधिकारियों के साथ की बैठक-बाढ़ से निपटने के लिए सिंचाई विभाग को सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित किए जाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। राज्यमंत्री जल शक्ति विभाग उत्तर प्रदेश रामकेश निषाद गुरूवार को सर्किट हाउस के सभागार में नलकूप नहरों जल जीवन मिशन बाढ़ से सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने नलकूपों के संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए सम्बंधित अधिशाषी अभियंताओं को यांत्रिक एवं विद्युत दोष से खराब नलकूपों को तत्काल ठीक कराए जाने के निर्देश दिए हैं। राज्य मंत्री ने कहा कि इस समय धान की रोपाई का कार्य चल रहा है ऐसी स्थिति में सभी नलकूप अनिवार्य रूप से क्रियाशील रहे। उन्होंने ई खसरा तैयार कराने जिसमें नलकूपों एवं नहरों से सिंचित क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए उसे अद्यतन किए जाने का निर्देश दिया है। राज्य मंत्री ने नहरों के संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए सम्बंधित विभाग के अभियंताओं को रोस्टर के अनुसार नहरों में टेल तक पानी की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने जल जीवन मिशन की परियोजनाओं के प्रगति की जानकारी प्राप्त की व कार्यों को समय से एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता खराब पाए जाने पर सम्बंधित कार्यदायी संस्था के विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज कराते हुए पेनाल्टी की भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने टंकियों के निर्माण एवं कितने ग्रामों में अभी तक पाइप लाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति हो पाई है इसकी जानकारी लेते हुए कार्य में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया है। सम्भावित बाढ़ से निपटने हेतु सिंचाई विभाग के द्वारा की गई तैयारियों के बारे में जानकारी लेते हुए राज्य मंत्री ने स्लूज गेटों को ठीक कराने एवं पम्पों को क्रियाशील स्थिति में बनाये रखने का निर्देश दिए हैं। उन्होंने सिंचाई विभाग का कंट्रोल रूम बनाने एवं जिला प्रशासन से समन्वय बनाते हुए सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित किए जाने एवं निरंतर सतर्कता बनाये रखने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इंटर कालेज कार्यकारी प्रधानाचार्य की बहाली के खिलाफप्रबंध समिति की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कालका प्रसाद रामचंद्र कला केंद्र गर्ल्स इंटर कालेज बरेली की कार्यकारी प्रधानाचार्य विपक्षी ममता कुमारी को बहाल करने और क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक को धारा 16 डी ;3द्ध के तहत कार्यवाही करने के निदेशक माध्यमिक शिक्षा उ प्र के आदेश की वैधता चुनौती याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया और कहा कि आदेश में कोई अवैधानिकता नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने कालेज की प्रबंध समिति की तरफ से दाखिल याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याचिका पर? वरिष्ठ अधिवक्ता आर के ओझा और विपक्षी कार्यकारी प्रधानाचार्य के अधिवक्ता अनुराग शुक्ल ने बहस की। मालूम हो कि विपक्षी कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड से कला और ड्राइंग विषय के लेक्चरर पद पर चयन किया गया। 27 जुलाई 1996 को प्रयागराज के डी पी गर्ल्स इंटर कालेज को नियुक्ति के लिए भेजा गया किंतु कालेज में ज्वाइन नहीं कर सकी तो 8 अक्टूबर 1999 को जिला विद्यालय निरीक्षक बरेली को याची विद्यालय में ज्वाइन कराने का आदेश दिया गया। याची विद्यालय के प्रबंधक ने विपक्षी को नियुक्ति पत्र जारी किया और ज्वाइन कराया और जिला विद्यालय निरीक्षक से लंबी सेवा के बाद प्रबंधक ने विपक्षी को प्रोन्नति वेतनमान देने का अनुरोध किया। जिसकी दो फरवरी 23 को डी आई ओ एस ने स्वीकृति दे दी। निरीक्षक के आदेश के खिलाफ प्रबंध समिति ने वरिष्ठ लिपिक के मार्फ्त याचिका दायर की जो खारिज हो गई। दोबारा याचिका दायर की गई। कहा गया प्रबंध समिति ने वरिष्ठ लिपिक को याचिका दायर करने के लिए अधिकृत किया है किन्तु याचिका में प्रस्ताव नहीं लगाया गया। नियमानुसार सोसायटी या अधिकृत व्यक्ति को हलफ्नामा सहित याचिका दायर करने का अधिकार है। याचिका जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा दाखिल होनी चाहिए। इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा प्रबंध समिति ने ही विपक्षी की नियुक्ति की। कार्यकारी प्रधानाचार्य बनाया। बाद में उसे शिकायत पर निलंबित कर दिया किंतु डी आई ओ एस ने बार बार इसे अस्वीकार कर दिया। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने तीन सदस्यीय कमेटी भी गठित की। रिपोर्ट विपक्षी के पक्ष में रही। प्रबंधन को ही दोषी माना। विपक्षी स्वीकृत छुट्टी पर थी बाद में चाइल्ड केयर अवकाश लिया और नियुक्ति को लेकर प्रबंधन ने कोर्ट आने में काफी देरी की। विपक्षी की बहाली आदेश में कोई ग़लती नही होने के कारण कोर्ट ने प्रबंध समिति की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया।

बालिका को घर से भगा कर करा दी गई शादी

सोनभद्र। चाईल्ड हेल्पलाइन लखनऊ से सूचना प्राप्त हुई की थाना रावर्टसगंज अन्तर्गत एक सोलह वर्ष की नाबालिग बालिका से उसके परिवार के बिना राजामन्दी के घर से भगाकर शादी करके जबरन घर मे रखा गया है। जिसके सम्बन्ध मे तत्काल संज्ञान लेकर जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से सुपरवाईजर सुधा गिरी सत्यम चौरसिया धर्मवीर सिंह केस वर्कर बजरंग सिंह की संयुक्त टीम गठित कर निर्देशित किया गया की तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्रवाही करना सुनिश्चित करे जिसके उपरान्त टीम द्वारा थाना पुलिस के साथ मौके पर जाकर नाबालिग बालिका को अपने अभिरक्षा मे लेते हुए नियमानुसार बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया की बालिका को वर्तमान समय में बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार बाल गृह बालिका में आवासित कराया गया है बालिका की काउंसलिंग एवं जाचोपरान्त नियमानुसार विधि कार्रवाही की जाएगी। सुपरवाईजर सुधा गिरी द्वारा बताया गया की यदि इस प्रकार की सूचना प्राप्त होती है तो चाईल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर पर सूचित किया जा सकता है सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाता है। टीम मे चाईल्ड हेल्पलाइन यूनिट से सुपरवाईजर सुधा गिरी, सत्यम चौरसिया धर्मवीर सिंह केस वर्कर बजरंग सिंह एवं पुलिस विभाग आदि उपस्थित रहे।

किशोर की पेड़ से बांधकर पिटाई मामले ने पकड़ा तूल, थाना पहुंचे

सोनभद्र। विकास खण्ड राबर्ट्सगंज के ऊंचडीह गांव में किशोर अमितेश पांडेय की पेड़ से बांधकर पिटाई मामले ने तूल पकड़ लिया है। गुरुवार को दोपहर अखिल भारतीय भगवान परशुराम अखाड़ा परिषद बैनर तले काफी संख्या में लोगों ने राबर्ट्सगंज कोतवाली पहुंचकर विरोध जताया। मुख्य आरोपित की तत्काल गिरफ्तारी और सभी आरोपितों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की मांग उठाया। ऊंचडीह गांव में कुछ दिन पूर्व कुछ लोगों ने पेड़ काटने से मना करने पर अमितेश पांडेय की पेड़ से बांधकर बेरहमी से पिटाई की थी। इतना ही नहीं आरोपितों ने पिटाई का वीडियो बनाकर उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गुरुवार को जब यह मामला लोगों के सामने आया तो काफी संख्या में लोग राबर्ट्सगंज कोतवाली पहुंच गए और प्रभारी निरीक्षक से वार्ता की। पूरे घटनाक्रम पर त्वरित कार्रवाई की मांग उठाई। परिषद से जुड़े आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि ऊंचडीह कांड सुनियोजित तरीके से कराया गया है। यह निंदनीय है। कहा कि किशोर के पिता ने तहरीर दिया कि आरोपितों ने उसके बेटे का गला दबाने और उसे जान से मारने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया। कहा कि मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से की जाएगी।

नवनियुक्त एडी बेसिक कामताराम ने कार्यभार संभाला

प्रयागराज। उप्र शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में नवनियुक्त एडी बेसिक कामताराम पाल ने आज कार्यभार संभाल लिया। गाजीपुर निवासी कामताराम पाल 1995 बैच के वरिष्ठ पीईएस अधिकारी हैं जो सरल स्वभाव और तेजतर्रार छवि के अधिकारी हैं। वह यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज में अपर सचिव प्रशासन प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय में अपर सचिव यूपी बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के अपर सचिव और जेडी मिर्जापुर सहित अन्य प्रमुख पदों पर कुशलतापूर्वक कार्य कर चुके हैं। नवनियुक्त एडी बेसिक कामताराम पाल के कार्यभार संभालने पर उप्र राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान के निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी वरिष्ठ शिक्षाधिकारी सीएल चौरसिया डायट प्राचार्य राजेंद्र प्रताप उप शिक्षा निदेशक रामचेत सहायक शिक्षा निदेशक बृजेश कुमार मिश्र वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरिप्रकाश यादव प्रदीप कुमार सिंह ने बधाई दिया है। उधर नवनियुक्त एडी बेसिक कामताराम पाल ने विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर विभाग से संबंधित कार्यों के प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए जरूरी निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्यकर्मी ने सीनियर डा. सिन्हा से की मारपीट

सीएमओ आफिस का कर्मचारी व पूर्व एसआईसी हैं शामिल, हटाये गये दोनों कर्मचारी

मिर्जापुर। मंडलीय चिकित्सालय में साफ सुथरे छवि के डा0 ए0के0 सिंह के अधीक्षक बनाये जाने के बाद तरहण्तरह के सुधार हर रोज दिखने को मिल रहा है लेकिन कुछ डॉक्टरो द्वारा फैले हुए रैकेट को यह अच्छा नही लग रहा है। बुधवार को सायं 3ण्45 बजे मेडिकल कालेज के परिसर में डॉक्टर ए0के0 सिन्हा के उपर अचानक विभाग के दो कर्मचारी ने अचानक हमला कर मारपीट करने लगे । कालेज के कर्मचारियो के द्वारा मामला शान्त कराया गया लेकिन सीनियर डॉक्टर ए0के0 सिन्हा ने मामले के सम्बन्ध में एक तहरीर देकर अपनी सुरक्षा की मांग की लेकिन पुलिस द्वारा गुरूवार को भी मुकदमा पंजीकृत नही गया और मामले की लीपापोती करने में लग गये और कहा कि जांच करने के बाद ही मुकदमा पंजीकृत किया जायेगा। काग्रेस पार्टी के महासचिव ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देने के बाद प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि यह निन्दनीय कार्य है जिस पर पुलिस को तत्काल मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजने का कार्य करना चाहिए। इस तरह के कार्य से अब जिले के मरीजों में एक भय व्याप्त हो गया है और वे अब चिकित्सालय आने से भागने लगेगे एक तरफ सरकार जहां मरीजों के उपचार के लिए हर जमीनी स्तर पर पहुंचाने का कार्य कर रही है वही विभाग के डॉक्टरो की स्थिति यह है कि कुर्सी के लिए मारपीट कर रहे है जबकि उनको अपनी जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए एक पूर्व एसआईसी डॉक्टर तरूण सिंह है तो दूसरो सीएमओं आफिस में कार्यरत कर्मचारी अनुज ठाकुर है इनको पूर्व में शासन द्वारा हटाने का कार्य किया गया है सीएमओ आफिस का कर्मचारी आफिस टाइम में क्या कर रही है इसकी जानकारी स्वत सीएमओ को भी नही है इससे यह पता चल रहा है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कितने जिम्मेदार है।

प्रोक्योरमेंट ऑफगुड्स विषय पर प्रशिक्षण

सोनभद्र। भारत सरकार की मिनिरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में प्रोक्योरमेंट ऑफ गुड्स विषय पर 2 दिवसीय मैराथन प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम एमडीआई, सीईटीआई सिंगरौली में चल रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एनसीएल के सतर्कता विभाग और सामग्री प्रबंधन विभाग की देखरेख में 4 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन निदेशक वित्त रजनीश नारायण और मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनसीएल रविन्द्र प्रसाद ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित किया और कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान एनसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों से विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुरुवार को कार्यकारी निदेशक सामग्री और अनुबंध कोल इंडिया, पी. डी. शर्मा और जेम सलाहकार आनंद एस. सिंह ने प्रभावी खरीद प्रबंधन पर जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर एनसीएल के विभिन्न क्षेत्रों इकाइयों से 80 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर ज्ञान अर्जन किया। गौरतलब है कि कोयला मंत्रालय के निर्देशन में एनसीएल का सतर्कता विभाग इस वर्ष विभिन्न विषयों पर क्षमता निर्माण के लिए मैराथन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसी कड़ी में अप्रैल, मई और जून महीने के लिए क्रमश: खनन अनुबंध सिविल और प्रोक्योरमेंट जैसे विषय पर सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। साथ ही जुलाई माह में वित्त विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ

अभियान के तहत 6 इन्डीकेटर्स पर संतृप्त किये जाने का है लक्ष्य

सोनभद्र। सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ गुरुवार को मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार एवं विशिष्ट अथिति काव्या राजेंद्रन ने दीप प्रज्वलन कर व मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया, इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, परियोजना निदेशक आर0एस0 मौर्या, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी निशिकान्त मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना है। इसी कड़ी में नीति आयोग द्वारा चयनित देश के कुल 112 आकांक्षी जनपदों के 500 आकांक्षी ब्लाकों में विकास के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु कृषि शिक्षा स्वास्थ्य पोषण व सामाजिक विकास के आयामों से जुड़ें 6 महत्वपूर्ण इन्डीकेटर को आकांक्षी जनपद सोनभद्र व विकास खण्ड चतरा में त्रिवता के साथ संतृप्त करने हेतु 4 जुलाई से 30 सितम्बर 2024 तक विशेष अभियान के द्वारा स्वास्थ्य, सामर्थ्य व समृद्ध भारत का निर्माण करना है, आकांक्षी जनपद सोनभद्र में सम्पूर्णता अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है, सम्पूर्णता अभियान के अन्तर्गत देश के अधिक संख्या में ब्लाकों को सम्पूर्णता अभियान के तहत 6 इन्डीकेटर्स पर संतृप्त किये जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें जनपद सोनभद्र के आकांक्षात्मक ब्लाक के रूप में चतरा ब्लाक को चिन्हित किया गया है, यह अभियान 30सितम्बर तक चलेगा, इस अभियान के अन्तर्गत आकांक्षात्मक ब्लाक चतरा को जिन 6 इन्डीकेटर्स पर संतृप्त किया जाना है, उसमें प्रमुख रूप से गर्भवती महिलाओं पर समय पर प्रसव, पूर्व देख भाल मिले एवं गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषाहार प्राप्त हो, सभी बच्चों का पूर्ण टीकाकरण किया जाये और प्रत्येक व्यक्ति की मधुमेव उच्च रक्तचाप की नियमित जॉच हो और लाभार्थियों को सॉयल हैल्थ कार्ड का वितरण किया जाये, एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रिवाल्विंग फण्ड का वितरण किया जाये एवं स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाये, जिससे आकांक्षात्मक ब्लाक चतरा सम्पूर्णता अभियान के अन्तर्गत सभी इन्डीकेटर्स पर तीन माह में संतृप्त किया जायेगा। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित लाभार्थियों, अधिकारियों एवं मीडिया बन्धुओं को सम्पूर्णता अभियान की शपथ भी दिलायी गयी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने एनआरएलएम समूह की महिलाओं को रोजगार करने हेतु 21 लाख 60 हजार का डेमो चेक प्रदान किये, इसी प्रकार से सॉयल हैल्थ कार्ड के लाभार्थियों को एवं आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को भी कार्ड का वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकरी ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्यान विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी में अन्नप्रासन व गोदभराई की रश्म अदायगी भी किया। इस मौके पर अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, अपर अर्थ एवं संख्याधिकारी जय सिंह, डी0सी0 मनरेगा रमेश यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन आनन्द त्रिपाठी द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से विकास की ऊंचाइयां छू रहा अंबेडकरनगर

संपूर्णता अभियान उत्सव जनपद में भव्य रूप से किया गया आयोजित 30 सितंबर तक आकांक्षात्मक विकास खण्डों को व6 इंडीकेटर में किया जाएगा संतृप्त

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में नीति आयोग द्वारा नामित सीनियर कंसलटेंट डॉण्साक्षी खुराना की उपस्थित में जनपद मुख्यालय स्थित लोहिया भवन में 4 जुलाईए को ष्सम्पूर्णता अभियानष् उत्सव को भव रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी व नीति आयोग के प्रतिनिधि द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया गया। जिलाधिकारी व नीति आयोग के प्रतिनिधि द्वारा विभिन्न विभागों बेसिक शिक्षा विभागए बाल विकास पुष्टाहार विभागए पशुपालन विभागए महिला कल्याण विभागए उद्यान विभागए समाज कल्याण विभागए खादी ग्रामोद्योगए मत्स्य विभागए पंचायती राज विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों काअवलोकन किया गया। इसके उपरांत स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल में रक्तदानए उपयोगी मेडिसिनए क्षय रोगए कुष्ठ रोग सहित अन्य स्टालों का भी अवलोकन किया गया। बाल विकास एवं पुष्टाहार के अन्तर्गत महिलाओं की गोद भराईए बच्चों का अन्न परासन कराया गया। इसके उपरांत विभिन्न विद्यालयों के छात्राओं द्वारा लोहिया भवन सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षय रोगए संचारी रोग व कुष्ठ रोग से संबंधित नुक्कड़ नाटक कराया गया। इसके उपरांत विभिन्न विभागों द्वारा लाभार्थियों को जिसमें मृदा स्वास्थ्य कार्ड एआयुष्मान कार्ड विश्वकर्मा श्रम सम्मान के तहत टूल किट वितरणए डेमो चेकए क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार किट का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम आगामी 5 व 6 जुलाई को आकांक्षी विकास खंडों में भी कराया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी व नीति आयोग के प्रतिनिधि द्वारा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर भियांव एटांडा व भीटी के लिए रवाना किया गया। जिलाधिकारी द्वारा अपने उद्बोधन के दौरान बताया गया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जनपद लगातार विकास की ऊंचाइयां छू रहा है। जनपद में दो एक्सप्रेसवे आते हैं जिससे रोजगार की असीम संभावनाएं बन रही हैं। यहां पर देश के कई उद्योगपति अपने उद्योग की स्थापना करना चाह रहे हैं साथ ही साथ मुख्यमंत्री द्वारा दो औद्योगिक विकास कॉरिडोर दिए गए हैंए जिस पर तेज गति से कार्य हो रहा है और इससे जनपद में रोजगार का सृजन होगा। अयोध्या का अभिन्न अंग होने के कारण यहां पर अयोध्या में आए हुए पर्यटकों के आने की संभावना को देखते हुए अनेक पर्यटक स्थलों का विकास किया जा रहा हैए जिससे पर्यटकों के आने की संभावना बढ़ रही है पर्यटकों के बढ़ने से रोजगार का सृजन होगा। मुख्यमंत्री के 1 ट्रिलियन इकोनामी के सपने को साकार करने में जनपद अपना योगदान प्रदान करेगा।डॉ साक्षी खुराना ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें आगामी तीन माह का एक खाका तैयार करना होगाए जिससे शासन की मंशा के अनुरूप पात्र व्यक्तियों को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति को प्रदान किया जा सके। उन्होंने यहां के कार्यक्रम को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और यह आशा की है कि जनपद के तीनों विकास खण्ड निर्धारित समय तक 06 इंडिकेटर से संतृप्त होंगे। मुख्यमंत्री के कॉमन मैन अवधारणा के तहत जिलाधिकारी द्वारा मुसहर समुदाय के उत्थान के लिए रोजगार प्रदान करने हेतु दोना. पत्तल सहित अन्य व्यवसाय भी कराए गए हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व सम्मान पूर्ण जीवन जीने के लिए जिलाधिकारी द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा हैं। इसके तहत जिलाधिकारी द्वारा तहसील भीटी व जलालपुर में भी कई कार्यक्रम कराए गए हैं। सफ्लता की कहानी अपनी जुबानी के तहत वहां पर उपस्थित कई महिलाओं द्वारा अपनी सफ्लता का बयान किया गयाए जिस पर जिलाधिकारी व नीति आयोग के प्रतिनिधि द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई। जनपद के विकास की गाथा दिखाने के लिए एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। नीति आयोग के आकांक्षात्मक विकास खण्ड कार्यक्रम में निर्धारित इंडीकेटर्स में से 06 इंडीकेटर्स के लक्ष्यों को संतृप्त करने के उद्देश्य से प्रदेश के आकांक्षात्मक विकास खण्डों में 30ण्09ण्2024 तक सम्पूर्णता अभियान चलाया जायेगा।

हाथरस हादसा

कठोर नियंत्रण जरूरी

हाथरस में हुई भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की मौत हुई। इससे तत्काल कठोर नियंत्रण की आवश्यकता अनुभव होती है। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक धार्मिक 'सतसंग' के बाद हुई दु:खद व विनाशकारी भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की जान गई। हालांकि, इस दु:खद घटना के सटीक कारण का पता विस्तृत जांच के बाद ही लगेगा, पर प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भगदड़ उस समय मची जब भक्त नारायण साकार विश्व हरि उर्फ 'भोले बाबा' का आर्शीवाद लेने आगे बढ़े। भक्त परंपरागत रूप से बाबा के पैर छूने और उसकी चरण रज लेने के लिए तेजी से आगे बढ़े जिससे अव्यवस्था फैल गई। अनेक लोग पड़ोस के एक नाले में गिर गए। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का मानना है कि सतसंग समाप्त होने के बाद अनेक अनुयाई भोले बाबा के पैर छूने और उसके दर्शन करने के लिए आगे बढ़े जो अपनी कार से वहां से प्रस्थान कर रहे थे। लोग उनके दर्शन करने और उस सड़क से ही धूल एकत्र करना चाहते थे, जहां से वे गुजरे थे। सतसंग समाप्त होने के बाद लोग बड़ी संख्या में समूहों में बाहर निकलने लगे। बरसात के कारण बहुत से लोग फिसल गए और दूसरे उनके ऊपर गिर पड़े। इससे बहुत से लोग कुचल गए। दूसरे लोगों का कहना है कि घटना के समय महिलाओं समेत अनेक अनुयाई नमी के कारण दम घुटता महसूस कर रहे थे जिससे वे बाहर भागने लगे।

इस घटना से अनेक असहज करने वाले तथ्य सामने आए हैं। इनमें प्रशासन की लापरवाही से लेकर मासूम लोगों पर 'बाबाओं' का बढ़ता बेलगाम प्रभाव तक शामिल हैं। बताया जाता है कि भोले बाबा फरार हैं। इस आयोजन में भाग लेने वालों की संख्या अनुमति से बहुत अधिक थी। बाबा के कार्यक्रम के मुख्य आयोजक या 'सेवादार' के अनुसार वहां लगभग 80,000 लोग उपस्थित थे, पर वास्तविक संख्या इससे बहुत अधिक थी। वास्तव में अनुमति से बहुत अधिक संख्या में लोगों के होने के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई जिससे घटनास्थल पर बहुत अधिक भीड़ हो गई। इस भयानक घटना के बाद सरकार लोगों की तकलीफें कम करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस का दौरा कर अस्पताल में भर्ती घायलों तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर मुआवजे की घोषणा की। उन्होंने उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच की घोषणा की है। योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आयोजन के सेवादारों के खिलाफ एफआईआर की है। सरकार को भविष्य में ऐसी घटनायें रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। हमें लोगों की सुरक्षा तथा आयोजनों की तैयारियों पर नजर रखते हुए आयोजकों को जिम्मेदार व जवाबदेह ठहराना चाहिए। यह समाजविज्ञानियों, दार्शनिकों व बुद्धिजीवियों के विचार का विषय होना चाहिए कि ऐसे स्वघोषित 'बाबा' लोगों का मासूम जनता पर इतना प्रभाव कैसे बढ़ जाता है। इससे उन्हें शक्ति मिलती है और वे भारी संपदा एकत्र करते हैं। बताया जाता है कि हाथरस हादसे का कारण बनने वाले 'भोले बाबा' ने भारी संपत्ति एकत्र की है तथा उसे कई गैर-भाजपा नेताओं का समर्थन प्राप्त था। इस हादसे के बाद अब पुलिस, प्रशासन तथा राजस्व विभाग 'भोले बाबा' व आयोजन के सेवादारों की अवैध संपत्तियों का पता लगा रहा है। उम्मीद है कि प्रदेश प्रशासन उनके खिलाफ ऐसी कठोर कार्रवाई करेगा जिससे भविष्य में ऐसे स्वयंभू 'बाबा' लोगों की गतिविधियों पर लगाम लगेगी तथा आयोजनों में निरपराध लोगों की जान नहीं जाएगी।

संसद में व्याप्त अव्यवस्था

मोदी सरकार का संख्याबल तुलनात्मक रूप से कम होने तथा विपक्ष की बढ़ी संख्या व उसकी आक्रामकता के कारण संसद में अव्यवस्था पैदा हो रही है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

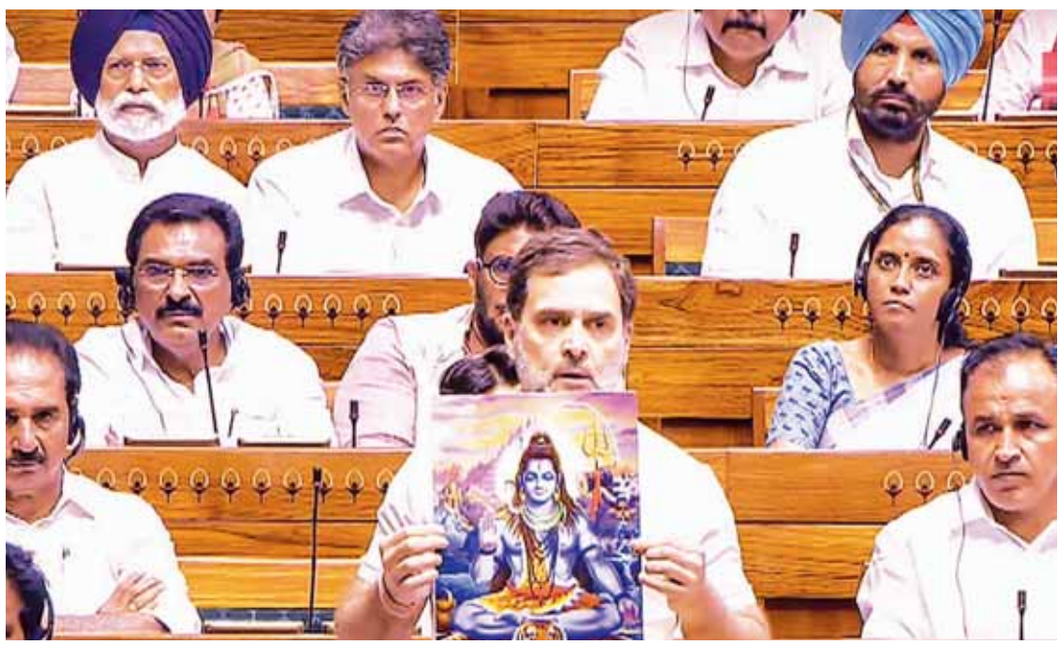

मोदी सरकार का संख्याबल तुलनात्मक रूप से कम होने तथा विपक्ष की बढ़ी संख्या व उसकी आक्रामकता के कारण संसद में अव्यवस्था पैदा हो रही है। इससे भविष्य में संसद का कामकाज सुचारु रूप से चलाने की चुनौती सामने आई है। हालांकि, 18वीं लोकसभा में सकारात्मक कामकाज की संभावनायें भी मौजूद हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार बनी सरकार ने कहा था कि वह सहमति बनाना चाहती है। वर्तमान स्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सहमति की आवश्यकता पर जोर देते हुए समस्यायें खड़ी करने के लिए विपक्ष की आलोचना की है। मोदी ने कहा है कि अपने तीसरे कार्यकाल में उनकी सरकार का लक्ष्य सहमति बनाना होगा। लेकिन इसके साथ ही नेता विपक्ष राहुल गांधी ने विपक्ष की भूमिका के महत्व पर जोर दिया है।

उन्होंने सदन में 'जनता की आवाज' का प्रतिनिधित्व करने की विपक्षी भूमिका को रेखांकित किया है। लेकिन यह सत्र शुरू होने पर सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। कांग्रेस नेता श्रीमती सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक में लिखे संपादकीय लेख में हाल ही में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'सहमति की पैरवी करते हुए भी टकराव को उकसा रहे हैं।' सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना की कि वे चुनावी परिणामों को स्वीकार नहीं कर रहे हैं और सहमति के बजाय टकराव को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने निराशा व्यक्त की कि 18वीं लोकसभा के पहले कुछ दिन निराशाजनक रहे हैं जिससे संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में कोई परिवर्तन नहीं आया है। 18वीं लोकसभा भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देती है। एक दशक में पहली बार मोदी ऐसी संसद का नेतृत्व पहली बार कर रहे हैं जहां उनका प्रभुत्व कुछ घटा है। सत्ता समीकरण में इस परिवर्तन के कारण उनकी गठबंधन पर निर्भरता बढ़ी है तथा उनको ज्यादा आक्रामक विपक्ष का सामना करना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अब दो प्रमुख गठबंधन सहयोगियों-जदयू व तेदेपा पर ज्यादा निर्भर है। हालांकि, ये दोनों चुनाव के पहले से ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग का हिस्सा हैं और भाजपा राज्य सरकारों में इनके साथ सत्ता में शामिल है।

इसका अर्थ है कि राजग सहयोगी सरकार की योजनाओं और कार्यों पर पहले की तुलना में ज्यादा प्रभाव डाल सकते हैं। यह स्थिति 2019 और 2014 से उलट है जब भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत से अधिक सीटें मिली थीं और उसका प्रभुत्व था। हालांकि, विभिन्न संसदीय समितियों में विपक्ष की ज्यादा उपस्थिति ज्यादा सहमति पैदा कर सकती है। वर्तमान लोकसभा का पहला सत्र मजबूत विपक्ष द्वारा अपने अधिकारों पर जोर देने के साथ शुरू हुआ है। सत्र की शुरुआत में ही भाजपा सांसद भतृहरि महताब की प्रोटेम स्पीकर के रूप में नियुक्ति पर विवाद हुआ था जो नव-निर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाते हैं। कांग्रेस का कहना था कि विपक्षी 'इंडिया' समूह के सदस्यों की राय कांग्रेस सांसद कोडक्कुनील सुरेश को प्रोटेम स्पीकर बनाने के पक्ष में थी क्योंकि वे आठ बार सांसद बने हैं। लेकिन भाजपा का तर्क था कि उसने नियमों का पालन किया है। भाजपा सांसद भर्तहरि महताब लगातार सात बार संसद के लिए चुने गए थे, जबकि सुरेश बीच में दो चुनावों में पराजित हो चुके थे। यह नियुक्ति महत्वपूर्ण है क्योंकि अध्यक्ष भारतीय संसदीय प्रणाली में लोकसभा प्रमुख के रूप में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष व्यवस्था बनाए रखते हैं, बहसों का संचालन करते हैं तथा सदन में सहज कामकाज सुनिश्चित करते हैं। दूसरा, राहुल गांधी ने कहा था कि वे राजग उम्मीदवार ओम बिड़ला का समर्थन केवल इस शर्त पर कर सकते हैं कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को देना सुनिश्चित किया जाए। आमतौर से विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद मिलता रहा है। हालांकि, अन्नाद्रविड़ मुन्नेत्र कझगम-अन्नाद्रमुक के थंबीदुराई को 2014 से 2019 तक लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद दिया गया था, पर 2019 से 2024 तक यह पद खाली रहा था। अन्नाद्रमुक उस समय सत्तारूढ़ राजग का हिस्सा थी।

अनुच्छेद 93 के अनुसार लोकसभा सदस्यों का अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के रूप में चयन किया जाएगा। 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष रहे ओम बिड़ला को पुन: 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया है जिससे सदन में निरंतरता व स्थायित्व सुनिश्चित होता है। अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर मुबारकवाद प्राप्त करने के बाद ओम बिड़ला ने एक कागज निकाला और 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी द्वारा लागू किए गए आपातकाल के विरोध में प्रस्ताव पढ़ दिया। बहुत से लोगों के लिए इस आश्चर्यजनक कदम से कांग्रेस हतप्रभ रह गई क्योंकि पचास साल पहले इसी दिन 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी।

इस प्रस्ताव से व्यथित नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सांसदों के एक समूह के साथ अध्यक्ष से मुलाकात कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि अध्यक्ष की ओर से इस प्रकार का प्रस्ताव नहीं आना चाहिए था। इसके साथ ही कुछ विपक्षी सदस्यों का विचार था कि संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण में सर्वाधिक गंभीर समस्याओं की अनदेखी की गई थी। इसके साथ ही विपक्ष के कुछ नेताओं ने 'सेंगोल' हटाने की मांग की थी जिसे प्रधानमंत्री ने चुनाव के पहले एक बड़े आयोजन में संसद में लगाया था। इसके अलावा राहुल गांधी तथा अन्य विपक्षी सांसदों की मांग थी कि 'नीट' पेपर लीक के मामले पर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के पहले चर्चा की जानी चाहिए क्योंकि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इस पर भाजपा का कहना था कि चूंकि यह मुद्दा राष्ट्रपति के अभिभाषण में शामिल है, इसलिए इस पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान चर्चा हो सकती है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि पहले सप्ताह में टकराव और अपनी संख्या नई संसद में घटने के बावजूद भाजपा अपनी कार्यशैली में परिवर्तन नहीं करेगी। स्पष्ट है कि इन घटनाओं से उत्तेजित विपक्ष ज्यादा आक्रामक होगा। राज्यसभा की कार्यवाही में भी कई बार बाधा आई जिससे कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। यहां भी विपक्षी सदस्य 'नीट' पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए नारे लगा रहे थे। इसके अलावा राज्यसभा के सभापति तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिार्जुन खड़गे के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सदन का कामकाज लोकसभा अध्यक्ष पर निर्भर करता है। सदन में व्यवस्था बनाए रखने तथा न्यायोचित बहसें सुनिश्चित करने में उसकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

राज्यसभा के सभापति उच्च सदन में बैठकों की अध्यक्षता करते हैं। लोकसभा और राज्यसभा का समुचित कामकाल स्वस्थ लोकतंत्र की पूर्वशर्त है। ऐसे में सरकार तथा विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। विडंबना है कि लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देते समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के समय लगातार विपक्षी सदस्यों ने शोर मचाया। लोकसभा अध्यक्ष के कई बार टोकने तथा नेता विपक्ष राहुल गांधी का नाम लेने के बावजूद यह अराजकता जारी रही। राष्ट्र के समक्ष उपस्थित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने में सदन का प्रभावी कामकाज बहुत महत्वपूर्ण है। इसे देखते हुए सत्ता पक्ष व विपक्ष को यह अवश्य स्वीकार करना चाहिए कि उनके सहयोग से संसद का कामकाज व्यवस्थित रूप से चल सके।

आखिरकार भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है। भारतीय संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में कार्यपालिका विधायिका, यानी संसद के प्रति सामूहिक रूप से जिम्मेदार है। ऐसे में संसदीय कामकाज में सत्ता पक्ष और विपक्ष को सामूहिक जिम्मेदारी, जवाबदेही और लचीलेपन की भावना से काम करना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने कहा था कि संसद का कामकाज बहस, मतभेद तथा निर्णय की प्रक्रिया से आगे बढ़ता है। सभी सांसदों को प्रणव मुखर्जी की इस सलाह पर ध्यान देना चाहिए।

दैवीय शक्ति को समझना होगा!

आप प्रार्थना करते हैं और ईश्वर को उचित रूप से जवाब देना होता है, यदि बिल्कुल भी उचित हो।

अजित कुमार बिश्नोई
(लेखक, आध्यात्मिक शिक्षक हैं)

हम ईश्वर को श्रेय नहीं देते, क्योंकि हम यह मानकर चलते हैं कि सृष्टि चलती रहेगी। व्यवसाय के बारे में क्या? हम सभी जानते हैं कि इसकी आयु सीमित है, चाहे यह कितना भी लंबा क्यों न हो। लेकिन सृष्टि, जो ईश्वर का व्यवसाय है, चलती रहती है। क्यों? क्योंकि ईश्वर इसे चालू रखते हैं। जरा कल्पना कीजिए। कई परमाणु-सशस्त्र देश हैं, जिनमें से कुछ के नेता पागल हैं। ईश्वर पूर्ण परमाणु युद्ध को कैसे रोकता है? सरल रूप में ईश्वर हमारे हृदय तक पहुंच सकता है।

वह जानता है कि हम क्या सोच रहे हैं। (भगवद-गीता 13.2) और वह जानता है कि यदि उसकी सृष्टि खतरे में है तो उसे कैसे ढालना है। ईश्वर हर समय पूरी तरह से सतर्क रहता है; कोई चूक होने की संभावना नहीं है। और हम सोच सकते हैं कि ईश्वर कहीं बैठा है या सो रहा है। यदि ईश्वर द्वारा किया गया यह कार्य बहुत बड़ा नहीं होता, तो कल्पना कीजिए कि हम सभी आठ अरब लोगों के लिए हर समय उपलब्ध हो। आप प्रार्थना करते हैं और ईश्वर को उचित रूप से जवाब देना होता है, यदि बिल्कुल भी उचित हो। क्यों? क्योंकि अधिकांश प्रार्थनाएं हास्यास्पद होती हैं, जैसे कि एक छात्र, जिसने पूरे साल पढ़ाई नहीं की है, जो पास होने के लिए प्रार्थना करता है। भगवान यह कार्य कैसे करते हैं?

भगवान कृष्ण बताते हैं, सभी ओर अंग होने से, सभी ओर नेत्र, सिर और मुख होने से, सभी ओर कान होने से, भगवान इस संसार में स्थित हैं और सबमें व्याप्त हैं। (13.13) भगवान यह सब अपने अव्यक्त रूप में करते हैं। (9.4) उन्हें इसे स्थूल रूप में करने की आवश्यकता नहीं है, जैसा कि हम किसी को करते हुए देखते हैं। भगवान हमसे भिन्न हैं, बहुत भिन्न हैं। यदि यह कार्य बहुत कठिन नहीं है, तो भगवान यह सुनिश्चित करते हैं कि हमें उचित रूप से

पुरस्कृत किया जाए और हां, दंडित भी किया जाए। न्याय हमेशा होता है, और किसी को दूसरे की कीमत पर पुरस्कृत नहीं किया जाता है। कल्पना कीजिए कि दो टीमें खेल रही हैं और उनके समर्थक जीत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। कौन जीतता है? निश्चित रूप से सही कर्मफल वाली टीम, यानी जो नियति थी। हम नहीं जानते कि यह कैसे हुआ, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि यह सही परिणाम था। हां, भगवान प्रार्थनाओं का उत्तर देते हैं, लेकिन केवल उन लोगों की जो इसके योग्य हैं। और वह जानते हैं कि कौन इसका पात्र है; अधिक प्रार्थना करना पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति को प्रार्थना करनी चाहिए और अनुकूल परिणाम के लिए योग्य भी होना चाहिए। यदि हम जानना चाहते हैं कि भगवान की कृपा पाने के लिए क्या आवश्यक है, तो भगवान ने भगवद गीता जैसे प्रामाणिक शास्त्रों में विस्तृत निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त, यदि हम ईमानदारी से प्रार्थना करें तो भगवान हमारा मार्गदर्शन करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। कल्पना करें कि यदि हम खो गए हैं तो हम किसी स्थानीय व्यक्ति से मार्गदर्शन मांग रहे हैं। स्थानीय व्यक्ति क्या करता है? वह हमारी मदद करने की पूरी कोशिश करता है। भगवान अलग नहीं हैं; वह मदद करते हैं। अच्छे लोगों को राक्षसों से बचाने के लिए भगवान बहुत आगे हैं, क्योंकि दैवीय और राक्षसी शक्तियों के बीच हमेशा संघर्ष चलता रहता है। भगवान धर्म का उल्लंघन किए बिना दैवीय शक्तियों का पक्ष लेते हैं, जैसा कि महाभारत युद्ध में और भगवान रामचंद्र के अवतार के दौरान किया गया था; भगवान ने कई अन्य राक्षसों के साथ रावण का भी वध किया। केवल बड़े-बड़े वध ही नहीं, भगवान अपने भक्तों के लिए कर्ता के रूप में सभी बड़े कार्यों का ध्यान रखते हैं।

आपको क्या लगता है कि अर्जुन बड़े योद्धाओं को मारने/क्षतिग्रस्त करने में सक्षम कैसे था? क्योंकि भगवान सफलता के लिए सभी प्रासंगिक पाँच कारकों को नियंत्रित करते हैं; किसी और के पास यह नियंत्रण नहीं है; हम केवल खुद को नियंत्रित कर सकते हैं। कार्य का स्थान परिस्थितियों द्वारा निर्धारित होता है। इसी प्रकार, हमारे पास साधन सीमित हैं, उदाहरण के लिए, यदि सभी सही दवाइयाँ आसानी से उपलब्ध न हों तो डॉक्टर को परेशानी होती है। हमारे प्रयास भी सीमित हैं क्योंकि हम अपने स्वास्थ्य आदि से सीमित हैं। और निश्चित रूप से ईश्वर हमारे नियंत्रण में नहीं है। (18.14) ईश्वर में ऐसी कोई दुर्बलता नहीं है।

ईश्वर हमेशा बहुत व्यस्त रहते हैं। न केवल व्यस्त रहते हैं, बल्कि ईश्वर बहुत सावधानी से कार्य में लगे रहते हैं। क्यों? क्योंकि मनुष्य उनके नेतृत्व का अनुसरण करते हैं, ईश्वर सबसे श्रेष्ठ सत्ता है। जैसा कि पहले बताया गया है, ईश्वर ने अपने ऊपर कई कार्य लिए हैं, मैंने केवल कुछ का ही उल्लेख किया है। इस लेख का संदेश क्या है? यदि हम उनकी शरण में जाते हैं और उनके निर्देशों का पालन करते हैं, विशेष रूप से धर्म का, तो हमें अपने कल्याण में ईश्वर के विशाल योगदान के बारे में पता होना चाहिए। बदले में ईश्वर हमसे क्या चाहते हैं? कि हमें अपनी प्रगति के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए और दूसरों की मदद और सेवा करनी चाहिए ताकि वे भी ऐसा ही करें। ईश्वर चाहते हैं कि हम भी ईश्वर की तरह उपयोगी बनें।

आप की बात

मोदी का महत्व

मोदी सरकार का तीसरी बार सत्ता में आना न सिर्फ भारत के लिए वरन पूरी दुनिया के लिए राहत की रोशनी के समान है। आज के युद्धरत समय में जब संयुक्त राष्ट्रसंघ व अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं नाकाम सिद्ध हो रही है, ऐसे में किसी प्रभावशाली निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय नेता की जरूरत है जो मध्य मार्ग निकाल कर लंबे समय से जारी रूस-यूक्रेन और इसराइल-हमास युद्ध को बंद करवा सके। इस असाधारण प्रयास के लिए सक्षम राजनेता के रूप में सबके मुंह पर मोदी का ही नाम आएगा। सारी दुनिया को अपना परिवार मान कर तटस्थता की नीति पर चलने वाले वही ऐसे व्यक्ति हैं जो युद्धरत देशों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को वार्ता के लिए एक टेबल पर लाकर बैठा सकते हैं। उनके युद्धरत देशों समेत दुनिया के अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों से अच्छे संबंध है। इसे देखते हुए वे सबके लिए सम्मानजनक विकल्प पेश कर लंबे समय से चल रहे युद्धों को समाप्त करवाने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। भारत की बढ़ती सामरिक और आर्थिक क्षमताओं के साथ ही विश्व कल्याण की उसकी भावना से देश की अंतरराष्ट्रीय मंच पर उज्जवल छवि बनी है। इसका लाभ उठा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व शांति की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

हादसे से सबक

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मची भगदड़ के कारण इतनी बड़ी संख्या में हुई श्रद्धालुओं की मौत विषादजनक और मन को व्यथित कर देने वाली है। यह कोई पहला हादसा नहीं है। आजकल के अनेक कथावाचक या उपदेशक सच्चे साधु-महात्मा नहीं है। अपने लच्छेदार प्रवचनों के साथ-साथ खुद को चमत्कारी और भगवान के दूत के रूप में पेश कर ये जन मानस में ख्याति बना लेते हैं। मोह माया से दूर रहने और धन को मिट्टी बताने वाले यह तथाकथित कथा वाचक दोनों हाथों से धन बटोरते हैं। वे एक-एक कथा के आयोजन हेतु लाखों रुपए की राशि भेंट में लेते हैं। सेवादार के रूप में यह कुछ गुंडों को अपने इर्द-गिर्द रखते हैं जो आम जनता को ढोंगी बाबा के पास फटकने नहीं देते। उनके वंदन का लाभ और मुलाकात बड़ी राशि दान करने वाले धनाढ्य लोगों को ही मिलता है। इस हादसे में कथावाचक और सेवादारों के साथ अंधभक्त श्रद्धालु भी जिम्मेदार हैं जो किसी भी अफ्वाह पर हजारों की संख्या में इकट्ठा हो जाते हैं। इस कारण स्थानीय नेता और प्रशासन भी सहयोग करता है इस तरह इनकी दुकानदारी धड़ल्ले से चलती है। ढोंगियों से बचाने के लिए लोगों में जागरूकता भी फैलानी होगी।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

ढोंगियों का मायाजाल

ढोंगियों ने अतीत में भी जनता को भ्रमित कर क़ानून- व्यवस्था के समक्ष चुनौती खड़ी कर क्षेत्र में सामंती रुतबा स्थापित किया है। उन्होंने लोगों को भ्रमित कर अंधविश्वास व पाखंड को बढ़ावा दिया है। ये तथाकथित बाबा भौतिक सुविधाओं का भोग करने में पीछे नहीं हैं। हाथरस के नारायण साकार हरि उर्फ़ सूरज पाल उर्फ़ भोले बाबा के सत्संग में भीड़ की भगदड़ में सवा सौ से अधिक लोगों की मौत ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या समाज में किसी भी ढोंगी बाबा को किसी भी प्रकार के अंधविश्वास को बढ़ावा देने की मनमानी छूट प्रदान की जानी उचित है? व्यक्तिगत स्वार्थों की पूर्ति में लगे बाबाओं को क्या ऐसे सार्वजनिक प्रवचन करने की छूट मिलनी चाहिए जिनमें व्यवस्था से अधिक भीड़ जुटाने की स्वतंत्रता हो? दुर्भाग्य है कि जनता का एक हिस्सा इनके चंगुल में फंसा रहता है जो स्वयं को भगवान घोषित कर अफ्वाह फैलाते हैं कि उनके चरणों की रज को माथे पर लगाने से बीमारियां दूर हो जांएगी। भारतीय संतों की सम्मानित संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ऐसे अनेक ढोंगी बाबाओं को फर्जी घोषित कर चुकी है। प्रशासनिक कार्रवाई के साथ ही जनता को ऐसे ढोंगियों से जागरूक करने की व्यापक स्तर पर आवश्यकता है।

– **सुधाकर आशावादी,** मेरठ

पाकिस्तान में संकट

आतंकी समूह तहरीके तालिबान को लेकर पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान फिर आमने सामने हैं। पाकिस्तान को आशंका है कि अफ़ग़ानिस्तान इस आतंकी समूह की शरणस्थली बना हुआ है। हाल ही में पाक रक्षामंत्री ने अफ़ग़ानिस्तान में तहरीके तालिबान पाकिस्तान के ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। इस पर अफ़ग़ान रक्षा मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता में उल्लंघन बताते हुए कहा कि इससे रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है। और ये किसी के हक़ में नहीं हैण। चीनी मंत्री ने हालिया पाकिस्तानी दौरे पर उसे चेतावनी दी थी कि चीन पाकिस्तान में पूंजी निवेश तभी बढायेगा जब आंतरिक स्थिरता और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था होगी। इसके बाद पाकिस्तान चरमपंथ के ख़िलाफ़ ऑपरेशन शुरु करने जा रहा है। इसके अन्तर्गत उसकी योजना अफ़ग़ानिस्तान में तहरीके तालिबान के आतंकी ठिकानों को निशाना बना कर नष्ट करने की है। लेकिन अफगानिस्तान व चीन के बीच फंसे पाकिस्तान की मुसीबतें इस स्थिति में और बढ़ सकती हैं। देश में आतंकियों व चरमपंथियों के बढ़ते दबाव के कारण पाकिस्तान संकट में है।

– **विमलेश पगारिया,** बदनावर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

तामेश्वरनाथ मंदिर का अधिकारियों ने लिया जायज़ा

●एडीजी, कमिश्नर व आईजी ने की बैठक

●कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में लगा प्रशासनिक अमला

संवाददाता। संतकबीरनगर

मंडलायुक्त बस्ती मंडल, अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर डा0 के0एस0 प्रताप कुमार व पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती आर.के. भारद्वाज द्वारा जनपद में कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता की उपस्थिति में जनपद स्थित शिव मंदिर तामेश्वरनाथ धाम में जलाभिषेक की तैयारियों, जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं / कांवरियों की सुरक्षा एवं मेला स्थल का निरीक्षण कर शांति/ क़ानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत मंदिर मेला प्रबंधन/ समस्त अधिकारी/ कर्मचारीगण से वार्ता किया गया एवं उनकी सुरक्षा/ शांति/ क़ानून व्यवस्था के दृष्टिगत सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

साथ ही मेला ड्यूटी में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरे कांवड़ मेला ड्यूटी के दौरान अपना व्यवहार उच्च कोटि का रखने और कांवडियों के आने-जाने वाले मार्ग पर विशेष सर्तकता, निगरानी रखते हुए प्रभावी ड्यूटी के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। यदि किसी कांवड़ यात्री/श्रद्धालु के साथ कोई अप्रिय घटना होती है अथवा उनकी तबीयत खराब होती है तो तत्काल इसका संज्ञान लेकर अतिशीघ्र मेडिकल सहायता उपलब्ध करायी जाए व यातायात डायवर्जन प्लान को कडाई से लागू कराते हुए ट्रैफ़िक व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए सम्बन्धित को निर्देश दिए गये। इसी क्रम में जनपद में कावंड यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता सहित अनूय पुलिस / प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में समीक्षा गोष्ठी की गयी।

समीक्षा बैठक के दौरान श्रावण मास/कांवड़ यात्रा में कावड़ियों/शिव भक्तों के सुरक्षित आवागमन, रूट डायवर्जन, साफ-सफ़ाई आदि व्यवस्थाओं सहित कानून एवं शान्ति व्यवस्था तथा सौहार्दपूर्ण माहौल बनाये रखने के दृष्टिगत सम्बंधित बिन्दुओं पर सम्बंधित अधिकारियों से तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए मण्डलायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व जय प्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामानुज कन्नौजिया, सभी उपजिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने संभाला पदभार

संतकबीरनगर। नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक बृहस्पतिवार को कार्यालय में पहुंचकर पद का कार्यभार ग्रहण किये। यह पद पूर्व डीआईओएस के सेवानिवृत्त के बाद काफी दिनों तक रिक्त रहा। नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चन्द्र नाथ विधि अधिकारी, एससीईआरटी, लखनऊ से जनपद संतकबीरनगर के लिए तैनाती शासन ने किया था। जिसके क्रम में उन्होंने आज पद का कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती निशा यादव ने बुक्के देकर उनका स्वागत किया। इसके अलावा विभिन्न शिक्षक संगठनो के पदाधिकारियों ने नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक का स्वागत किया।

दशरथ महल में सजी फूल बंगले की झांकी, दृश्य देख मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

संवाददाता। अयोध्या

फूलन के बंगला फूलन के परदा फूलन के परजंक पौडे मदन लजात, देखी नभ चांदनी सिया मन भावनी राम प्रिया सोभा लख हिय न अघात...' आचार्य प्रणीत पदों के गायन के साथ दशरथ राजमहल बड़ा स्थान में ग्रीष्मकालीन उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विराजमान भगवान धनुषधारी सरकार के फूल बंगले की भव्य एवं मनोरम झांकी सजाई गई। इस झांकी का दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ संत-महंत भी पहुंचे।

मंदिर के पीठाधीश्वर महंत बिन्दुगद्याचार्य स्वामी देवेन्द्रप्रसादाचार्य महाराज ने बताया कि आचार्य परम्परा में उत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले उत्सव की श्रृंखला में ही किया गया है। उन्होंने कहा कि उपासना में भाव का महत्वपूर्ण स्थान है। साधक संतों ने आराध्य की उसी प्रकार अष्टयाम सेवा पद्धति को अपनाया जिस प्रकार परिवारों में परिकर अपने स्वामी की सेवा करते हैं। इसी कड़ी में भगवान के भोग-राग के साथ उनके सुख के लिए उत्सवों का आयोजन किया जाता रहा है।उन्होंने कहा कि अर्चावतार के रूप में भगवान सभी भक्तों को सुलभ हैं। वहीं भक्त भी भगवान की सेवा के माध्यम से उनका सानिध्य प्राप्त कर सुखानुभूति करते हैं। ग्रीष्म काल की उष्णता में विराजमान भगवान को ठंडक पहुंचाने के लिए फूलों के बंगले में उन्हें विराजित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भगवान को प्रसन्न करने की ही प्रक्रिया है।

अतिथियों का स्वागत श्री महाराज जी के कृपा पात्र शिष्य मंगल पीठाधीश्वर कृपालु राम भूषण दास जी महाराज ने किया और बताया कि प्रतिवर्ष फूल बंगले की झांकी का उत्सव चक्रवर्ती सम्राट दशरथ राज महल में मनाया जाता है ठाकुर जी को देश विदेश के विविध प्रकार के फूलों से सुसज्जित किया जाता है।

आपरेशन कायाकल्प की कच्छप गति देख कर जिलाधिकारी ने लगायी फटकार

संवाददाता। उरई, जालौन

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति व निपुण टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प के तहत दिव्यांग शौचालय व टाईलीकरण आदि निर्माण की प्रगति कम होने नाराजगी प्रकट करते हुए जिला विकास अधिकारी समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि खंड विकास अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अधूरे कार्यों को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता से पूरा कराएं, अधूरे निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए यदि कहीं कोई बाधा उत्पन्न हो रही है तो उसे उनके संज्ञान में लाया जाए, जिन विद्यालय में दिव्यांग शौचालय व टायलीकरण काम अधूरा है वहां खंड शिक्षा अधिकारी व खंड विकास अधिकारी स्वयं अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण करते हुए युद्ध स्तर पर गुणवत्तायुक्त कार्य को पूरा कराएं।

उन्होंने कहा कि जिला टास्क फोर्स एवं ब्लॉक टास्क फोर्स के सदस्य अनिवार्य रूप से विद्यालय के निरीक्षण को पूर्ण करते हुए अपनी अद्यतन आख्या बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से भिजवाए। कहा कि खंड शिक्षा अधिकारी अपने आवंटित ब्लॉक में अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण को बढ़ाते हुए उपस्थित को शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के प्रयास करें। अभियान के दौरान कम अटेंडेंस वाले बच्चों के घर घर दस्तक देकर उपस्थिति सुनिश्चित कराएं, विद्यालयों के शैक्षिक व भौतिक गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि जुलाई माह के अंत तक अभियान चलाकर निर्धारित तिथियों पर दिव्यांग विद्यार्थियों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी कराए जाने के लिए विकास खंडवार शिविर लगाकर दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किया जाए। 50 अति गंभीर दिव्यांग बच्चे जो स्कूल आने में अक्षम व असमर्थ हैं, को होम बेस्ट एजुकेशन स्पेशल ऐजुकेटर्स के द्वारा दिया जा रहा है। इन बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु 50 होम बेस्ट किट क्रय किए जाने के निर्देश दिए।

नगर विधायक ने प्रारंभ किया वृक्षारोपण अभियान

अयोध्या। जयपुरिया स्कूल में आयोजित वन महोत्सव 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने वृक्षारोपण किया। अयोध्या वन प्रभाग द्वारा विद्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में अयोध्या विधायक ने वृक्षारोपण कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने कहा कि एक पेड़ 100 पुत्रों के बराबर होता है। पेड़ हमें जीवन के लिए जरूरी आक्सीजन, फल, छाया और औषधी प्रदान करते हैं। दुनिया भर में विकास के चलते पेड़ों का कटाव किया जा रहा है। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि पार्कों, खाली पड़े मैदानों, घरों, कार्यालयों व आस-पास के क्षेत्रों में पौधे लगाएं ताकि पेड़ों की कमी का खामियाजा न भुगतना पड़े।

बारिश ने खोल दी यूपी के पहले ग्लास ब्रिज की गुणवत्ता की पोल

रतन पटेल। चित्रकूट

विंध्य पर्वत श्रृंखला के मध्य चित्रकूट जिले के पाठा क्षेत्र में मारकुंडी जंगल के पास बने उत्तर प्रदेश के पहले स्काई ग्लास ब्रिज में पहली ही बारिश में ही निर्माण में हुई धांधली की पोल खुलने लगी है। मानसून की पहली बारिश में ही ब्रिज के कई स्थानों पर बडी-बडी दरारें आ गई है। इससे स्काई ब्रिज की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे है। भगवान श्रीराम की तपोभमि चित्रकूट के पर्यटन विकास के उददेश्य से वन विभाग द्वारा पाठा के घने जंगलों के बीच स्थित तुलसी जल प्रपात में 3.70करोड की लागत से उत्तर प्रदेश के पहले स्काई ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया गया है। इसमें ब्रिज के साथ टिकट विंडो व आसपास चबूतरे व सौंदर्यीकरण के काम शामिल हैं। इसे पवनसुत कांस्ट्रेक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा बनाया गया है। निर्माण एजेंसी ने बताया है कि बारिश के कारण प्रवेश करने वाले फुटिंग स्थल पर कुछ मिट्टी के खिसकने से दरार दिख रही है। जिसे सही कराया जाएगा। ब्रिज निर्माण के बाद पहली बारिश है, इसमें जो भी कुछ कमी होगी उसका पता चल जाएगा।

आकांक्षी जिले में छह लक्ष्यों को 30 सितम्बर तक करें पूराः डीएम

चित्रकूट। नीति आयोग ने आकांक्षी जिले में ब्लाक चयनित छह संकेतों के लक्ष्य पूरे करने की गरज से एक जुलाई से 30 सितंबर तक अभियान को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व सीडीओ अमृतपाल कौर ने कर्वी ब्लाक के खुटहा गांव से शुभारंभ किया। गुरुवार को जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को बधाई देते हुए कहा कि नीति आयोग ने छह बिंदुओं पर भारत सरकार व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जनता को लाभ दिलाने को कैसे कार्य करना है। आकांक्षी जिले में बच्चे स्वस्थ्य रहें, पढ़ाई भी अच्छी रहे, आर्थिक दशा में सुधार हो- सभी योजनाओं को गांव में अभियान चलाकर किया जायेगा। जनप्रतिनिधियों से कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लोगों में प्रचार कर लाभ दिलायें। सीडीओ अमृतपाल कौर ने कहा कि नीति आयोग ने छह संकेतों पर जिला स्तर व ब्लाक स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण से इंकार करने वाले बच्चों को कार्यक्रम स्थल पर टीकाकरण कराकर सम्मानित करने, हाइपरटेंशन व डायबिटीज जांच शिविर लगाने, जिला कार्यक्रम विभाग से अन्नप्राशन व गोद भराई, स्वत: रोजगार से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आरएफसीआईएफ की धनराशि दिलाने का प्रमाण पत्र बांटने, कृषि विभाग से स्वास्थ्य कार्ड बांटने, पंचायती राज विभाग से साफ-सफ़ाई अभियान चलाये जायेंगे। उन्होंने महिलाओं से कहा कि समय से अपने स्वास्थ्य की जांच करायें।

व्यक्ति को रेबीज संक्रमण से बचा सकता है वैक्सीनेशनः सीएमओ

उरई, जालौन। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनडी शर्मा ने बताया कि रैबीज एक संक्रामक बीमारी है, जो संक्रमित कुत्ते, बिल्ली, बन्दर, घोडे आदि के काटने, खरौचनें या लार आदि के माध्यम से फैलती है। इसमें बैक्सीनेशन ही बचाव है। अगर व्यक्ति रैबीज से संक्रमित हो जाये तो मृत्यु निश्चित है।

इसलिये जब भी किसी व्यक्ति को कुत्ता बिल्ली, बन्दर, घोड़े आदि काटते हैं, तो सबसे पहले घाव को बहते हुये साफपानी एवं साबुन से 15 मिनट तक धोए एवं नजदीकी चिकित्सालय में जाकर रैबीज का वैक्सीनेशन जरूर कराये। किसी झांड-फूंक के बारे में न पड़े और न ही घाव पर मिर्च पाउडर एवं तेल का प्रयोग करें। घाव को पट्टी से न बांधे। कुत्ते को अकारण न छेड़े, अपने पालतु कुत्तों का टीकाकरण जरूर कराये तथा पालतु कुत्ते को आवारा कुत्तों के साथ न घूमने दें। आपके आवासीय क्षेत्र में कुत्ते, बिल्ली, बन्दर एवं अन्य जंगली जानवर अधिक हो तो नगर पालिकाध्नगर पंचायत में जाकर सूचना दे। जनपद की समस्त चिकित्सा ईकाइयों पर रेबीज की वैक्सीन उपलब्ध है। चिकित्सा इकाइयों में प्रशिक्षित चिकित्सकों, फार्मासिस्ट एवं स्टार्फ नर्स द्वारा वैक्सीनेशन किया जाता है। पिछले वर्ष जनपद में 45043 लोगों को कुत्ता बिल्ली, बंदर, घोड़े आदि द्वारा काटा गया जिन्हें मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल, सीएससी एवं पीएससी पर रेबीज बीमारी से बचाव हेतु टीके लगाये गये।

प्रतिदिन समस्त चिकित्सा इकाइयों पर लगभग 140 लोगों का टीका करण किया जाता है समस्त चिकित्सा ईकाईओं में प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं पैरामैडिकल स्टाफ द्वारा बताया जाता है कि कुत्ते आदि काटने के बाद क्या सावधानियां बरती जायें।

वृक्ष प्रकृति का दिया विशिष्ट उपहारः एड. सूबेदार यादव

अमेठी। वृक्षारोपण के साप्ताहिक कार्यक्रम के क्रम में ग्रामसभा नौगिरवा प्रधान ईश्वर प्रसाद यादव जी के मार्गदर्शन में कंपोज़िट विद्यालय परिसर में व ब्लॉक भेटुआ के परिसर में लगभग 50 वृक्षों का रोपण किया गया जिसने पीपल सागवन नीम,बरगद का पेड़ शामिल है। कंपोज़िट विद्यालय के बच्चे टोली बनाकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि के रूप में एड. सूबेदार यादव ज़िला पंचायत सदस्य भेटुआ रहे। जिला पंचायत सदस्य सूबेदार यादव ने कहां मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति वनस्पतियों से ही हो रही हैं। वृक्ष पूरे वातावरण को हमेशा साफ और स्वच्छ रखते हैं।

भिटारा परिषदीय विद्यालय जल भराव से बन गया तलैया , बच्चे परेशान

संवाददाता। जालौन, उरई

प्राथमिक विद्यालय भिटारा में जलभराव होने के चलते बच्चों का विद्यालय पहुंचना दूभर है। अभिभावकों को अपनी गोद में बच्चों को लेकर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है। मजेदार बात यह है इसी परिसर में ब्लॉक संसाधान केंद्र और एबीएसए का ऑफिस भी है। इसके बाद भी व्यवस्थाएं नहीं सुधर रहीं हैं। अभिभावकों ने जिलाधिकारी से व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की है। ताज्जुब की बात तो यह है गांव के परिषदीय विद्यालय की छत से भी टपकती रहती है जिससे बच्चे जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण करने को विवश देखे जा रहे हैं।

एक ओर प्रदेश सरकार विद्यालयों की दशा सुधारने का प्रयास कर रही है। ताकि बच्चे और अभिभावक सरकारी विद्यालयों की ओर आकर्षित हों और विद्यालयों में छात्र संख्या बढ़ सके। तो दूसरी ओर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम भिटारा में स्थित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों का पहुंचना मुश्किल हो रहा है। जालौन नगर से मात्र दो किमी की दूरी पर स्थित भिटारा गांव में प्रवेश करते ही ब्लॉक संसाधान केंद्र की इमारत बनी है। इसी परिसर में एबीएसए का ऑफिस और प्राथमिक विद्यालय स्थित है। बारिश के मौसम में इस इमारत के अंदर का नजारा किसी तालाब से कम नहीं है। इस परिसर में प्रवेश कर बच्चों का विद्यालय तक पहुंचना जोखिम भरा है। परिसर में प्रवेश करते ही चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है।

कोई बच्चा विद्यालय पहुंचता है तो उसकी ड्रेस तो खराब होगी ही यदि वह फ़सलता है तो जोखिम हो सकता है। ऐसे में अभिभावकों को अपने बच्चों को गोद में उठाकर विद्यालय के अंदर पहुंचाना पड़ता है। विद्यालय के अंदर भी हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। बारिश होने पर विद्यालय की छत टपकती है और सीलन बनी रहती है।

ग्रामीणों का पंचायत सचिव पर आरोप नहीं आते हैं ग्राम पंचायत

शुकुल बाजार, अमेठी। जनपद अमेठी के विकासखंड शुकुल बाजार में एक ग्राम पंचायत पंचायत ऐसा है जो की लगातार तीन वर्षों से अधिकारी कर्मचारियों की भेदभाव का शिकार हो रहा है आपको बता दे कि यहां तैनात पंचायत सचिव पर आरोप है कि वह कभी भी ग्राम पंचायत नहीं आते हैं जिससे लोगों को तमाम तरह की असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मैं बात कर रहा हूं विकासखंड शुकुल बाजार की ग्राम पंचायत इक्का ताजपुर की जहां छोटे बड़े गांव मिलकर हजारों की आबादी बसती है और गांव में बरसात के मौसम में सभी नालियां कचरे से पटी है इस ग्राम पंचायत में सफाई कर्मी की तैनाती न होने से ऐसी दुर्दशा ग्राम वासियों को झेलनी पड़ रही है ग्राम पंचायत में दो प्राइमरी एक जूनियर हाई स्कूल बना हुआ है सफाई कर्मी की तैनाती न होने से स्कूलों का साफ सफाई का जिम्मा भगवान भरोसे ही चल रहा है ग्राम पंचायत निवासी श्यामलाल मानसिंह अरविंद बदलू निजाम आसाराम रामकुमार ओमप्रकाश दुबे मूलचंद सहित दर्जनों की संख्या में एक शिकायती पत्र हस्ताक्षर सहित खंड विकास अधिकारी शुकुल बाजार अंजलि सरोज को सौपा है।

राशन कार्ड संबंधित समस्याओं के लिए लगेगा कैम्प

अमेठी। जिला पूर्ति अधिकारी नीलेश उत्पल ने सर्वसाधारण को सूचित करते हुए बताया है कि जिलाधिकारी द्वारा जनपद की राशन कार्ड से सम्बन्धित शिकायतों / समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु तहसील दिवसों पर विशेष कैम्प लगाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके क्रम में प्रत्येक तहसील दिवस के दौरान राशन कार्ड सम्बन्धी शिकायतों / समस्याओं के निस्तारण हेतु आपूर्ति कार्यालय द्वारा विशेष कैम्प का आयोजन किया जायेगा। अतः जनपद के समस्त लाभार्थियों / राशन कार्डधारकों से अपील है कि वह अपनी राशन कार्ड सम्बन्धी समस्त शिकायतों / समस्याओं यथा यूनिट / सदस्यों का नाम जुड़वाना, विवाहित पुत्री/मृतक सदस्य का नाम कटवाना, नये राशन कार्ड की मांग हेतु आवेदन अथवा आपूर्ति शाखा से सम्बन्धित अन्य कोई समस्या के निराकरण हेतु तहसील दिवस में आयोजित विशेष कैम्प में आपूर्ति कार्मिक से सम्पर्क कर अपनी समस्याओं का नियमानुसार समाधान कराएं।

आषाढ़ी अमावस्या मेला सकुशल संपन्न कराने को डीएम-एसपी ने की ब्रीफिंग

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने गुरूवार को आषाढ़ी अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराने को लेकर जोनल, सेक्टर तथा पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस बल के साथ राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर सीतापुर चित्रकूट के सभागार में ब्रीफिंग की गई।

इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी जोनल ,सेक्टर अपने पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करके मेला में भ्रमणशील रहकर मेला को सकुशल संपन्न कराएगे। बरसात को देखते हुए सतर्क दृष्टि रखते हुए अपने-अपने क्षेत्र में तैनात रहकर दायित्वों का निर्वहन करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पूरे मेला क्षेत्र को 3 जोन और 13 सेक्टर में विभाजित किया गया है।

सभी जोन व सेक्टर में मजिस्ट्रेट सहित पुलिस अधिकारी तैनात किए गए हैं। पर्याप्त मात्रा में मेला को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस बल भी लगाया गया है। उन्होंने सेक्टर और पुलिस अधिकारियों को हैंडसेट भी मुहैया कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी अपनी ड्यूटी स्थल पर तैनात रहकर मेला को सकुशल संपन्न करेंगे।

जिन लोगों की रामघाट पर ड्यूटी लगी है वह सतर्क दृष्टि रखते हुए अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने स्वास्थ्य कैंपों एवं एम्बुलेंसों पर भी स्टेचर की व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालुओं से मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाये।इसके बाद जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने रामघाट एवं परिक्रमा मार्ग का भ्रमण कर मेला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चन्द्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी , मध्य प्रदेश के अधिकारी सहित जोनल, सेक्टर पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

बगैर कागजात फर्राटा भरते चार वाहनों को एआरटीओ ने पकड़ा

जालौन, उरई। परिवहन अधिकारी ने गुरुवार को नगर की सड़कों पर भ्रमण कर तीन अलग अलग स्थानों से चार वाहनों को पकड़ा है। पकड़े गए वाहनों के आवश्यक कागजात न होने पर जुर्माना की कार्रवाई की गई है। साथ ही पकड़े गए वाहनों को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

परिवहन अधिकारी विनय कुमार पांडेय ने गुरुवार को चुर्खी बाबई मार्ग, औरैया मार्ग व कोंच मार्ग पर चौकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान उन्होंने बाजरा के बीज व मसालों से भरी दो पिकअप को पकड़ा है। इसके साथ ही ईटा से भरी एक ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली व मिनी सवारी वाहन को पकड़ा है। अधिकारी ने जब वाहन चालकों से आवश्यक प्रपत्र वाहन का रजिस्ट्रेशन, बीमा, प्रदूषण, चालक का ड्राइविंग लाइसेंस आदि मांगे तो वह नहीं दिखा पाए। मोटर वाहन अधिनियम का पालन न करने पर चारों वाहनों के खिलाफ जुर्माना की कार्रवाई की गई है। परिवहन विभाग ने पकड़ी गई पिकअप पर 31-31 हजार रुपये, ईटा के ओवरलोड ट्रेक्टर ट्राली पर 50 हजार व सवारी वाहन पर 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

विधिक शिविर में नये कानूनों के बारे में दी जानकारी

कोंच, जालौन। विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन गुरुवार को तिलक नगर में स्थित विद्यालय में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में शिविर में शामिल हुए नायब तहसीलदार सुधीर कुमार ने दीप प्रज्वलन कर शिविर की शुरुआत की। विद्यालय स्टाफ ने अतिथियों का बैज अलंकरण कर स्वागत किय। शिविर में बोलते हुए नायब तहसीलदार ने 1 जुलाई से देश में पुराने कानून के स्थान पर लागू हुए नए कानून के नियमों के बारे में बताया, साथ ही राजस्व मामलों के बारे में बताते हुए जागरुक किया। स्वास्थ्य विभाग से पधारी सरिता पटेल ने विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों के अलावा अच्छे स्वास्थ्य के लिए खानपान और योग के बारे में बताया। पीएलबी सीता तिवारी एवं अल्का भारती ने घरेलू महिला हिंसा, उत्पीड़न जैसे मामलों पर प्रकाश डालते हुए इनसे बचाव करने के तरीके बताए।

लंबी प्रतीक्षा के बाद जोल्हूपुर रेलवे ओवरब्रिज से चलने लगीं गाड़ियां

कालपी, जालौन। लंबे समय तक चले निर्माण कार्य के बाद जोल्हूपुर मोड़ पर रेलवे क्रॉसिंग का एक साइट ओवरब्रिज का कार्य पूरा हो गया है। जोल्हूपुर-कदौरा मार्ग में गाड़ियां पर्टा भरकर गुजरने लगी है, लोगों को रोज-रोज लगने वाले जाम के झाम से निजात मिल गई है।

जनपद जालौन, उरई तथा हमीरपुर मुख्यालय के आने जाने के लिए जोल्हूपुर मौड़ से होकर वाहनों को निकालना पड़ता है। वही सैकड़ो की संख्या में डम्पर तथा ट्रक बेतवा नदी से खनन क्षेत्र से बालू भरने के लिए गुजरते हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए उ.प्र. राज्य सेतु निगम तथा भारतीय रेलवे निर्माण निगम के द्वारा रेलवे क्रॉसिंग में फेरलेन ओवरब्रिज का निर्माण कर 7-8 वर्ष पहले शुरू किया गया था। लेकिन धीमी गति से काम शुरू होने से निर्माण में देरी हो रही थी। निर्माणाधीन ओवरब्रिज के निर्माण की वजह से भारी वाहनों को जोल्हूपुर रेलवे क्रॉसिंग से निकलने में रोक लगा दी गई थी। जबकि डायवर्जन होकर भारी वाहन आटा-इटौरा से होकर निकल रहे है। निर्माण कार्य धीमी गति से होने के कारण विधायक विनोद चतुर्वेदी ने नाराजगी व्यक्त की थी तथा कार्यदायी संस्था के इंजीनियरों को जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए थे।

वन महोत्सव सप्ताह के विभिन्न स्थानों पर किया पौधारोपण

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में 04 जुलाई 2024 को वन महोत्सव सप्ताह चतुर्थ दिवस पर जनपद कानपुर देहात के अन्तर्गत विभिन्न जन.जागरूकता एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। प्रतिभा शुक्ला, राज्यमंत्री, उप्र सरकार द्वारा अकबरपुर इण्टर कालेज, अकबरपुर में वन विभाग के द्वारा आयोजित वृक्ष बारात, वृक्ष भण्डारा एवं वृक्षारोपण के कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। मंत्री द्वारा गोल्डमोहर एवं पाकड़ के पौधों का रोपण भी किया गया। उनके द्वारा वृक्षों का महत्व बताते हुये सभी छात्र.छात्राओंए अभिभावकों व स्कूल के अध्यापकों का आवाहन करते हुये कम से कम एक पेड़ माँ के नाम लगाने व उसका समुचित देखभाल करने पर बल दिया गया। छात्र.छात्राओं को फलदार व ग्राफ्टेड पौधों का वितरण भी किया गया। सर्वेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी, अकबरपुर एवं भरत सिंह, प्रधानाध्यापक, अकबरपुर इण्टर कालेज के नेतृत्व में 1500 स्कूली छात्र.छात्राओं एवं अध्यापकों द्वारा इस

वृक्ष बारात में सम्मिलित होकर जन सामान्य को अपने पर्यावरण को संरक्षित रखने एवं सवर्द्धित करने का आवाहन किया गया।

छात्र.छात्राओं को संबोधित करते हुये एके द्विवेदी, प्रभागीय वनाधिकारी, कानपुर देहात द्वारा प्रदूषित पर्यावरण को सुधारने में वृक्षों के महत्व को विस्तृत रूप से बताते हुये, पेड़ लगाओ पेड़ बचाओं जन अभियान-2024 सक्रिय भागीदारी करने हेतु सभी का आवाहन किया गया। वर्षाकाल में सभी नागरिक कम से कम दो वृक्ष जरूर लगाते हुये, उनको संरक्षित भी रखा जाये। उप्र वनावरण 9 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक किये जाने हेतु अधिक से अधिक पौधरोपण करते हुये उनको संरक्षित भी किया जाये। पेड़ लगाओं पेड़ बचाओं जन अभियान सफल बनाया जा सके।

आशीष मिश्रा, ब्लाक प्रमुख, अकबरपुर द्वारा भी संबोधन में इस जनपद को हरा.भरा रखने के संकल्प का आवाहन किया गया। भरत सिंह, प्रधानाध्यापक अकबरपुर द्वारा अपने कैम्पस को हरा भरा रखने हेतु सभी छात्र.छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया गया। रसूलाबाद रेन्ज के अन्तर्गत पूनम संखवार, विधायक, रसूलाबाद द्वारा रसूलाबाद रेन्ज की विभागीय पौधशाला का भ्रमण कर परिसर में आम का पौधा तथा सेंविलियन विद्यालय, करियावर में पीपल के पौध का रोपण करते हुये, जन सामान्य से अपील की गई कि इस वर्षाकाल में अधिक से अधिक वृक्ष लगायें और इस क्षेत्र को हरा भरा करने संकल्प भी किया गया। डेरापुर रेन्ज के अन्तर्गत प्रा. विद्यालय शंकरगंज, झींझक में मोहित मिश्रा, सभासद द्वारा फ्लदार पौध का रोपण स्कूली बच्चों के साथ किया गया तथा बच्चों से आवाहन किया गया तथा एक वृक्ष अपनी माँ के नाम रोपित करने की अपील की गयी। सर्वेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी अकबरपुर, सुरेन्द्र नाथ सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी, रसूलाबाद एवं इस्तखार अहमद, क्षेत्रीय वन अधिकारी डेरापुर व स्थानीय जन समुदाय एवं अध्यापक भी उपस्थित रहे।

506 छात्राओं को स्मार्टफोन व 51 को मिले टैबलेट

फतेहपुर। शहर के रामानगर देवीगंज मुहल्ला स्थित श्रीमती रामा अग्रहरि स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में गुरूवार को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण का आयोजन किया गया। हाथों में स्मार्टफोन व टैबलेट आते ही छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। सभी ने सरकार के इस प्रयास की जमकर प्रशंसा की। मुख्य अतिथि के रूप में अयाह-शाह विधायक विकास गुप्ता उर्फ बब्लू व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री राधेश्याम गुप्त ने शिरकत की। अतिथियों ने विद्यालय की 509 छात्राओं को स्मार्टफोन व 51 छात्राओं को टैबलेट वितरित किए। स्मार्टफोन व टैबलेट हाथों में पाकर छात्राओं ने कार्यक्रम को जमकर सराहा। विधायक श्री गुप्ता ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए तमाम योजनाएं संचालित कर रही हैं। प्रदेश की योगी सरकार ने छात्र-छात्राओं को दक्ष बनाए जाने के लिए ही स्मार्टफोन व टैबलेट वितरण करने का फैसला लिया था।

जिलाधिकारी ने आगामी त्योहारों के दृष्टिगत की शान्ति एवं कानून व्यवस्था की बैठक, दिए निर्देश

- अधिकारी अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं को रखें दुरुस्त
- परिवहन के रूप में ट्रैक्टर ट्राली का ना करें उपयोग

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति की उपस्थिति में मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में आगामी त्योहार जगन्नाथ रथ यात्रा, मोहर्रम, श्रावण, शिवरात्रि, कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत शान्ति एवं कानून व्यवस्था की बैठक संपन्न हुई। बैठक में डीएम ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में त्योहार पंजिका में पंजीकृत पारंपरिक आयोजन ही पूर्व की भांति आयोजित किए जाएं। उन्होनें अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए की कही सुनी बातों पर विश्वास ना करें अधिकारी स्वयं निरीक्षण कर जायजा ले। उन्होंने ताजिया रखे जाने के दृष्टिगत निर्देश दिए की ताजिया निर्धारित ऊंचाई में ही तैयार किए जाएं तथा विद्युत विभाग रूट चार्ट के अनुसार कार्य योजना तैयार कर लाइनमैन की उपलब्धता प्रत्येक ताजिया स्थल पर सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी समस्त अधिशासी अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया कि जनपद में पारंपरिक आयोजन के कार्यक्रम स्थलों एवं उसके क्रियान्वयन हेतु तैयार किए गए रूट चार्ट पर कहीं भी जल भराव की स्थिति उत्पन्न ना रहे तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई, पेयजल व अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। डीएम ने संबंधित सभी अधिकारियों को अपने.अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने को कहा। उन्होंने अधिशाषी अभियंता विद्युत को निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया।

राहुल गांधी की फोटो जलाने की कोशिश का कांग्रेसियों ने किया विरोध

फर्रूखाबाद। देश की संसद में विगत दिनों नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा के नकली हिन्दुत्व का पर्दाफाश किया गया था। उन्होंने भ्रष्टाचार सहित नीट परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक का मामला उठाकर भाजपा का झूठा चेहरा देश की जनता के सामने उजागर किया। अपने झूठ का खुलासा देखकर भाजपाई इतने तिलमिला गए कि उन्होंने हमारे नेता की फोटो को पुलिस और प्रशासन के संरक्षण में जलाने की नाकाम कोशिश की। लोगों ने वाराणसी जनपद में प्रदेश अध्यक्ष के पुस्तैनी घर के सामने जहाँ उनके परिवार के लोग रहते हैं। पुलिस के संरक्षण में जाकर राहुल गांधी की फोटो को जलाने की कोशिश की। यह घटना देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं के खिलाफ है। पुलिस प्रशासन द्वारा सत्ता पक्ष के लोगों को संरक्षण में रखकर विपक्ष के नेता की फोटो जलाने की यह घटना अत्यंत निंदनीय एवं स्वच्छ राजनीति के विपरीत है।इस घटना के विरोध में कांग्रेसजनों ने जिलाधशहर कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वाधान में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सनी कनौजिया को दिया और जिला शहर कांग्रेस ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी अराजक गतिविधियां न की जाएं। ज्ञापन देने वालों में शहर अध्यक्ष पुन्नी शुक्ला, वीरेंद्र मिश्रा, राजीव, शादाब हुसैन, डॉ. अरुण समेत तमाम कांग्रेसीजन शामिल रहे।

पुलिस ने जेवरात व नगदी सहित पॉच को दबोचा

- पुलिस अधीक्षक नें किया चोरी की घटना का खुलासा

संवाददाता। कन्नौज

चोरी की घटना का खुलासा करते एसपी व सीओ।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक डा. संसार सिंह के पर्यवेक्षण में अदम क्षेत्राधिकारी तिर्वा डा. प्रियंका बाजपेई के मार्गदर्शन में व कोतवाली प्रभारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में तिर्वा पुलिस द्वारा 24 घण्टे में थाना क्षेत्र के अन्तर्गत चोरी करने वाले पॉच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफास किया। पुलिस नें चोरों के कब्जे से चोरी के जवरात व नगदी बरामद किये।

गुरूवार को पुलिस कार्यालय पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने थाना तिर्वा में हुई चोरी का खुलासा करते हुये बताया कि रामेन्द्र कुमार जैन पुत्र स्व सुरेन्द्र कुमार जैन निवासी मोहल्ला मण्डी बाजार थाना तिर्वा द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र में बताया कि 03 जुलाई को घर में छत से उतर कर कमरे में रखे डिब्बा का ताला तोड़कर सोनें चॉदी के जेवरात सहित पचीस हजार रुपये चोरी कर लिये। जिसपर कोतवाली तिर्वा पर मुकदमा दर्ज करनें के उपरान्त चोरी के माल की बरामदगी के लिये टीम गठित की गई। गुरूवार को चोरी की घटना को अन्जाम देने वाले दो अभियुक्तों उमाकान्त पुत्र रामप्रसाद व रजनीकान्त पुत्र रामआसरे निवासीगण ककलापुर थाना तिर्वा व दो बाल अपचारी को धोबी धाट पुल से समय 05 बजे व एक स्वर्णकार अनुप पुत्र सच्चिदानन्द निवासी ग्राम अहेर मौरंग मंडी थाना तिर्वा जो चोरी का सामान खरीदता था, को घर से समय करीब 7.25 बजे को गिरफ्तार कर शतप्रतिशत माल सहित 29,500 की नगदी बरामद की गई।

त्योहारों को आपसी सद्भावना एवं सौहार्द के साथ मनाएं

गुरसहायगंज (कन्नौज)। श्रावण मास की कांबड यात्रा एवं मोहर्रम के त्योहारों से पूर्व कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी निरीक्षक ने मौजूद सर्व धर्म के लोगों से आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाए जाने की अपील करते हुए सुझाव मांगे। स्थानीय कोतवाली परिसर में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में कोतवाली निरीक्षक आलोक कुमार दुबे ने संभ्रांतजनों को संबोधित करते हुए कहा कि कोतवाली क्षेत्र में गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए एक दूसरे के त्योहारों का सम्मान करें। अराजकता एवं नफरत फैलाने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बगैर परमीशन कोई भी धार्मिक कार्य करनें पर कार्रवाई की जायेगी। समधन चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह, सरायप्रयाग चौकी प्रभारी राहुल पाल सहित राम मंदिर के महंत पं. राकेश चन्द्र दुबे, शहर काजी हाफिज जुम्मन, विहिप नेता नीरज मिश्रा, सभासद प्रतिनिधि शहंशाह, सुगम दुबे, व्यापारी नेता परवेज अहमद उर्फ चन्दन आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

सड़क हादसे में घायल की मौत

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के करमेपुर मोड पर खड़े युवक को टाटा मैजिक ने टक्कर मार दिया था। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया तो परिजन उसको इलाज के लिए कानपुर लेकर गए। कानपुर से लौटने के बाद बीती रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टपार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के धाना गॉव निवासी स्व. शिवपाल का 50 वर्षीय पुत्र राम विशाल 21 अक्टूबर 2023 को करमेपुर मोड पर किसी काम से खड़ा था। तभी रोड से निकली टाटा मैजिक गाड़ी की टककर से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था मे परिजन उसको इलाज के लिए कानपुर लेकर गए जहॉ उसका इलाज चल रहा था। 5 दिन पूर्व परिजन कानपुर से उसको घर लेकर आ गए। बीती रात उसकी मौत हो गई तो मौत की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

संदिग्ध अवस्था में विवाहिता ने लगाई फांसी, हत्या का आरोप

फतेहपुर। खखरेरू थाना क्षेत्र के चंदनमऊ गांव में संदिग्ध अवस्था में नवविवाहित की फांसी लगाने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच पड़ताल कर रही है। उधर मृतक के भाई ने ससुरालीजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। थाना क्षेत्र के चंदनमऊ गांव निवासी शंभूसरन की 21 वर्षीय पत्नी अनसुइया देवी की संदिग्ध अवस्था में फांसी लगाने से मौत हो गई। पुलिस मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है। बॉदा के कमासिन थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी भाई सुनील कुमार पुत्र छेदी लाल ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि बहन की शादी दो माह पूर्व 22 अप्रैल 2024 को हुई थी। बहन का ससुर राम दयाल बहन के साथ छेड़छाड़ करता था। और बहनोई दहेज में अपाचे बाइक की मॉग करता था। पुलिस ने ससुर राम दयाल को हिरासत में ले लिया है।

हाई वोल्टेज करंट से चिपक कर किसान की मौत

विजयीपुर/फतेहपुर। क्षेत्र के जिहरवा गांव में गुरुवार सुबह हाई वोल्टेज विद्युत पोल के सपोर्ट वायर में करंट उतरने से एक वृद्ध किसान की सपोर्ट वायर छूने से दर्दनाक मौत हो गई। किशनपुर थाना क्षेत्र के जिहरवा गांव समीप प्राथमिक विद्यालय के पास हाई वोल्टेज लाइन का विद्युत पोल लगा है जिसमें दो सपोर्ट वायर लगे हैं जिसमें लोहे की तार लगी है। बारिश और नमी के चलते सपोर्ट वायर में अचानक करंट आ गया था। जिहरवा निवासी वृद्ध किसान रामनरेश सिंह (60) पुत्र रामकिशन सिंह गुरुवार सुबह इसी विद्युत पोल के पास पेशाब करने गए जहां बैठकर सपोर्ट वायर को पकड़ लिया तभी हाई वोल्टेज करंट लग जाने से मौके पर किसान रामनरेश सिंह की मौत हो गई, पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सर्पदंश से युवक की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के सेवरामऊ गांव में बुधवार की देर शाम युवक को ज़हरीले सांप ने काट लिया। परिजनों को जानकारी हुई तो उसको इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर इलाज कर रहे थे तभी उसकी मौत हो गई। थाना क्षेत्र के सेवरामऊ गाँव निवासी परशुराम का 45 वर्षीय पुत्र गणेश घर पर ही पान मसाले आदि की दुकान किये हुए था। देर शाम दुकान पर उसको ज़हरीले साँप ने काट लिया। परिजनों को जानकारी हुई तो तुरंत घटना की सूचना सरकारी 108 एंबुलेंस को दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर उसका इलाज कर रहे थे तभी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के बड़े भाई रंजीत ने घटना की जानकारी दिया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

फतेहपुर। बकेवर थानां क्षेत्र के दूबेपुर गांव में एक महिला ने संदिग्ध अवस्था में घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर घटना की जांच पड़ताल कर रही है। थाना क्षेत्र के दूबेपुर गांव निवासी लल्लू सविता की 24 वर्षीय पत्नी पूनम देवी ने घर के अंदर सन्दिग्ध अवस्था मे फाँसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज घटना की जांच पड़ताल कर रही है। पीएम हाउस पहुंचे गाजीपुर थाना क्षेत्र के पखरौली गाँव निवासी पिता विजय पाल ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया।

महिला अपराध में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कानपुर देहात। महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थाना देवराहट पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए थाना देवराहट पर मुअसं.24/2024 धारा 376, 354 (क) भादवि बनाम 01 नफर अभियुक्त पंजीकृत किया गया था। मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त संग्राम पुत्र गजराज निवासी इकौना थाना कदौरा जिला जालौन को जल्लापुर मोड थाना क्षेत्र देवराहट कानपुर देहात को गिरफ्तार किया गया।

डाक्टर दंपत्ति के खिलाफ दर्ज मुकदमे में आईएमए ने निष्पक्ष जांच की मांग की

संवाददाता। फर्रूखाबाद

अस्पताल के भीतर युवती के फांसी लगाकर आत्महत्या करनें के मामले में पुलिस ने चिकित्सक दम्पत्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। लिहाजा चिकित्सक दम्पत्ति के पक्ष में आईएमए नें निष्पक्ष जाँच की मांग की है। कोतवाली फतेहगढ़ के नगला दीना निवासी डॉ. एसपी सिंह व उनकी पत्नी डा. अंजली श्रीवास्तव के खिलाफ दलित युवती के आत्महत्या के मामले में पुलिस नें मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। गुरुवार को चिकित्सक दम्पति के पक्ष में इंडियन मेडिकल एसो. के अध्यक्ष डा. एनके शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सक एस पी आलोक प्रियदर्शी से मिले और उनसे डाक्टर दम्पत्ति के मुकदमें में निष्पक्ष जाँच की मांग की। इस दौरान सचिव डा. सतीश कुमार, डॉ. विशाल अग्रवाल, डॉ. उदयराज सिंह, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव आदि रहे।

नीति आयोग के संपूर्णता अभियान का सीडीओ ने किया शुभारंभ

लखीमपुर खीरी। विकास की दौड़ में पीछे रह गए जिले के 2 आकांक्षी ब्लॉक धौरहरा और बाकेगंज को बराबरी पर लाने के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना चल रही है। बांकेगंज ब्लॉक सभागार में भारत सरकार के नीति आयोग के तहत संपूर्णता अभियान की शुरुआत हुई। सीडीओ ने नीति आयोग की एडिशनल डायरेक्टर सौम्या गौतम संग दीप जलाकर 04 जुलाई से 30 सितंबर तक चलने वाले संपूर्णता अभियान की शुरुआत की। सीडीओ ने कहा कि नीति आयोग के आज से शुरू किए गए संपूर्णता अभियान के तहत विभिन्न विभागों के छह इंडिकेटर पर अफसर विशेष रूप से फोकस करते हुए बेहतर परफॉर्मेंस दिखाएं। अफसरों कर्मचारियो को निर्देश दिया कि अपने विभाग से संबंधित कार्यों को एक मास्टर प्लान बनाते हुए समुचित रूप से ससमय कार्य निष्पादन किया जाए। राज्य एवं केन्द्र स्तर पर दोनो आकांक्षी ब्लॉक का प्रदर्शन बेहतर हो सके। नीति आयोग के मार्गदर्शिका के तहत ऐसे ब्लॉक जिनका प्रदर्शन बेहतर होता है उन्हें केंद्र सरकार के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। विभाग एक साथ मिलकर टीम भावना से काम करे। लक्ष्य को 03 माह से पहले ही पूर्ण कर लेंगे, ऐसा उन्हें विश्वास है। नीति आयोग की सौम्या ने संपूर्णता अभियान की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताइ। निर्देश दिए गए उनका पूर्णतया अनुपालन करते हुए सभी इंडिकेटर में बेहतर परफॉर्मेंस दिखाएं। प्रसवपूर्व देखभाल के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले मधुमेह की जांच कराने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत, ब्लॉक में लक्षित जनसंख्या के मुकाबले उच्च रक्तचाप के लिए जांचे गए व्यक्तियों का प्रतिशत, पूरक पोषण लेने वाली गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, मृदा नमूना संग्रहण लक्ष्य के मुकाबले सृजित मृदा स्वास्थ्य कार्डों का प्रतिशत, समूहों के मुकाबले रिवाल्विंग फंड प्राप्त करने वाले समूहों का प्रतिशत पर ध्यान केंद्रित करेगा।

कांवड़ यात्रा व ताजिया जुलूस वाले मार्गों का निरीक्षण करें अधिकारीः जिलाधिकारी

- ढीले विद्युत तारों को टाइट कराकर मार्गों के भरे जाएं गड्ढे

जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक में भाग लेतीं डीएम व साथ में एसपी।

फतेहपुर। आगामी त्योहारों कांवड़ यात्रा, मोहर्रम को लेकर आयोजित जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक में डीएम सी. इन्दुमती ने कहा कि पर्वों को आपसी भाईचारे व सौहार्द के वातावरण में मनाया जाए। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे पुलिस को कार्रवाई करने के लिए विवश होना पड़े। कांवड़ यात्रा व ताजिया जुलूस वाले मार्गों का निरीक्षण किया जाए। मार्गों में ढीले पड़े विद्युत तारों को टाइट कराकर मार्गों के गड्ढे भरे जाएं।

कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी सी. इन्दुमती व पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुई। दोनों अधिकारियों ने आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपस में मिलजुलकर त्योहारों को मनाए। डीएम ने कहा कि पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया जाए। पवित्र सावन मास में पड़ने वाले सोमवार को गंगा स्नान के लिए सुरक्षा के दृष्टिगत सभी तैयारियां दुरुस्त कर ली जायें। साथ ही घाटों में खतरे के निशान के बोर्ड, बैरीकेटिंग, रस्से लगाए जाएं। मजिस्ट्रियल ड्यूटी, जल पुलिस, गोताखोर आदि की भी व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। एडीएम (वित्त/राजस्व) से कहा कि कंट्रोल रूम स्थापित कराया जाए ताकि सूचनाओं का आदान प्रदान हो सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जिला पंचायत राज अधिकारी एवं शहरी क्षेत्रों में अधिशाषी अधिकारी नाले, नालियों की साफसफाई व मार्गों में जलभराव की स्थिति न होने पाए और निरंतर निगरानी करते रहे। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत मार्गों में स्ट्रीट लाईट जहां खराब है सही करा दें। ताकि प्रकाश व्यवस्था ठीक रहे। उन्होंने ताजिया के अयोजकों से कहा कि ताजिया की ऊंचाई निर्धारित मानक के अनुसार ही बनवाई जाए।

हाथरस कांड में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

- कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं सपा के पूर्व ब्लाक प्रमुख ने कैंडल जलाकर रखा दो मिनट का मौन

कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि देते कांग्रेसी नेता विजय मिश्रा एवं सपा नेता नवाब सिंह यादव।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। हाथरस कांड में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों ने कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी है। गुरुवार को सपा के पूर्व सदर ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित शोक सभा में उन्होंने कहा कि हाथरस कांड में हुई हृदय विदारक घटना से पूरा देश दुखी है। प्रदेश सरकार की लापरवाह नीतियों के कारण यह घटना हुई है। हाथरस का पुलिस प्रशासन यदि सतर्क होता तो यह घटना नहीं घटती।

इस दौरान रामसेवक बाथम, अब्दुल सत्तार कुरैशी, विकास गुप्ता, गुड्डू दीक्षित, रामनिवास सविता, विपिन यादव, राजेश गुप्ता, कुलदीप वर्मा, शकील अहमद, सरफुद्दीन दादा, मनी गुप्ता, मोहित पाठक, अरुण शर्मा, मकबूल अहमद, संजीव मिश्रा, सागर सेजवार, अनुज राजपूत, नासिर सिद्दीकी, नवाब गुप्ता, संजेश यादव, पुष्पेंद्र यादव, रामनिवास यादव, रासकेंद्र यादव, सुमित पाठक, ऋतिक पाठक आदि मौजूद रहे। उधर गोमती देवी आदर्श इंटर कॉलेज में वरिष्ठ कांग्रेसी ओमकार नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में प्रदेश सचिव विजय मिश्र ने हाथरस कांड पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हाथरस कांड में मारे गए लोगों को प्रदेश एवं केंद्र सरकार 50-50 लाख का मुआवजा दे एवं प्रत्येक परिवार के कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। इससे पूर्व उन्होंने कैंण्डिल जलाकर एवं दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी।

परिषदीय विद्यालयों के लिए डीएम ने अफसरों को जारी किए दिशा निर्देश

- सोमवार- गुरूवार को बेसिक स्कूलों में होगा रिवीजन डे, पढ़ाये अध्याय का पुर्नआंकलन
- बाढ़ से नौनिहालो की प्रभावित न हो शिक्षा, बीएसए उठाए जरूरी कदम, डीएम ने जारी किए निर्देश
- टाइम टेबल में शामिल करें व्यायाम खेलकूद
- निपुण भारत मिशनः परिषदीय स्कूलों को बनाए निपुण, सप्ताह में 02 दिन अवश्य करें स्पॉट एसेसमेन्टः डीएम
- न्यून अधिगम स्तर वाले छात्रों को उपचारात्मक शिक्षण प्रदान कर बनाए दक्ष

लखीमपुर खीरी। जिले के परिषदीय विद्यालयों में पाठन की गुणवत्ताए स्कूल की साफसफाईए शिक्षकों व छात्र.छात्राओं की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से गुरुवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अफसरों को जरूरी दिशा निर्देश जारी किए है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने डीपीआरओ को निर्देश जारी करते हुए कहा कि जिले में कार्यरत सफाई कर्मियों को निर्देशित करें कि ग्राम पंचायतों संचालित परिषदीय विद्यालयों में अवस्थित शौचालयों का सप्ताह में कम से कम 02 बार (सोमवार एवं गुरूवार) सफाई कराना सुनिश्चित करें। विद्यालय में अवस्थित शौचालयों में हैण्डवाश युनिट व शौचालय में भी पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायें। विद्यालयों में पीने के पानी की शत.प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित करें। यदि किसी विद्यालय में जल भराव है तो विद्यालय में यथासम्भव छात्रों को सुगमगता से कक्षा.कक्ष तक पहुचने के लिए किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो इस हेतु मिट्टी पटान ध् इण्टरलाकिगं के माध्यम से मार्ग बनाना सुनिश्चित करें। विद्यालय में यदि जल भराव है तो छात्रों को कीड़े.मकोड़ों से बचाव की समुचित व्यवस्था करायें। मिशन कायाकल्प के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों में अवशेष पैरामीटर के कार्यो को शत.प्रतिशत पूर्ण करायें।

सोमवार.गुरूवार को बेसिक स्कूलों में होगा रिवीजन डे पढाये अध्याय का पुर्नआंकलन

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने निर्देशित किया कि सभी बीईओ अपने अधीनस्थ संचालित परिषदीय (प्राथमिक/उच्च प्राथमिक) विद्यालयों में तैनात शिक्षक शिक्षिकाओं को निर्देशित करें कि सप्ताह में 02 दिवस (सोमवार एवं गुरूवार) को पिछले कार्य दिवसों में पढ़ाये गये अध्यायों का पुर्नआंकलन (रिवीजन) करायें। यथा सोमवारए मंगलवार व बुधवार को पढाये गये अध्याय का पुर्नआंकलन (रिवीजन) गुरूवार को करायें एवं गुरूवार, शुक्रवार एवं शनिवार पढ़ाये अध्यायों का पुर्नआंकलन सोमवार (रिवीजन) करायें।

टाइम टेबल में शामिल करें व्यायाम खेलकूद

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने निर्देश दिए कि परिषदीय (प्राथमिक/उच्च प्राथमिक) विद्यालयों की समय सारिणी में प्रार्थना के पश्चात प्रथम 30 मिनट समस्त छात्रों के व्यायाम खेल.कूद के लिये अवश्य रखा जाये। निर्धारित पंजिकाओं का शत.प्रतिशत डिजिटाईजेशन किया जायें। ऐसे विद्यालय जो बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में अवस्थित है उन विद्यालयों के छात्रों हेतु शिक्षण कार्य के लिए नजदीकी विद्यालयों में बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेए जिससे उन छात्रों की शिक्षा प्रभावित न हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि कोई भी छात्र.छात्रा ऐसे विद्यालय भवन में न बैठे जो जर्जर अवस्था में हो या टपकता होए उन्हे सुरक्षित स्थान पर बैठाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि जो विद्यालय पूर्ण रूप से बाढ़ग्रस्त है वहां के छात्र.छात्राओं को राहत शिविरों में शिक्षण की व्यवस्था व उनके पठन.पाठन हेतु पाठ्य पुस्तकेंए कार्य पुस्तिकाओं एवं मिड.डे.मील की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करें।

परिषदीय स्कूलों को बनाए निपुण, सप्ताह में दो दिन अवश्य करें स्पॉट एसेसमेन्टः डीएम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने निर्देशित किया कि निपुण भारत मिशन के तहत निपुण विद्यालय बनाये जाने के लिए वार्षिक कार्ययोजना 2024-25 के क्रम माह अक्टूबर 2024 तक लक्ष्य के सापेक्ष समयान्तर्गत निपुण विद्यालय बनाया जाना सुनिश्चित करें। इस हेतु स्पॉट एसेसमेन्ट नियमित रूप से सप्ताह में 02 दिन अवश्य करें, अपेक्षाकृत न्यून अधिगम स्तर वाले छात्रों को उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करें। समस्त शिक्षक/शिक्षिकाएं शिक्षक सन्दर्शिका के अनुरूप ही शिक्षण कार्य करें, जिससे छात्रों को निपुण बनाने में सहजता और शीघ्रता हो।

माझी ने ओडिया भाषा, अस्मिता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया

भाषा। भुवनेश्वर

भुवनेश्वर में उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी एपीएसईजेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करन अडानी मुलाकात करते हुए।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को राज्य सचिवालय लोक सेवा भवन की तीसरी मंजिल पर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से काम करना शुरू कर दिया। गत 12 जून को शपथ लेने के बाद से वह राज्य अतिथि गृह में स्थित एक अस्थाई कार्यालय से काम कर रहे थे क्योंकि उनके कार्यालय का नवीनीकरण हो रहा था। माझी ने आज सुबह लोक सेवा भवन में प्रवेश करने से पहले झुककर प्रणाम किया और फिर पुजारियों के श्लोकोच्चारण के बीच अपने कार्यालय कक्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव और प्रभाती परिदा सहित कई अन्य मंत्री उपस्थित थे।

माझी ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, भौतिक विकास के अलावा, सांस्कृतिक विकास पर जोर दिया जाएगा। ओडिया अस्मिता के प्रचार और संरक्षण को भी महत्व दिया जाएगा। माझी ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं कि उनके सामने रखी जाने वाली सभी फाइल ओडिया भाषा में हों। सभी सरकारी काम ओडिया भाषा में किए जाएंगे और जरूरत पड़ी तो ओडिशा राजभाषा अधिनियम में संशोधन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि ओडिया भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए भाषा आयोग का गठन किया जाएगा। ओडिशा साहित्य अकादमी, ओडिशा संगीत नाटक अकादमी और ललित कला अकादमी का पुनर्गठन किया जाएगा तथा उनकी कार्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। माझी ने कहा, ओडिसी अनुसंधान केंद्र को प्रभावी बनाया जाएगा और ओडिया अस्मिता पर गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। पुस्तकालय आंदोलन का विस्तार करके लोगों में पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओडिया भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के लिए एक अनुवाद अकादमी की स्थापना किए जाने के साथ ही ओडिया भाषा के विकास के वास्ते प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए एक तंत्र स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिशा भाषा भवन और ओडिया अस्मिता भवन भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्एक जिले की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा के सभी जिलों में संस्कृति भवन स्थापित किए जाएंगे। माझी ने कहा कि राज्य सरकार ओडिशा के विभिन्न धरोहर स्थलों के विकास को महत्व देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा सभी कार्य जनता के सहयोग और सुझाव से किए जाएंगे।

आईआईएस अधिकारी डी के ओझा सरकार के नए प्रधान प्रवक्ता

नई दिल्ली। भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के वरिष्ठ अधिकारी धीरेन्द्र के. ओझा को बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार का प्रधान प्रवक्ता नियुक्त किया गया। 1990 बैच के अधिकारी ओझा, पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक का कार्यभार भी संभालेंगे। ओझा, शेफाली बी शरण की जगह लेंगे। शेफाली को प्रकाशन प्रभाग का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। 1990 बैच के आईआईएस अधिकारी शरण को इस साल एक अप्रैल को पीआईबी के प्रधान महानिदेशक का कार्यभार सौंपा गया था। ओझा केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे। पीआईबी के महानिदेशक वाईके बावेजा सीबीसी में ओझा की जगह लेंगे। सीबीसी, सभी केंद्रीय सरकारी संगठनों के विज्ञापन की देखरेख करता है और मीडिया रणनीति पर सरकार के लिए एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करता है।

अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन करने वालों की संख्या 1.30 लाख हुई

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर में अमरनाथ गुफा मंदिर में भगवान शिव के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या बृहस्पतिवार को बढ़कर 1.30 लाख से अधिक हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया, बृहस्पतिवार को वार्षिक यात्रा के छठे दिन लगभग 25 हजार तीर्थयात्रियों ने यात्रा की और बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या अब 1,30,260 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को 16,667 पुरुष, 5,367 महिला तीर्थयात्रियों, 520 साधु व दो साध्वियों, दो हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों, सात समलैंगिकों और 354 बच्चों ने मंदिर के दर्शन किए।

इस साल यात्रा के दौरान हरियाणा के एक सेवादार और झारखंड के एक तीर्थयात्री समेत दो लोगों की मौत हुई है। दोनों की मौत जून में बालटाल मार्ग पर दिल का दौरा पड़ने से हुई। 52 दिवसीय यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी। पिछले वर्ष 4.5 लाख से अधिक यात्रियों ने तीर्थयात्रा की थी।

पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के लिए बालटाल में वेस्ट टू वंडर पहल शुरू की गई

बालटाल (जम्मू-कश्मीर)। अमरनाथ गुफा मंदिर की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के बीच एकल उपयोग वाले प्लास्टिक और पुनर्चक्रण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अधिकारियों ने बालटाल में वेस्ट टू वंडर प्रदर्शनी शुरू की है। बालटाल दक्षिण कश्मीर हिमालय में गुफा मंदिर की यात्रा के दो मुख्य शिविरों में से एक है। 52 दिवसीय अमरनाथ तीर्थयात्रा 29 जून को शुरू हुई जो 19 अगस्त को समाप्त होगी। भगवान गणेश और भगवान हनुमान वेस्ट टू वंडर अभियान के शुभंकर हैं। प्रदर्शनी में पुनर्चक्रित सामग्री से बने उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। पुनर्चक्रित कागज के बैग और कांच की बोतलें, खाद्य पदार्थ पैक करने के लिए इस्तेमाल की जानी वाली सामग्री से बने फर्नीचर, जूट के बैग और मंदिर में चढ़ाए गए फूलों से बनी वस्तुएं प्रदर्शनी में रखी गई हैं। जम्मू-कश्मीर ग्रामीण स्वच्छता निदेशालय तथा ग्रामीण विभाग और पंचायती राज विभाग भी स्वच्छ तीर्थयात्रा के लिए कचरा निपटान संबंधी व्यापक कार्यक्रम चला रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि प्लास्टिक बैग के उपयोग को रोकने के लिए प्रदर्शनी में एक काउंटर पर तीर्थयात्रियों को मुफ्त सूती बैग बांटे गए।

अहोम मोईदाम को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने की सिफारिश

गुवाहाटी। असम के चराईदेव जिले में अहोम साम्राज्य के शाही परिवारों के लिए बनी कब्रगाह मोईदाम को यूनेस्को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई है। यूनेस्को के स्मारकों और स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय परिषद (आईसीओएमओएस) ने यह अनुशंसा की है। नई दिल्ली में 21-31 जुलाई को होने वाले विश्व विरासत समिति के 46वें सामान्य सत्र के लिए सांस्कृतिक और मिश्रित संपत्तियों के नामांकन का मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट की प्रति पीटीआई-भाषा के पास उपलब्ध है। दुनियाभर से मिले कुल 36 नामांकनों का मूल्यांकन किया गया। भारत की ओर से अहोम मोईदाम का आवेदन इकलौता है।

इसमें कहा गया है, आईसीओएमओएस अहोम साम्राज्य की टीला-दफन प्रणाली को मानदंड (तृतीय) और (चतुर्थ) के आधार पर विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने की सिफारिश करता है। इस सिफारिश के साथ ही मोईदाम संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व विरासत सूची में औपचारिक रूप से शामिल होने से महज एक कदम पीछे है। फ्रांस स्थित आईसीओएमओएस सांस्कृतिक विरासत के लिए यूनेस्को की एक परामर्शदात्री संस्था है। यह एक अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है जिसमें पेशेवर, विशेषज्ञ, स्थानीय प्राधिकारियों के प्रतिनिधि, कंपनियां और विरासत संगठन शामिल हैं तथा यह दुनियाभर में वास्तुकला और परिदृश्य विरासत के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए समर्पित है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 90 मोईदाम ऊंची भूमि पर स्थित चराईदेव कब्रिस्तान के भीतर पाए गए हैं। इसे ईंट, पत्थर या पृथ्वी पर एक टीला बनाकर निर्मित किया जाता था और इसके शीर्ष पर एक अष्टकोणीय दीवार के मध्य में एक मंदिर होता है। चराईदेव में स्थित मोईदाम अहोम राजा और रानियों की कब्रें है। इनकी तुलना मिस्र के पिरामिडों से की जाती है। आईसीओएमओएस मानता है कि नामित संपत्ति चराईदेव में ताई-अहोम की 600 वर्ष की परंपराओं को दर्शाती है। आईसीओएमओएस का मानना है कि नामांकित संपत्ति ताई-अहोम कब्रिस्तान का एक असाधारण उदाहरण है जो उनकी अंतएष्टि परंपराओं और उससे जुड़े ब्रह्मांड विज्ञान का मूर्त रूप में प्रतिनिधित्व करता है।

परिवार से मिल सकेंगे अमृतपाल सिंह दिल्ली से बाहर जाने की अनुमति नहीं : पैरोल आदेश

भाषा। चंडीगढ़/अमृतसर

जेल में बंद कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पैरोल पर दिल्ली लाया जा रहा है। उन्हें अपने परिवार से मिलने की अनुमति होगी, लेकिन उन्हें नई दिल्ली के न्यायिक क्षेत्राधिकार से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पंजाब के अमृतसर के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी पैरोल आदेश में निर्धारित शर्तों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में रहने के दौरान न तो सिंह और न ही उनके रिश्तेदार या परिवार के सदस्य मीडिया के किसी भी रूप में बयान दे सकते हैं। उन्हें पिछले साल 23 अप्रैल को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया था।

असम के डिब्रूगढ़ जिले की जेल में रहते हुए हाल के संसदीय चुनावों में पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट जीतने वाले खालिस्तान समर्थक सिंह शुक्रवार को शपथ लेने वाले हैं। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि 31 वर्षीय सिंह को शपथ ग्रहण के लिए असम से दिल्ली लाया जाएगा और उनकी चार दिन की पैरोल अवधि पांच जुलाई से शुरू होगी। पैरोल आदेश में 10 शर्तों का उल्लेख किया गया है, जिसमें कहा गया है कि अस्थाई रिहाई की अवधि में डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल से नई दिल्ली तक जाने और वापस आने में लगने वाला समय शामिल होगा। इसमें कहा गया है कि वह अस्थाई रिहाई की अवधि के दौरान वह नई दिल्ली क्षेत्र के अलावा किसी अन्य न्यायिक क्षेत्राधिकार में प्रवेश नहीं करेंगे।

अमृतपाल सिंह या उनके किसी भी रिश्तेदार को अमृतपाल के किसी भी बयान की वीडियोग्राफी करने औराया किसी भी इलेक्ट्रॉनिक रूप में ऐसे किसी भी बयान को प्रसारित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया है कि वह ऐसा कोई कार्य करने या ऐसा कोई बयान देने से परहेज करेंगे जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक हो। आदेश में कहा गया है, पंजाब बंदी (हिरासत की स्थिति) आदेश, 1981 की धारा 2 (सी) के तहत परिभाषित अमृतपाल के रिश्तेदारों को उस अवधि के दौरान उससे मिलने की अनुमति दी जाएगी, जब तक वह नई दिल्ली में रहेगा। सिंह के लिए सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के संबंध में आदेश में कहा गया है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), अमृतसर (ग्रामीण) द्वारा जितनी उचित समझी जाएगी उनके साथ उतनी संख्या में पुलिस कर्मी रहेंगे। ये कर्मी जेल से उसकी अस्थाई रिहाई की तारीख और समय से लेकर उसके हिरासत की अवधि जारी रखने के लिए वापस जेल लौटने तक उसके साथ रहेंगे।

आदेश में कहा गया कि उस समयावधि के दौरान, जब सिंह संसद भवन परिसर में उपस्थित होंगे, उनके साथ उतनी संख्या में पुलिस कर्मी या अन्य सुरक्षा कर्मी रहेंगे, जितनी लोकसभा के महासचिव द्वारा अनुमति दी गई हो। इसमें कहा गया है कि जिस अवधि के दौरान सिंह के संसद परिसर में रहने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें नई दिल्ली में ऐसे स्थान पर रखा जाएगा, जिसे एसएसपी, अमृतसर (ग्रामीण) विभिन्न सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त समझें। अमृतसर में अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत नौ सहयोगियों के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल को चार दिन की पैरोल दी गई है ताकि वह लोकसभा सदस्य की शपथ ले सकें।

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा ने इस्तीफा दिया

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने राज्य में लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। मीणा ने बृहस्पतिवार को यह खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की, लेकिन मुख्यमंत्री ने इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अब उन्हें पार्टी आलाकमान ने शुक्रवार को दिल्ली बुलाया है, और वह इस्तीफे के बारे में बताएंगे तथा उन्हें संतुष्ट करेंगे। मीणा ने यह भी कहा कि उनकी संगठन या मुख्यमंत्री से कोई नाराजगी नहीं है और उन्होंने अपनी उस सार्वजनिक घोषणा के कारण इस्तीफा दिया है कि अगर पार्टी उनके अधीन वाली लोकसभा सीटें हारती है तो वे इस्तीफा दे देंगे। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान मीणा (72) ने कहा था कि अगर भाजपा उनके अधीन सात संसदीय सीटों में से किसी एक को भी हारती है तो वे मंत्री पद छोड़ देंगे। मीणा ने मीडिया से कहा, मैं पार्टी को जिता नहीं सका। चुनाव के दौरान मैंने घोषणा कर दी थी। उस घोषणा को मैंने पूरा किया है। मुख्यमंत्री जी की जानकारी में 20 दिन पहले दे दिया था। आज मैंने घोषणा कर दी। पार्टी आलाकमान ने कल मुझे दिल्ली बुलाया है। मैं जाऊंगा और उनको संतुष्ट करूंगा कि मैं नाकामयाब रहा। पार्टी को जिता नहीं सका। मैंने वचन दिया था कि अगर पार्टी नहीं जीती तो मैं मंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। तो मेरी नैतिक जिम्मेदारी बनती थी कि जब मेरी पार्टी नहीं जीती तो मैं वहां से इस्तीफा दे दूं।

मीणा ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री जी से मिलकर भी आग्रह किया लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने मेरे इस्तीफे को पूरी तरह से ठुकरा दिया लेकिन चूंकि मैंने वादा किया था मैंने घोषणा की थी जनता में मेरी साख बनी रहे इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया। सरकार में मनमाफिक पद नहीं मिलने पर पार्टी संगठन से नाराजगी की अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, नाराजगी होती तो मैं शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही इस्तीफा दे देता। न तो मुझे मुख्यमंत्री से और न ही संगठन से कोई शिकायत है। न कोई अपेक्षा है। न कोई पद लोलुपता है। पद के कारण इस्तीफा नहीं दिया। मीणा ने कहा, मैं ईमानदारी से कह रहा हूं कि मैं मेरी पार्टी को नहीं जिता सका मेरी विफलता है। अपने बयान पर अडिग रहते हुए मैने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि वह सारी सरकारी सुविधाएं तो डेढ़ महीने पहले छोड़ चुके हैं। मीणा ने लोकसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के बाद कहा था कि अगर भाजपा उनके अधीन सात सीट में से कोई भी सीट हारती है तो वह मंत्री पद छोड़ देंगे। कृषि, ग्रामीण विकास, आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्री मीणा ने कहा, प्रधानमंत्री के दौसा आने से पहले मैंने कहा था कि अगर सीट (दौसा) नहीं जीती तो मैं मंत्री पद छोड़ दूंगा। बाद में प्रधानमंत्री ने मुझसे अलग से बात की और मुझे सात सीट की सूची दी। मैंने 11 सीट पर कड़ी मेहनत की है। उन्होंने यह भी कहा था, अगर पार्टी सात में से एक भी सीट हारती है तो मैं मंत्री पद छोड़ दूंगा और यहां पानी पिलाऊंगा। मीणा ने दौसा, भरतपुर, करौली-धौलपुर, अलवर, टोंक-सवाई माधोपुर और कोटा-बूंदी समेत पूर्वी राजस्थान की सीट पर प्रचार किया था। भाजपा इनमें से भरतपुर, दौसा, टोंक-सवाईमाधोपुर और धौलपुर-करौली सीट कांग्रेस से हार गई।

लोकसभा चुनाव के परिणाम चार जून को आए जिनमें भाजपा मीणा के गृह क्षेत्र दौसा सहित कई सीटें हार गईं। भाजपा राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 14 पर ही जीत सकी जबकि 2019 के चुनाव में 24 सीटों पर जीती थी। इससे पहले मीणा ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर श्री रामचरितमानस की पंक्तियां लिखी, रघुकुल रीत सदा चली आई। प्राण जाए पर वचन न जाई। ऐसा माना जाता है कि पिछले साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मीणा मुख्यमंत्री पद की दौड़ में थे, लेकिन पार्टी हाईकमान ने पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा को राज्य का नेतृत्व करने के लिए चुना। पांच बार के विधायक और पूर्व राज्यसभा सदस्य मीणा दौसा और सवाई माधोपुर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं।

राज्यों की क्षतिपूर्ति के लिए केन्द्र ने जीएसटी राजस्व का बड़ा हिस्सा छोड़ाः पूर्व सीईए

नई दिल्ली। केंद्र ने नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लागू होने के बाद हर साल राज्यों को दी जाने वाली 14 प्रतिशत क्षतिपूर्ति की गारंटी के लिए जीएसटी राजस्व का एक बड़ा हिस्सा छोड़ा है। यह सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत तक है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अरविंद सुब्रमण्यम ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। जीएसटी व्यवस्था के क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से शामिल रहे सुब्रमण्यम ने यह भी कहा कि इस समय पेट्रोल और शराब को जीएसटी के तहत लाना उचित नहीं होगा। जीएसटी एक जुलाई, 2017 को अमल में आया। इसमें 17 करों और 13 उपकरों को समाहित किया गया। इससे कुल मिलाकर कर व्यवस्था सरल हुई। सेंटर फॉर सोशल एंड इकनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुब्रमण्यम ने कहा कि जीएसटी सहकारी संघवाद और राजकोषीय केंद्रीकरण के विपरीत एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

असम में बाढ़ से बिगड़े हालात, 29 जिलों में 16.50 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से लगातार हालात बिगड़ते जा रहे हैं और बृहस्पतिवार को राज्य की प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। बुलेटिन में बताया गया कि बाढ़ के कारण राज्य के 29 जिलों में 16.50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। ब्रह्मपुत्र, दिगारू और कोलोंग नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, कामरूप (मेट्रो) जिले में अलर्ट जारी किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को गुवाहाटी के मालीगांव, पांडु पोर्ट और मंदिर घाट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे।

शर्मा ने बुधवार देर रात सभी जिला आयुक्तों के साथ बाढ़ की स्थिति पर एक बैठक की अध्यक्षता की। संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे 15 अगस्त से पहले सभी पुनर्वास दावों को मानदंडों के अनुसार पूरा करें और मुख्यालय को सटीक जानकारी प्रदान करें ताकि लोगों को पर्याप्त राहत दी जा सके। असम सरकार के कैबिनेट मंत्री भी बृहस्पतिवार से अगले तीन दिनों तक बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। असम में इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गई है तथा तीन अन्य लोग लापता हैं।

बाढ़ के कारण बारपेटा, विश्वनाथ, कछार, चराईदेव, चिरांग, दारांग, धेमाजी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, जोरहाट, कामरूप मेट्रोपोलिटन, कार्बी आंगलोंग, करीमगंज, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, शिवसागर, सोनितपुर जिले प्रभावित हैं। असम में जारी बाढ़ के संकट के कारण धुबरी में सबसे ज़्यादा 2.23 लाख प्रभावित हैं, इसके बाद दरांग में लगभग 1.84 लाख लोग और लखीमपुर में 1.66 लाख से ज़्यादा लोग बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं।

भोले बाबा मैनपुरी के आश्रम में मौजूद नहीं : पुलिस

भाषा। मैनपुरी (उप्र)

हाथरस भगदड़ मामले में उपदेशक हरिनारायण साकार उर्फ भोले बाबा की भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों के बीच पुलिस ने बाबा के मैनपुरी स्थित आश्रम में उसके मौजूद नहीं होने का दावा किया है। सूत्रों के मुताबिक, मैनपुरी के बिछवां कस्बे में स्थित भोले बाबा के आश्रम में बुधवार रात पुलिस दाखिल हुई थी। मगर इस बारे में कोई भी पुलिस अफसर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस और स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसपीजी) के लोग आश्रम परिसर में गए थे लेकिन उनकी ड्यूटी आश्रम के अंदर नहीं बल्कि बाहर थी। उन्होंने कहा, 50-60 सेवादार आश्रम के अंदर मौजूद हैं। इनमें महिला और पुरुष दोनों हैं।

इस सवाल पर कि क्या बाबा अपने आश्रम में मौजूद हैं, सिंह ने कहा, वह ना कल थे, ना आज हैं। मैनपुरी में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक राहुल मिठास ने भी संवाददाताओं से कहा कि उन्हें बाबा अपने आश्रम में नहीं दिखाई दिए। इस सवाल पर कि वह आश्रम क्यों गए थे, उन्होंने कहा, मैं यहां तफ्तीश करने नहीं बल्कि सुरक्षा की जांच करने आया हूं।

हाथरस में भगदड़ कांड के बाद से बिछवां स्थित विश्व हरि बाबा भोलेनाथ के आश्रम में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। हाथरस जिले के फुलरई गांव में गत मंगलवार को नारायण साकार विश्व हरि के नाम से चर्चित भोले बाबा के कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। सत्संग खत्म होने के बाद बाबा की चरण धूलि लेने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के आगे बढ़ने के दौरान मची भगदड़ में 121 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। घटना में 31 अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस ने इस मामले में मुख्य सेवादार और उसके अन्य सहयोगियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या तथा अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में भोले बाबा की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हाथरस पहुंचकर हादसे में घायल लोगों से अस्पताल में मुलाकात की और घटनास्थल का जायजा भी लिया।

संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि मुकदमे में भोले बाबा को अभियुक्त क्यों नहीं बनाया गया? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, जिन लोगों ने कार्यक्रम के लिए अनुमति का आवेदन दिया था, प्रथम दृष्ट्या पहले मुकदमा उनके खिलाफ होता है। उसके बाद फिर उसका दायरा बढ़ता है। जो भी लोग इसके लिए जिम्मेदार होंगे, वे इसके दायरे में आएंगे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस मामले की न्यायिक जांच के लिए बुधवार को तीन सदस्ईय आयोग गठित किया गया है जो दो महीने में जांच पूरी करके रिपोर्ट देगा। इस आयोग की अध्यक्षता इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव करेंगे। आयोग के दो अन्य सदस्यों में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हेमंत राव और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी भावेश कुमार सिंह शामिल हैं।

पेज 1 का शेष

विश्व चैंपियन..

बाद में बारिश तेज हो गई लेकिन प्रशंसक इसकी परवाह किए बिना अपने लिए सीट पक्की करने की जद्दोजहद में लगे रहे। इस भीड़ में कई जोड़ी जूते छूट गए और चारों तरफ मलबा बिखरा हुआ नजर आ रहा था। बारिश के बावजूद कोई भी प्रशंसक अपनी सीट से नहीं हटा। इस बीच डीजे ने सभी तरह के गानों से मनोरंजन किया और एक बार तो ऐसा लगा कि वानखेड़े में रेन-डांस पार्टी हो रही है। स्टेडियम के स्पीकर से वेंगाबॉयज़ का पार्टी हिट टू ब्राज़ील और देश का अनौपचारिक खेल गान चक दे इंडिया बजने लगा। इसके तुरंत बाद वानखेड़े में सचिन...सचिन और मुंबई चा राजा, रोहित शर्मा और इंडिया...इंडिया के पारंपरिक नारों के साथ माहौल जीवंत हो उठा।

भारतीय बधिर...

शृंखला में जीत सिर्फ मैदान पर जीत नहीं है बल्कि हमारे श्रवण-बाधित खिलाड़ियों की दृढ़ता और कौशल का प्रमाण है। उन्होंने कहा, यह भारत में बधिर क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो खेल के उच्चतम स्तरों पर प्रतिस्पर्धा करने और सफल होने की हमारी क्षमता को प्रदर्शित करता है। हम अपनी टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को सफल होते देखकर रोमांचित हैं और हम बधिर क्रिकेट में उत्कृष्टता की अपनी यात्रा जारी रखने के लिए तत्पर हैं। टीम को सम्मानित करते हुए, केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा, यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है।

लोकसभा...

जैसी मिसाइलें थीं।' टैगोर ने ठाकुर की उस टिप्पणी को भी तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक भी छुट्टी नहीं ली है और पूछा था कि चुनाव प्रचार के लिए किस श्रेणी की छुट्टी ली जाती है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के बाद, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और रिजिजू ने कांग्रेस नेता पर अग्निपथ योजना और अयोध्या में स्थानीय लोगों को दिए गए मुआवजे सहित कई मुद्दों के बारे में 'झूठे' दावे करने का आरोप लगाया। अध्यक्ष के निर्देश 115 के तहत, कोई सदस्य किसी मंत्री या किसी अन्य सदस्य द्वारा दिए गए बयान में किसी गलती या अशुद्धि को इंगित करना चाहता है, तो सदन में मामले का उल्लेख करने से पहले, अध्यक्ष को गलती का विवरण बताते हुए लिख सकता है या अशुद्धि और मुद्दे को उठाने की अनुमति मांगें। सदस्य अध्यक्ष के समक्ष ऐसे साक्ष्य रख सकता है जो उसके पास आरोप के समर्थन में हों। अध्यक्ष तथ्यात्मक स्थिति सुनिश्चित करने के लिए मामले को मंत्री या संबंधित सदस्य के संज्ञान में ला सकता है।

सीबीआई...

नारकोटिक्स सेल, मौरिस नगर में तैनात हेड कांस्टेबल रवींद्र ढाका और परवीन सैनी के खिलाफ कथित आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिश्वत के प्रावधानों से संबंधित बीएनए 61(2) के तहत मामला दर्ज करते हुए एफआईआर दर्ज की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई कोशिंदर को झूठे एनडीपीएस मामले में फंसाया गया है और उसे 23.05.2024 को नारकोटिक्स सेल, मौरिस नगर द्वारा गिरफ्तार किया गया था। कोशिंदर फिलहाल तिहाड़ जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एनआरएक्स दवाएं गलत तरीके से उसके भाई कोशिंदर के पास दिखाई गई हैं। अधिकारी शिकायतकर्ता से एनआरएक्स दवाओं (जो किसी योग्य डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना काउंटर पर नहीं खरीदी जा सकती) की बरामदगी के बाद तिहाड़ जेल में बंद उसके भाई की रिहाई में मदद करने के लिए 10 लाख रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायतकर्ता ने सीबीआई को बताया कि दवाइयां गलत तरीके से उसके भाई कोशिंदर के पास दिखाई गई हैं। ढाका और सैनी ने कथित तौर पर फर्जी बिल तैयार करने के लिए शिकायतकर्ता को एनआरएक्स दवाओं का विवरण प्रदान करने और उसे सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए रिश्वत की मांग की, जिसे बाद में उनके द्वारा वास्तविक के रूप में सत्यापित किया जाएगा और इससे जमानत पर रिहाई में मदद मिलेगी।

नायडू....

संबोधित करने के लिए मेरी प्रधान मंत्री के साथ एक रचनात्मक बैठक हुई। मुझे विश्वास है कि उनके नेतृत्व में, हमारा राज्य राज्यों के बीच एक पावरहाउस के रूप में फिर से उभरेगा। पीएमओ ने सोशल मीडिया के जरिए नायडू और मोदी की मुलाकात की पुष्टि की।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की दो दिवसीय दिल्ली यात्रा में कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठकें शामिल थीं। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की और मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत के बाद सहकारी संघवाद की भावना की प्रशंसा की। नायडू ने राज्य-विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा के लिए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की। 2014 के विभाजन के बाद आंध्र प्रदेश के विकास के लिए केंद्रीय समर्थन हासिल करने के लिए इस यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजधानी में नायडू की व्यस्तताएं एनडीए भागीदार के रूप में टीडीपी के महत्व और त्वरित विकास के लिए राज्य के प्रयास को रेखांकित करती हैं। अपनी पार्टी के रुख के संबंध में, जद (यू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के लिए पार्टी के दबाव से केंद्र में एनडीए सरकार के साथ टकराव हो सकता है। झा ने कहा, संकल्प में यह भी स्पष्ट किया गया है कि हम मदद चाहते हैं, चाहे वह विशेष दर्जा या विशेष पैकेज के रूप में हो। प्रधानमंत्री हमारी चिंताओं के प्रति संवेदनशील हैं। अगले पांच वर्षों में, बिहार विकसित राज्यों में से एक होगा।

हाथरस....

के निर्देश दिए हैं। साथ ही जोन स्तर पर एक स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) का गठन हुआ है जो घटना में शामिल लोगों और संस्था के सेवादार अधिकारियों और पदाधिकारियों की भूमिका की जांच करेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा रेंज स्तर की जितनी भी एसओजी टीम हैं उन्हें हाथरस के पुलिस अधीक्षक की मदद के लिए सम्बद्ध किया गया है। गौरतलब है कि हाथरस जिले के फुलरई गांव में भोले बाबा द्वारा आयोजित सत्संग में मंगलवार को मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी तथा 31 अन्य घायल हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में मंगलवार देर रात सिकंदराराऊ थाने में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य सेवादारों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), 238 (साक्ष्यों को मिटाना) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग गठित किया है। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि भगदड़ में मारे गए सभी 121 लोगों की शिनाख्त हो चुकी है। इनमें हाथरस के 19, आगरा के 18, अलीगढ़ के 17, मथुरा के 11, कासगंज और एटा के 1010 तथा बदायूं के छह लोगों के अलावा अन्य जिलों के लोग शामिल हैं।

आतंकवाद...

को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के प्रयासों को दोगुना करने का संकल्प लिया। चीनी विदेश मंत्री से बातचीत में जयशंकर ने सीमा प्रबंधन के लिए दोनों पक्षों के बीच अतीत में हुए प्रासंगिक द्विपक्षीय समझौतों और प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। एक बयान में, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि जयशंकर और वांग ने द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए पूर्वी लद्दाख में एलएसी के साथ शेष मुद्दों का शीघ्र समाधान खोजने पर विचारों का गहन आदान-प्रदान किया। बैठक में विदेश मंत्री ने भारत के इस दृढ़ दृष्टिकोण की भी पुष्टि की कि दोनों पक्षों के बीच संबंध आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि एससीओ वसुधैव कुटुम्बकम के सदियों पुराने सिद्धांत का पालन करते हुए लोगों को एकजुट करने, सहयोग करने, बढ़ने और समृद्ध होने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है जिसका अर्थ है पूरी दुनिया एक परिवार है। जयशंकर ने बाद में एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की ओर से एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के शिखर सम्मेलन में भारत का वक्तव्य दिया।

तोलोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाई निर्णायक साबित हुई थी

करगिल नायकों ने युद्ध की वर्षगांठ पर कहा

भाषा। नई दिल्ली

सेना में शामिल होने के महज चार महीने बाद ही युवा लेफ्टिनेंट बलवान सिंह ने करगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तानी घुसपैठियों के हमले में भारतीय सेना की घातक पलटन का नेतृत्व किया और वह चार जुलाई 1999 को टाइगर हिल पर कब्जा जमाने वाले बहादुर जवानों में से एक थे। वह अब प्रसिद्ध 18 ग्रेनेडियर्स के कर्नल हैं। दुश्मन से लड़ते वक्त घायल होने के बावजूद मुकाबला जारी रखने वाले सिंह ने याद किया, वहां से फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। यह टाइगर हिल पर कब्जे के बाद की जीत थी। उन्हें उनकी बहादुरी के लिए महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था। 18 ग्रेनेडियर्स की स्थापना 1976 में हुई थी और इसने युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बटालियन को परम वीर चक्र, दो महावीर चक्र, छह वीर चक्र, सात सेना पदक और थल सेनाध्यक्ष से प्रशस्ति पत्र समेत 52 सम्मानों से नवाजा गया। बुधवार को कर्नल सिंह तथा बटालियन के कई अन्य करगिल नायकों ने ऑपरेशन विजय में अपने जांबाजों की वीरता को याद किया। भारतीय सेनाओं द्वारा सफलतापूर्वक पाकिस्तानी बलों को पीछे हटने के लिए मजबूर करने के बाद 26 जुलाई 1999 को युद्ध खत्म होने की घोषणा की गई। ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) खुशाल ठाकुर ने बताया कि तीन जुलाई 1999 की रात को 18 ग्रेनेडियर्स के जवानों ने टाइगर हिल पर कब्जा जमाने के अपने अभियान की शुरुआत की और अगली सुबह तक अपने अभियान में कामयाबी हासिल की। ठाकुर ने तोलोलिंग और टाइगर हिल की अहम लड़ाइयों के दौरान इस बटालियन की कमान संभाली थी। ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) ठाकुर ने पीटीआई-भाषा से कहा, 12-13 जून 1999 को हमने तोलोलिंग जीता और यह इस युद्ध में महत्वपूर्ण विजय थी। इसने हमारे सशस्त्र बलों तथा देशवासियों का मनोबल उंचा किया और पाकिस्तानी सैनिकों का मनोबल गिराया। एक-एक करके हम मुश्को या बटालिक सेक्टर की चोटियों पर कब्जा करते गए और हमारा अगला लक्ष्य टाइगर हिल था। उन्होंने कहा, टाइगर हिल के लिए मेरे पास टोह लेने का पर्याप्त समय था। मेरे पास तोपखाने की बंदूकें, मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर और ऊंचाई पर लड़ने के लिए आवश्यक युद्ध उपकरण थे। तमाम क्षति के बावजूद 18 ग्रेनेडियर्स के हमारे जवानों का मनोबल ऊंचा था और हमारे जांबाज सैनिकों ने टाइगर हिल पर कब्जा जमा लिया, उसकी चोटी पर भारतीय ध्वज फहराया। उस समय बहुत ज्यादा टीवी चैनल नहीं थे लेकिन टाइगर हिल पर विजय का उत्सव मनाते भारतीय जवानों की तस्वीर उनकी बहादुरी का प्रतीक बन गई थी। कर्नल सिंह ने कहा कि तोतोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाइयां निर्णायक थीं। भारतीय सेना 26 जुलाई को करगिल विजय की 25वीं वर्षगांठ मनाएगी। करगिल में इस महीने होने वाले मुख्य समारोह से पहले कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। कर्नल सचिन अन्नाराव निम्बालकर को युद्ध के दौरान उनकी वीरता के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वह युद्ध के दौरान 18 ग्रेनेडियर्स के कैप्टन के तौर पर काम कर रहे थे तथा उस वक्त करीब 23 वर्ष के थे।कर्नल निम्बालकर ने भारतीय सैन्य अकादमी में उनके साथ रहे और टाइगर हिल लड़ाई के नायक कैप्टन मनोज पांडे को उनकी पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, यदि मैं अपनी यूनिट 18 ग्रेनेडियर्स की बात करुं तो हम बहादुर थे। दो अधिकारियों, दो जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ) और अन्य रैंक के 30 अधिकारियों ने इस युद्ध में अपनी जान न्योछावर कर दी और कई अन्य घायल हो गए और कुछ जीवनभर के लिए दिव्यांग हो गए। उन्होंने कहा, हमारे मन में मिली-जुली भावनाएं हैं। उपलब्धि का एहसास तो है लेकिन इसके लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। आज हम सभी के लिए हमारे नायकों के प्रयासों और बलिदान को सामूहिक रूप से नमन करने का दिन है। इस बीच प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने टाइगर हिल पर कब्जा करने के 25 साल पूरे होने के मौके पर बृहस्पतिवार को यहां मानेकशा सेंटर में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने सेना के अधिकारियों, जेसीओ और 18 ग्रेनेडियर्स के जवानों को संबोधित किया। जनरल चौहान ने कहा, देश के लोगों को हमारी (सेना की) क्षमताओं पर भरोसा है और उसी के कारण हमारी यह अपार प्रतिष्ठा है। जो विरासत आपको सौंपी गई है वह हमारे पूर्वजों द्वारा अर्जित की गई है। हो सकता है कि हमने प्रत्यक्ष योगदान न दिया हो लेकिन हम उसका फल प्राप्त कर रहे हैं। जनरल चौहान ने 18 ग्रेनेडियर्स बटालियन के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उन वीर नारियों को भी शुभकामनाएं दीं जिनके बेटों या पति ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

नई दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से भेंट करते सीडीएस जनरल अनिल चौहान

परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा : सीडीएस चौहान

भाषा। नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी प्रगति के कारण युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और देश की सशस्त्र सेनाओं को इस बदलाव को स्वीकार करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने 1999 में करगिल युद्ध के दौरान तोलोलिंग और टाइगर हिल की लड़ाई के 25 साल पूरे होने के मौके पर सेना के अधिकारियों, जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और 18 ग्रेनेडियर्स के सैनिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए ए बातें कहीं।भारतीय सेना ने चार जुलाई 1999 को टाइगर हिल चोटी फतह की थी। करगिल युद्ध में 18 ग्रेनेडियर्स बटालियन ने अहम भूमिका निभाई थी। करगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए हर साल 26 जुलाई को विजय दिवस मनाया जाता है। जनरल चौहान ने कहा, देश के लोगों को हमारी क्षमताओं पर भरोसा है और उसी के कारण हमारी इतनी प्रतिष्ठा है। जो विरासत आपको दी गई है, वह हमारे पूर्वजों द्वारा अर्जित की गई है। उन्होंने कहा कि यह व्यक्तिगत रूप से और एक समुदाय के रूप में भी हमें जिम्मेदारियां सौंपता है। उन्होंने कहा कि एक सैनिक के रूप में कोई कभी गलती नहीं कर सकता और एक समुदाय के रूप में विश्वास कम नहीं किया जा सकता। जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा, हम परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। आज के युग में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अत: हमें इस परिवर्तन को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, हम एक पेशेवर सशस्त्र बल और एक महाशक्ति बनना चाहते हैं... । यह हमारी आकांक्षा है। अगर हम नई ऊर्जा के साथ काम करें, तभी यह संभव हो सकता है। वैज्ञानिकों और दार्शनिकों का हवाला देते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कहा कि केवल परिवर्तन ही स्थाई है और भारतीय सशस्त्र बल इस बदलाव से दूर नहीं रह सकते हैं। उन्होंने कहा, त्वरित तकनीकी घटनाक्रम के कारण युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पहले यह पाया गया कि युद्ध जीतने के लिए वीरता एक आवश्यक तत्व है। लेकिन भविष्य के युद्धों में केवल वीरता ही पर्याप्त नहीं है...हमें लचीला और कल्पनाशील बनना होगा तथा खुला दिमाग रखना होगा। जनरल चौहान ने कहा कि कई हथियारों के बेहतर प्रौद्योगिकी से उन्नत होने के साथ ही युक्तियां और रणनीतियां भी बदल गई हैं तथा अब यह बहुत तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा, आज हम कई क्षेत्रों में युद्ध की बात कर रहे हैं। केवल पारंपरिक क्षेत्रों जैसे कि जमीन, समुद्र और वायु के बजाय हमारी सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए साइबर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम और अंतरिक्ष क्षेत्र भी जोड़े गए हैं। सीडीएस ने कहा कि लोग सशस्त्र बलों से प्यार करते हैं तथा उन पर भरोसा करते हैं तथा अगर हमें इसे बरकरार रखना है तो हमें बदलाव लाना पड़ेगा। हम युद्ध में नाकाम नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि खेल के विपरीत युद्ध में कोई उपविजेता नहीं होता। जनरल चौहान ने कहा, इस भरोसे को बनाए रखने के लिए आपको इन नई चीजों को समझना तथा स्वीकार करना होगा। यह मुख्य वजह है कि सरकार ने सीडीएस का पद बनाया और यह उन सुधारों का हिस्सा है जिन्हें हम लागू करने का प्रयास कर रहे हैं।

बिहार में 15 दिन के भीतर गिरा 10वां पुल

पटना, (भाषा)। बिहार के सारण जिले में बृहस्पतिवार को एक और पुल गिर गया जो राज्य में पिछले एक पखवाड़े में पुल ढहने की 10वीं घटना है। जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि यह पिछले 24 घंटे के भीतर सारण में पुल ढहने की तीसरी घटना है।उन्होंने कहा, जिले में इन छोटे पुलों के गिर जाने के कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि 15 वर्ष पूर्व स्थानीय प्रशासन द्वारा बनाया गया पुल बृहस्पतिवार सुबह गिर गया जिसमें किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। गंडकी नदी पर बनयपुर प्रखंड में स्थित यह छोटा पुल सारण के कई गांवों को पड़ोसी सिवान जिले से जोड़ता था। जिलाधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस छोटे पुल का निर्माण 15 साल पहले हुआ था। मैं घटनास्थल पर जा रहा हूं। जिला प्रशासन के कई अन्य अधिकारी वहां पहले ही पहुंच चुके हैं। पुल गिरने के असल कारणों का फिलहाल पता नहीं लगा है, लेकिन हाल में पुल से गाद निकालने का कार्य शुरू किया गया है। बुधवार को सारण जिले में जनता बाजार क्षेत्र और लहलादपुर क्षेत्र में दो छोटे पुल ढह गए थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि जिले में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी वर्षा के कारण संभवत: ए छोटे पुल गिरे। सिवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पिछले 16 दिन में 10 पुल ढह गए हैं। बिहार में पुल गिरने की हालिया घटनाओं पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा, बुधवार को समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को राज्य में सभी पुराने पुलों का सर्वेक्षण करने तथा तत्काल मरम्मत की जरूरत वाले पुलों की पहचान करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को पुलों के लिए अपनी संबंधित रखरखाव नीति तत्काल तैयार करने को भी कहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि सरकार कारणों का पता लगाने के लिए पुल गिरने की घटनाओं की जांच का पहले ही आदेश दे चुकी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की जाएगी।

बिहार में पुल ढहने की कई घटनाओं को लेकर उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दाखिल कर बिहार सरकार को पुलों का संरचनात्मक ऑडिट कराने तथा एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है ताकि उन पुलों की पहचान की जा सके जिन्हें या तो मजबूत किया जा सकता है या जिन्हें गिराया जाना चाहिए। बिहार के सीवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पिछले एक पखवाड़े में पुल ढहने की दस घटनाएं सामने आई हैं। लोगों का दावा है कि भारी बारिश की वजह से ए हादसे हुए हैं।अधिवक्ता ब्रजेश सिंह की ओर से दाखिल जनहित याचिका में राज्य के पुलों की सुरक्षा तथा मजबूती को लेकर चिंता व्यक्त की गई है।याचिका में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के मापदंडों के अनुसार पुलों की निगरानी कराने का भी अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि बिहार भारत में सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित राज्य है। राज्य में बाढ़ से प्रभावित होने वाला कुल क्षेत्रफल 68,800 वर्ग किलोमीटर है जो इसके कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 73.06 प्रतिशत है। यचिकाकर्ता ने कहा, बिहार में पुल गिरने की लगातार हो रही घटनाएं विनाशकारी हैं क्योंकि इससे आम लोगों का जीवन जोखिम में है। लोगों की जान बचाने के लिए न्यायालय के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी 8 से 10 जुलाई तक रूस और ऑस्ट्रिया की यात्रा पर रहेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ और नौ जुलाई को रूस की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और इन दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों की संपूर्ण समीक्षा की जाएगी।विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी ऑस्ट्रिया जाएंगे जो 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। करीब पांच साल में मोदी की यह पहली रूस यात्रा होगी। रूस की उनकी पिछली यात्रा 2019 में हुई थी जब उन्होंने व्लादिवोस्तोक में एक आर्थिक सम्मेलन में शिरकत की थी। भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर सर्वोच्च संस्थागत संवाद तंत्र है।अब तक भारत और रूस में बारी-बारी से 21 वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं। पिछला शिखर सम्मेलन छह दिसंबर 2021 को दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे। शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने 28 समझौता ज्ञापनों और समझौतों

पर हस्ताक्षर किए तथा शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत-रूस साझेदारी शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया। मोदी और पुतिन ने पिछली बार 16 सितंबर 2022 को उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की थी। बैठक में मोदी ने पुतिन पर यूक्रेन में संघर्ष समाप्त करने के लिए दबाव डालते हुए कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं है। मोदी ने कहा था, मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का नहीं है। हमने इस मुद्दे पर कई बार फोन पर चर्चा की है कि लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद पूरे विश्व को प्रभावित करते हैं। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से, मोदी ने पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के साथ कई बार टेलीफोन पर बातचीत की है। रूस के साथ अपनी गहरी मित्रता को दर्शाते हुए भारत ने अब तक यूक्रेन पर मॉस्को के हमले की निंदा नहीं की है तथा वह यह कहता रहा है कि इस संकट का समाधान कूटनीति और बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए। जी-7 देशों द्वारा मूल्य सीमा तय करने के बावजूद रूस से भारत को होने वाले कच्चे तेल के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे कई पश्चिमी देशों में खरीद को लेकर बेचैनी बढ़ी है।मोदी रूस से ऑस्ट्रिया जाएंगे। वह नौ और 10 जुलाई को ऑस्ट्रिया में रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह 41 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। वह ऑस्ट्रिया गणराज्य के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वान डेर बेलन से मुलाकात करेंगे और ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ वार्ता करेंगे। मंत्रालय ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री और चांसलर भारत और ऑस्ट्रिया के दिग्गज उद्यमियों को भी संबोधित करेंगे।

महाराष्ट्र में विस चुनाव से ठीक पहले लाडली बहिन योजना की शुरूआत सिर्फ जुमला: सुप्रिया

पुणे, (भाषा) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने बृहस्पतिवार को कहा कि महिलाओं के लिए महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहिन योजना अच्छी है लेकिन विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इसकी घोषणा और क्रियान्वयन जुमले के अलावा और कुछ नही है। पिछले सप्ताह बजट में घोषित राज्य सरकार की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत पात्र महिलाओं का 1,500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। बारामती से सासंद सुप्रिया सुले ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने में सिर्फ दो से तीन महीने बचे हैं इसलिए राज्य सरकार की ओर से जुमलों की बौछार आने की उम्मीद थी। महाराष्ट्र में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। योजना के क्रियान्वयन के बारे में पूछे जाने पर सुले ने कहा, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के मद्देनजर यह योजना अच्छी है। राज्य सरकार ने महिलाओं की सहायता करने की कोशिश की लेकिन इस योजना में कई शर्तें और नियम हैं। उन्होंने कहा कि वह इस योजना का स्वागत करती हैं, लेकिन राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले यह योजना शुरू करना एक चुनावी जुमले के अलावा कुछ नही है। सुले ने कहा कि चुनाव कर्ज लेकर और सरकारी धन खर्च करके

जीते जा रहे हैं, लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को, चाहे वह कोई भी हों, इस बात पर विचार करना चाहिए कि इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने और उनकी पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों ने प्याज, दूध और चीनी से संबंधित केंद्र की निर्यात नीतियों को लेकर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की है। अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं, सुले ने कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इसका जवाब देना चाहिए क्योंकि उन्होंने ही ए आरोप लगाए हैं। पिछले हफ्ते बजट पेश होने के बाद अजित पवार ने दावा किया था कि उनके खिलाफ़ बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं और उन्हें अभी तक साबित नहीं किया जा सका है। उन्होंने यह भी कहा था कि आरोप कभी साबित नहीं होंगे। सुले ने कहा कि ट्रक भर सबूतों के बारे में बड़े-बड़े दावे किए गए और उनकी तीन बहनों के यहां तक छापे मारे गए, जबकि उनका (किसी भी चीज़ से) कोई संबंध भी नहीं था। उन्होंने कहा कि इन छापों के लिए कौन जिम्मेदार है? सत्ता में बैठे लोग ही ज़िम्मेदार हैं। इसलिए अजीत पवार के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में जवाब महा विकास अघाड़ी (विपक्षी गुट) को नहीं देना चाहिए। यह जवाब महायुति (भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ गठबंधन) को जवाब देना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फडणवीस सहित भाजपा नेताओं ने अजीत पवार के ख़िलाफ़ ए आरोप लगाए हैं।

मंदिर मे तोड़फोड़ मामले में 43 लोगो को हिरासत मे लिया गया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक शिव मंदिर में कथित तोड़-फोड़ के मामले में 43 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धर्मारी इलाके के गांव में स्थित पूजा स्थल में तोड़फोड़ की जानकारी शनिवार शाम को मिली जिसके बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया एवं नाराज लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। तोड़फोड़ की तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसके बाद स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों ने जम्मू संभाग के कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और रियासी एवं कटरा शहरों में बंद रखा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहिता शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया, अरनास के धर्मारी इलाके में धार्मिक स्थल में तोड़फोड़ की घटना में 24 संदिग्धों सहित कुल 43 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

भाजपा के साथ नहीं है कोई टकराव: झा

लेकिन हम अपना जनाधार बढ़ाना चाहते हैं : जद(यू) नेता

पटना, (भाषा)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष संजय कुमार झा ने बृहस्पतिवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि बिहार को विशेष दर्जा देने के लिए उनकी पार्टी द्वारा बनाए जा रहे दबाव से केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के साथ टकराव पैदा हो सकता है।

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पहली बार बिहार पहुंचे राज्यसभा सदस्य झा ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार के नेतृत्व में जद(यू) अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगा तथा अन्यत्र भी अपना पैर जमाएगा। कभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में रहे झा ने कहा, कई लोगों को उम्मीद है कि पिछले सप्ताह पार्टी द्वारा पारित किए गए प्रस्ताव के आलोक में (केंद्र के साथ) टकराव होने जा रहा है। लेकिन ऐसे लोगों को निराशा होगी। जद(यू) प्रमुख नीतीश कुमार द्वारा झा को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पर नियुक्त किए जाने को इस रूप में देखा जा रहा है कि वह अपने वरिष्ठ सहयोगी दल के साथ अच्छा संबंध चाहते हैं। झा ने कहा, प्रस्ताव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम मदद चाहते हैं चाहे वह विशेष दर्जे के रूप में हो या विशेष पैकेज के रूप में। प्रधानमंत्री हमारी चिंताओं के प्रति संवेदनशील हैं। अगले पांच साल में बिहार विकसित राज्यों में शामिल होगा और इसके लिए उसे पर्याप्त केंद्रीय सहायता मिलेगी। बिहार के पूर्व मंत्री झा ने बॉलीवुड फिल्म का डायलॉग टाइगर अभी जिंदा है भी बोला और इस बात पर जोर दिया कि बुजुर्ग हो चुके मुख्यमंत्री ने हाल के लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत साबित की है। जद(यू) नेता ने कहा, मीडिया का एक वर्ग कह रहा था कि नीतीश कुमार का दौर खत्म हो गया, वह उनके नेतृत्व को कम करके आंक रहा था जिसने बिहार की कायापलट की। पहले उसे (बिहार को) शासन की दृष्टि से कठिन राज्य के रूप में देखा जाता था। चुनाव में उन्हें वास्तविकता पता चली। जद(यू) ने बिहार में 12 लोकसभा सीट जीती हैं। भाजपा भी राज्य में इतनी ही सीट पर विजय रही। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के बाद जद(यू) राजग में भाजपा की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी के रूप में उभरी है। भाजपा इस चुनाव में अपने बलबूते बहुमत हासिल नहीं कर पाई और वह केंद्र में सरकार गठन के लिए अपने सहयोगियों पर आश्रित हो गई।

जलवायु परिवर्तन पर भारत संकल्पित कटौती की दिशा में कर रहा काम: जयशंकर

भाषा। अस्ताना

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन आज दुनिया के सामने एक प्रमुख चिंता का विषय है और भारत उत्सर्जन में संकल्पित कमी लाने तथा जलवायु के अनुरूप लचीला बुनियादी ढांचा निर्माण करने की दिशा में काम कर रहा है। जयशंकर ने कजाखस्तान की राजधानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से यह बात कही।उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ओर से एससीओ परिषद के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन में भारत का वक्तव्य दिया। नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री निर्वाचित होने पर उन्हें शुभकामनाएं देने के लिए सम्मेलन में उपस्थित नेताओं का धन्यवाद। जयशंकर ने कहा, हम उत्सर्जन में संकल्पित कमी लाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जिसमें वैकल्पिक ईंधन की ओर बदलाव, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना और जलवायु के अनुरूप लचीला बुनियादी ढांचा निर्माण शामिल है। 'इस संदर्भ में, भारत की एससीओ अध्यक्षता के दौरान, उभरते ईंधनों पर एक संयुक्त वक्तव्य और परिवहन क्षेत्र में कार्बन से मुक्ति पर एक संकल्पना पत्र को मंजूरी दी गई थी।

पिछले साल आयोजित वार्षिक जलवायु सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत पहले ही 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लक्ष्य की घोषणा कर चुका है। उन्होंने कहा था कि भारत की योजना 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की है। भारत ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उन देशों को अलग-थलग और बेनकाब करने को कहा जो आतंकवादियों को प्रश्रय देते हैं, उन्हें सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराते हैं और आतंकवाद को नजरअंदाज करते हैं। भारत ने चीन और पाकिस्तान पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर आतंकवाद को बेलगाम छोड़ दिया गया तो यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण पढ़ते हुए बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि एससीओ का एक मूल लक्ष्य आतंकवाद का मुकाबला करना है। जयशंकर ने सम्मेलन में कहा, हममें से कई लोगों के अपने अनुभव हैं, जो अक्सर हमारी सीमाओं से परे सामने आते हैं। यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि अगर आतंकवाद को बेलगाम छोड़ दिया गया तो यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। जयशंकर ने कहा, एससीओ के लिए मध्य एशिया की केंद्रीय भूमिका को पहचानते हुए, हमने उनके हितों और आकांक्षाओं को प्राथमिकता दी है। यह उनके साथ अधिक आदान-प्रदान, परियोजनाओं और गतिविधियों में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा, हमारे लिए एससीओ में सहयोग जन-केंद्रित रहा है। भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान एससीओ मिलेट फूड फेस्टिवल, एससीओ फिल्म फेस्टिवल, एससीओ सूरजकुंड क्राफ्ट मेला, एससीओ थिंक-टैंक सम्मेलन और साझा बौद्ध विरासत पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

भारतीय नौसेना प्रमुख ने बांग्लादेशी सेना प्रमुख से की मुलाकात

भाषा। ढाका

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने बांग्लादेश के नवनियुक्त सेना प्रमुख जनरल वकर-उज-जमान से मुलाकात कर मजबूत द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की और दोनों सशस्त्र बलों के बीच सहयोग के नए अवसरों के बारे में विचार विमर्श किया। एडमिरल त्रिपाठी द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों की तलाश करने के लिए 30 जून को बांग्लादेश की पांच दिवसीय यात्रा पर गए थे। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया के मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बांग्लादेश की अपनी यात्रा के दौरान एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी (सीएनएस), ने ढाका स्थित बांग्लादेश सेना मुख्यालय में बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष जनरल वकर-उज-जमान के साथ बातचीत की। एडमिरल त्रिपाठी ने बांग्लादेश वायु सेनाध्यक्ष एयर मार्शल हसन महमूद से भी वार्ता की। एडमिरल त्रिपाठी ने ढाका में बांग्लादेश नौसेना प्रमुख एडमिरल एम. नजमुल हसन के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी की।

भारत की यात्रा के बाद चीन जाएंगी हसीना

बीजिंग। चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अगले सप्ताह की शुरुआत मे बीजिंग का दौरा करेंगी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग सहित देश के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगी, जिससे आपसी राजनीतिक विश्वास बढ़ेगा और द्विपक्षीय संबंध एक नए स्तर पर पहुंचेंगे। हसीना आठ से 10 जुलाई तक चीन की यात्रा पर रहेंगी। भारत यात्रा के कुछ दिनो बाद उनकी इस यात्रा को भारत और चीन के बीच संबंधो को संतुलित करने के एक स्पष्ट प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। चीन बांग्लादेश के सबसे बड़े निवेशको मे से एक है।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ब्रिटेन पहुंचा

लंदन। दुनिया के छठे सबसे बड़े आभूषण विक्रेता (ज्वेलरी रिटेलर) मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने ब्रिटेन के लीसेस्टर में अपने दूसरे शोरूम की शुरुआत की है. दुनिया के 13 देशों में मलाबार के 350 शोरूम हैं. लीसेस्टर के सिटी मेयर पीटर सोलस्बी ने नए शोरूम का उद्घाटन किया. मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के एमडी (इंटरनेशनल ऑपरेशंस) शामलाल अहमद, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के ब्रिटेन और यूरोप के ऑपरेशंस प्रमुख मोहम्मद जियाद, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के रीजनल हेड संतोष टी, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के जोनल हेड नौफल थडाथिल, समूह के प्रबंधन टीम के अन्य सदस्य, ग्राहक और शुभचिंतक भी इस मौके पर उपस्थित थे, नया शोरूम बेलग्रेव रोड के गोल्डन माइल पर स्थित है. मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम पी अहमद ने कहा, लंदन में अपने पहले शोरूम के साथ हमने एक साल पहले ही ब्रिटेन में अपने कारोबार की शुरुआत की थी. यह हमारे लिए बेहद गर्व की बात है कि हम इतने कम समय में लीसेस्टर में ब्रिटेन के अपने दूसरे शोरूम की शुरुआत कर रहे हैं, यह ग्राहकों का हमारे ब्रांड के प्रति विश्वास को दिखाता है।

ईरानी मूल के नॉर्वे के नागरिक को हमला करने के जुर्म में 30 साल कैद की सज़ा

कोपनहेगन। नॉर्वे के ओस्लो में 2022 में एलजीबीटीक्यू उत्सव पर हमला करने के जुर्म मे ईरानी मूल के नॉर्वे के नागरिक को बृहस्पतिवार को आतंकवाद का दोषी ठहराया गया और उसे 30 साल कैद की सज़ा सुनाई गई। समलैंगिक बार लंदन पब के बाहर और दो अन्य स्थानो पर 25 जून 2022 को हुई गोलीबारी में दो लोगो की मौत हो गई थी और नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ओस्लो जिला अदालत ने कहा कि ज़ानियार मटापूर ने भीड़ पर मशीन गन से 10 और पिस्तौल से आठ गोलियां चलाईं। अदालत ने कहा कि उसने इस्लामिक स्टेट समूह के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी और कई सालों से कट्टरपंथी बना हुआ है। साल 2015 मे आतंकवाद संबंधी कानून मे बदलाव के बाद से मटापूर को मिली 30 साल की सजा नॉर्वे में सबसे लंबी सजा है।

उत्तरी पाकिस्तान में एक पर्वत पर तीसरे जापानी पर्वतारोही ने जान गंवाई

पेशावर। उत्तरी पाकिस्तान के सबसे ऊंचे पहाड़ों मे से एक पर से उतरते समय एक जापानी पर्वतारोही की मौत हो गई। एक महीने से भी कम समय मे इस पहाड़ पर किसी जापानी के साथ यह ऐसी तीसरी घटना है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।स्थानीय अधिकारियों एवं अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान ने बताया कि इस सप्ताह के शुरू में 64 वर्षीय जापानी पर्वतारोही हिरोशी ओनिशी 7,027 मीटर ऊंची स्पंतिक चोटी उर्फ गोल्डेन पीक से उतरते समय हिम-दरार में गिर गए तथा उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने उनके शव का पता लगा लिया है। उन्होंने बताया कि अब शव को हेलीकॉप्टर की मदद से आधार शिविर तक लाने की व्यवस्था की जा रही है।इससे पहले दो जापानी पर्वतारोहियों-- आत्सुशी तागुची और रियूसेकी हिराओका की इस पर्वत पर चढ़ने की कोशिश के दौरान मौत हो गई थी।

वरिष्ठ कमांडर की हत्या के बाद हिज्बुल्ला ने इजराइल पर 200 से ज्यादा रॉकेट दागे

भाषा। बेरूत

अपने एक वरिष्ठ कमांडर की हत्या के प्रतिशोध में चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला ने इजराइल के कई सैन्य ठिकानों पर 200 से अधिक रॉकेट दागे हैं। संगठन की तरफ से यह जानकारी दी गई। ईरान समर्थित आतंकवादी समूह द्वारा बृहस्पतिवार को किया गया हमला लेबनान-इजराइल सीमा पर महीनों से चल रहे संघर्ष में सबसे बड़ा हमला था। हाल के हफ्तों में इस इलाके में तनाव बढ़ गया था।

इजराइली सेना ने कहा कि लेबनान से कई प्रक्षेपास्त्र उसके क्षेत्र में दागे गए थे, जिनमें से कई को बीच में ही नष्ट कर दिया गया। हताहतों की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है।

उसने कहा कि कब्जे वाली सीरियाई गोलन पहाड़ियों की ओर लगभग 200 प्रक्षेपास्त्र दागे गए तथा इजराइली क्षेत्र में 20 से अधिक ड्रोन दागे गए, लेकिन उसने उनमें से कुछ को हवा में ही नष्ट कर दिया। हिजबुल्लाह के हमले के बाद इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के कई शहरों पर हमला किया। इजरायली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी सीमावर्ती शहरों राम और हौला में हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचों पर हमला किया। लेबनान की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि हौला में इजराइली ड्रोन हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इजराइली जेट विमानों ने भी लेबनान की राजधानी और देश के अन्य क्षेत्रों में उड़ान भरी। इजराइल ने बुधवार को स्वीकार किया कि उसने एक दिन पहले दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के तीन क्षेत्रीय डिवीजनों में से एक का नेतृत्व करने वाले मोहम्मद नामेह नासिर को मार गिराया था।

इजराइल-हमास युद्ध में 38,000 से अधिक फ्लस्तीनियों की मौत हुई : स्वास्थ्य मंत्रालय

देर अल-बला। करीब नौ महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध में 38,000 से अधिक फ्लस्तीनियो की मौत हो चुकी है। हमास द्वारा संचालित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटो मे 58 लोगो के शव अस्पतालो में लाए गए जिससे मृतको की कुल संख्या बढ़कर 38,011 हो गई। उसने कहा कि इस युद्ध मे 87,000 से अधिक लोग घायल हुए है। मृतको मे महिलाएं एवं बच्चे शामिल है।

संघर्षविराम वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए वार्ताकारों को भेजेंगे नेतन्याहू : इजराइली अधिकारी

यरूशलम। इजराइल के एक अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू गाजा संघर्षविराम वार्ता फिर से शुरू करने के लिए वार्ताकार भेजेंगे।चरणबद्ध संघर्षविराम के लिए अमेरिका समर्थित एक प्रस्ताव के जवाब में हमास ने एक नया हलफनामा दाखिल किया, जिसके एक दिन बाद बृहस्पतिवार को यह फैसला लिया गया।इजराइली अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि नेतन्याहू ने बातचीत जारी रखने के लिए एक टीम को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया है। हालांकि बातचीत कहां और कब होगी इसकी कोई जानकारी नहीं है।हमास ने इजराइल से युद्ध समाप्त करने और गाजा से अपने सभी सैनिकों को वापस बुलाने के लिए सहमत होने को कहा था, जिस कारण पिछली वार्ता रुक गई थी।

निर्णायक चुनाव से कुछ दिन पहले फ्रांस की सरकारी प्रवक्ता पर चुनाव प्रचार के दौरान हमला

पेरिस। संसदीय चुनाव से कुछ ही दिन पहले, फ्रांसीसी सरकार की प्रवक्ता प्रिस्का थेवेनोट पर प्रचार के दौरान हमला होने की खबर है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री गेब्रियल अट्टल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व वाले मध्यमार्गी गठबंधन एनसेंबल की उम्मीदवार थेवेनोट, उनकी सहायक और एक पार्टी कार्यकर्ता सात जुलाई को होने वाले चुनाव से पहले बुधवार रात पेरिस के पास पोस्टर लगा रहे थे, तभी एक समूह ने उन पर हमला कर दिया।मीडिया की खबरों में बताया गया कि थेवेनोट घायल नही हुई है और वह अपना प्रचार जारी रखेंगी, लेकिन उनकी सहायक और पार्टी कार्यकर्ता को अस्पताल ले जाया गया। अभी यह स्पष्ट नही है कि उसे किस तरह की चोट आई है। अभियोजक कार्यालय ने कहा कि उसने एक सरकारी अधिकारी पर हथियार से हमला करने के मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस बात का कोई संकेत नही दिया कि हमले के पीछे मंशा क्या थी।अभियोजकों ने बताया कि तीन नाबालिगों सहित चार लोग इस संबंध में हिरासत में लिए गए है।

उत्तरी कैलिफोर्निया के जंगल की आग और फैली, हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

ऑरोविल (कैलिफोर्निया)। उत्तरी कैलिफोर्निया मे भीषण गर्मी के बीच जंगल मे लगी आग ने बुधवार को आस-पास के क्षेत्रों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिसके मद्देनजर कम से कम 26,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे है वही आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर से भी पानी डाला जा रहा है।

सैक्रामेंटो से लगभग 70 मील (110 किलोमीटर) दूर बट काउंटी के ऑरोविल शहर के पास मंगलवार को वन क्षेत्र में सबसे पहले आग लगी , इससे धुएं का विशाल गुबार उठा। ऑरोविल के मेयर डेविड पिटमैन ने बताया कि बुधवार दोपहर तक इस पर कुछ हद तक काबू पा लिया गया,साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि कुछ लोगो को जल्द घर जाने की अनुमति दी जा सकती है। इस बीच बुधवार दोपहर को ऑरोविल से लगभग आठ किलोमीटर दूर दक्षिण में ग्रब्स नामक स्थान पर आग लग गई, जिसके कारण पलेर्मो शहर के लोगो को अपने घरो को खाली करना पड़ा। आग पर अभी तक काबू नही पाया जा सका है।

एंथोलॉजी क्राइम्स दिखाएगा दुनिया का सच

हालीवुड। अमेज़न मिनीटीवी, अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, अपनी व्यापक प्रशंसित अपराध एंथोलॉजी सीरीज़,क्राइम्स आज कल के तीसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है। आज प्रीमियर के दिन, स्ट्रीमिंग सेवा ने नए सीज़न के लिए एक रोमांचक प्रोमो को उजागर किया, जिसमें प्रत्येक एपिसोड में दर्शाए गए सच्चे घटनाओं से प्रेरित भयानक अपराधों का एक झलक को साझा किया गया है। इस सीरीज़ के निर्देशक सुब्बु अय्यर हैं और इसे ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया है, जिसमें प्रतीक गांधी फिर से मेजबान के रूप में उपस्थित हैं। नए सीज़न पर अपने विचार साझा करते हुए, अमेज़न मिनीटीवी के हेड ऑफ़ कंटेंट, अमोघ दुसाद ने कहा, क्राइम्स आज कल सीज़न 3 वास्तविक जीवन की घटनाओं में गहराई से उतरेगा, जो प्रत्येक मामले की जटिलताओं को उजागर करने वाली रोमांचक और मनोरंजक जाँच प्रस्तुत करेगा। प्रतीक गांधी के कथावाचक के रूप में, उनकी कहानी कहने की शैली दर्शकों को आकर्षित करने और उनको जोड़ने में सहायक होगी। युवाओं और उनकी कठिनाइयों पर जोर देने के साथ, क्राइम्स आज कल सीज़न 3 दर्शकों को प्रत्येक मामले को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने का मौका देगा, साथ ही तथ्यों के प्रति सच्चाई भी बनाए रखेगा। ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर विपुल डी शाह ने कहा, क्राइम्स आज कल ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट के लिए हमारे दिल के बहुत करीब है।

रेकिट माताओं व बच्चों के हाइजीन पर करेगा काम

ग्लोबल। दुनिया की अग्रणी कंज्यूमर हेल्थ एवं हाइजीन कंपनी रेकिट ने नई माताओं और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए एक सेल्फ केयर पहल शुरू की है। यह खास पहल स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के 'स्टॉप डायरिया कैंपेन' के साथ जुड़कर पेश की गई है। पिछले सप्ताह भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने इस खास कैंपेन की शुरुआत की। इस कैंपेन का उद्देश्य भारत में डायरिया के कारण होने वाली बच्चों की मौत को शून्य करना है। इस कैम्पेन के बारे में बात करते हुए गौरव जैन, कार्यकारी उपाध्यक्ष, रेकिट, साउथ एशिया, ने कहा, रेकिट में, हमें अपने कार्यक्रमों में स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाने की दिशा में भारत सरकार के प्रयासों के साथ मिलकर काम करने पर बेहद गर्व है। पिछले 10 वर्षों में, हमने अपने कार्यक्रमों में छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और समुदायों को शामिल किया है, ताकि उनके संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाया जा सके। कैंपेन के बारे में बात करते हुए रवि भटनागर, डायरेक्टर, एक्सटर्नल अफेयर्स एंड पार्टनरशिप, एसओए, रेकिट ने कहा, देश के कई राज्यों में डायरिया पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत का मुख्य कारण बना हुआ है। मोहम्मद आसिफ, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, प्लान इंटरनेशनल (इंडिया चैप्टर) ने कहा, हमारी सेल्फ केयर फॉर न्यू मॉम्स एंड किड्स अंडर 5 पहल को स्टॉप डायरिया कैंपेन के साथ जोड़कर, हम डायरिया को खत्म करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी क्लासरूम वेलनेस को बढ़ावा देगा

ऑक्सफोर्ड। शिक्षकों के लिए एक विशेष हैप्पीनेस पाठ्यक्रम कार्यशाला का आयोजन वीरेन्द्र स्वरूप एजूकेशन सेंटर कानपुर में हुआ जिसमें बचपन और वयस्कता के दौरान भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक वेलबीइंग को जीवन में उतारने के महत्वपूर्ण कदमों पर प्रकाश डाला गया। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया द्वारा अपने कंटेंट पार्टनर रंगीत के साथ मिलकर आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य समग्र विकास और अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था ताकि कक्षा के अंदर और बाहर छात्रों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके। इस कार्यशाला का संचालन रंगीत के सीईओ और सह-संस्थापक सिमरन मुलचंदानी और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया की सामाजिक विज्ञान प्रमुख सुश्री विनता लाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 217 से अधिक शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। श्री सुमंता दत्ता, प्रबंध निदेशक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, इंडिया ने कहा, स्कूलों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार है और उन्हें शैक्षिक दृष्टिकोण और विश्वस्तरीय शैक्षिक उत्पादों के साथ समर्थन प्रदान कर रहा है। सिमरन मुलचंदानी ने कहा, यह पाठ्यक्रम छात्रों की वेलनेस को बढ़ावा देने वाले क्षमताओं के विकास पर केंद्रित है जैसे फिटनेस, अच्छा स्वास्थ्य, मनो-सामाजिक वेलबीइंग और सुदृढ़ नैतिक आधार, विशेष रूप से पोस्ट-कोविड अवधि में।

रूस व चीन के नेताओं ने एससीओ में शिरकत की

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बृहस्पतिवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन मे भाग लिया। रूस और चीन ने पश्चिमी गठबंधन का मुकाबला करने के लिए इस समूह को स्थापित किया है। एससीओ के अन्य सदस्य देशों के नेताओं के संग पुतिन और चिनफिंग कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में संगठन की वार्षिक बैठक में शामिल हुए। इस समूह की स्थापना 2001 मे चीन, रूस और सोवियत संघ के विघटन के बाद अस्तित्व में आए मध्य एशिया के चार देशों-कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिलकर की थी। इसका मकसद क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। बाद में भारत, पाकिस्तान और ईरान भी इस संगठन मे शामिल हुए। रूस का पश्चिमी पड़ोसी और सहयोगी बेलारूस बृहस्पतिवार को एससीओ मे शामिल हुआ। शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि समूह का ध्यान अपने सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर है। उन्होंने कहा कि एससीओ एक समर्पित केंद्र बनाएगा जो विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों पर प्रतिक्रिया का समन्वय करेगा।

ब्रिटेन चुनाव: जीवनयापन संकट के चलते ब्रिटिश-भारतीयों के लिए गौण हो सक्ती है सुनक पर गर्व की भावना

लंदन। ब्रिटेन का ऐतिहासिक आम चुनाव ऋषि सुनक के लिए ऐसे समय पहली वास्तविक परीक्षा है जब ब्रिटिश-भारतीय समुदाय के लिए ब्रिटेन में भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री पर गर्व की भावना जीवनयापन संबंधी संकट और कंजरवेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से निराशा के कारण गौण हो सकती है। लोगों ने नई सरकार चुनने के लिए आज मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। परिणाम तो मतगणना के बाद ही पता चलेगा लेकिन चुनाव की पूर्व संध्या पर द टाइम्स के लिए यूगोव द्वारा बड़े पैमाने पर किए गए अंतिम सर्वेक्षण से पता चलता है कि विपक्षी लेबर पार्टी को बहुमत मिल सकता है। अंतिम परिणाम जो भी हो, लेकिन यह स्थिति उस राजनीतिक उथल-पुथल की प्रतिबिंब है जिसके चलते ऋषि सुनक अपने ही नेतृत्व के खिलाफ आगे बढ़कर प्रधानमंत्री बने थे। ब्रिटिश फ्यूचर थिंक टैंक के निदेशक सुंदर कातवाला ने कहा, मुझे लगता है कि ब्रिटिश भारतीय मतदाताओं के लिए विशेष रूप से यह चुनाव बाकी मतदाताओं की तरह ही है।

ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए मतदान जारी

● प्रधानमंत्री के तौर पर सुनक के चुनावी भविष्य का होगा फैसला

भाषा। लंदन

ब्रिटेन में बृहस्पतिवार को आम चुनाव के लिए मतदान जारी है जिसमें प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और लेबर पार्टी से उनके प्रतिद्वंद्वी कीर स्टार्मर सहित लाखों लोगों ने मतदान किया। सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति उत्तरी इंग्लैंड के यॉर्कशायर में रिचमंड और नॉर्थलेर्टन के अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय मतदान केंद्र पर पहुंचे। थोड़ी देर बाद, स्टार्मर और उनकी पत्नी विक्टोरिया लाल रंग की पोशाक पहने उत्तरी लंदन के कैमडेन में अपने मतदान केंद्र पर पहुंचे। इस चुनाव में प्रधानमंत्री एवं कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक (44) के राजनीतिक भविष्य का फैसला होगा। सुनक का मुख्य मुकाबला लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर से है।

द.अफ्रीका में 34 हजार साल पुराने दीमक के टीले पाए गए

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका में वैज्ञानिकों को यह जानकर हैरानी हुई कि देश के शुष्क क्षेत्र में मौजूद दीमक के टीले 30,000 से अधिक वर्ष पुराने हैं जिसका मतलब है कि वे दीमक के अब तक के ज्ञात सबसे पुराने सक्रिय टीले हैं। स्टेलेनबॉश विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि रेडियोकार्बन डेटिंग में नामाक्वालैंड में बफेल्स नदी के पास के कुछ टीले 34,000 वर्ष पुराने होने का अनुमान लगाया गया था। विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग में वरिष्ठ व्याख्याता मिशेल फ्रांसिस ने कहा, हम जानते थे कि ए पुराने हैं लेकिन यह पता नहीं था कि इतने पुराने हैं। उनका शोधपत्र मई में प्रकाशित हुआ। फ्रांसिस ने कहा कि ए टीले तब भी मौजूद थे जब नुकीले दांतों वाली बिल्लियां और वूली मैमथ पृथ्वी के अन्य हिस्सों में घूमते थे और यूरोप और एशिया का बड़ा हिस्सा बर्फ से ढका हुआ था। लाखों वर्ष पुराने कुछ जीवाश्म दीमकों के टीले खोजे गए हैं। इस अध्ययन से पहले सबसे पुराने बसे हुए टीले ब्राजील में पाए गए थे और लगभग 4,000 वर्ष पुराने हैं। वे अंतरिक्ष से दिखाई देते हैं। फ्रांसिस ने दीमक टीलों का जलवायु परिवर्तन, पारिस्थितिकी तंत्र बनाए रखने और संभवत: कृषि पद्धतियों में सुधार लाने पर असर को देखते हुए उन पर और अध्ययन करने का आह्वान किया है।

जापानी शख्स को बलात्कार के जुर्म में सिंगापुर में जेल और बेंत से मारने की सज़ा मिली

कुआलांलपुर। सिंगापुर में नशे में धुत छात्रा पर क्रूर हमला करने और बलात्कार के जुर्म में एक जापानी हेयर स्टाइलिस्ट को 17.5 साल की जेल और 20 बेंत मारने की सजा सुनाई गई है। उसके वकील ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बचाव पक्ष के वकील एड्रियन वी ने बताया कि 39 वर्षीय किता इक्को ने बलात्कार और अश्लील फिल्म बनाने के आरोप को सोमवार को स्वीकार कर लिया था। क्योदो ने सिंगापुर में जापानी दूतावास के हवाले से कहा कि सिंगापुर में बेंत से मारने की सज़ा पाने वाला किता पहला जापानी है। किता को दिसंबर 2019 में 20 वर्षीय छात्रा के साथ बलात्कार करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता ने पुलिस में शिकायत की थी कि वह किता से पहली दफ़ा एक बार में मिली थी। अभियोजकों के अनुसार, किता उसे अपने घर ले गया जहां उसने उससे बलात्कार किया और इस कृत्य की अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्डिंग कर उसे अपने एक मित्र को भेज दिया। सिंगापुर में बलात्कार, मादक द्रव्यों की तस्करी, तोड़-फोड़ और लूटपाट सहित विभिन्न अपराध के, 50 साल से कम उम्र के पुरुष दोषियों को बेंत की सजा देने का प्रावधान है। अंतरराष्ट्रीय निकायों ने इसकी आलोचना की है लेकिन यह सिलसिला जारी है।

हृदय स्वास्थ्य जानकारी पर निर्भर: वैश्विक अध्ययन

● हृदय रोगियों को जानकारी की जरूरत है

भाषा। टोरंटो

एक नया अध्ययन हृदय रोगों के प्रबंधन में रोगी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। शोधकर्ताओं ने विभिन्न क्षेत्रों के 1,600 से अधिक हृदय रोगियों की सूचना आवश्यकताओं की जांच की, जिससे हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। हृदय संबंधी बीमारियाँ दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। जो मरीज़ हृदय संबंधी किसी घटना (जैसे कि दिल का दौरा) से गुज़रे हैं, वे अक्सर खुद को लक्षणों, दवाओं और जीवनशैली समायोजन के जटिल चक्रव्यूह से गुजरते हुए पाते हैं। इस यात्रा में रोगी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए, शोधकर्ताओं की हमारी अंतरराष्ट्रीय टीम ने विश्व स्तर पर हृदय रोगियों की विशिष्ट सूचना आवश्यकताओं की पहचान करने की कोशिश की। हमारे अध्ययन में हृदय रोगियों की शीर्ष सूचना आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए एक मान्य पैमाने, कार्डियक रिहैबिलिटेशन (आईएनसीआर-एस) में सूचना आवश्यकताओं का उपयोग किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के सभी छह क्षेत्रों में फैले विभिन्न देशों में प्रशासित और विभिन्न आय वर्गों को शामिल करते हुए, पैमाने ने मरीजों की सूचना आवश्यकताओं का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया। हृदय रोगियों की विविध आवश्यकताएँहमारे निष्कर्षों से पता चला है कि रोगियों में विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर जानकारी की तीव्र इच्छा होती है। वे हृदय संबंधी घटनाओं को समझना चाहते हैं, हृदय के लिए स्वस्थ आहार अपनाना चाहते हैं, दवाओं का प्रबंधन करना चाहते हैं, लक्षणों को पहचानना चाहते हैं, जोखिम कारकों को नियंत्रित करना चाहते हैं और हृदय पुनर्वास कार्यक्रमों में शामिल होना चाहते हैं। यह हृदय रोगियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यापक रोगी शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। रोगी शिक्षा को प्राथमिकता देने और हृदय रोगियों की विविध सूचना आवश्यकताओं को संबोधित करने से परिणामों में काफी सुधार हो सकता है और हृदय रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए देखभाल की गुणवत्ता में वृद्धि हो सकती है।

हीट डैमेज को कंट्रोल करेगा एयरस्ट्रेट स्ट्रेट्नर

दैनिक टेक्नोलॉजी में सुधार लाने की अपनी महत्वाकांक्षा के साथ डायसन ने डायसन एयरस्ट्रेट स्ट्रेट्नर पेश कियाए जो हवा के साथ गीली से सूखी स्ट्रेटि्नंग करता है। इसमें कोई हॉट प्लेट नहीं हैए इसलिए हीट डैमेज नहीं होता। विभिन्न हेयर टाईप्स के लिए बनाए गए ये स्टाईलर बॉडी और मूवमेंट में प्राकृतिक रूप से स्ट्रेट स्टाईल प्रदान करते हैंए और बालों की शक्ति और स्वस्थ लुक को बनाए रखते हैं। इसकी दोनों भुजाओं के बीच बालों पर नीचे की दिशा में उच्च दबाव की हवा पड़ती हैए जो एक साथ एक ही मशीन द्वारा उन्हें सुखा भी देती हैए और स्ट्रेट भी कर देती है। डायसन के संस्थापक और चीफइंजीनियरए जेम्स डायसन ने कहा कि डायसन एयरस्ट्रेट स्ट्रेटनर की परफॉर्मेंस शक्तिशाली एयरफ्लो की क्षमता और उसके उपयोग की गहरी समझ पर आधारित है। हम पिछले 25 सालों की मेहनत के बाद अपना पहला वेट टू ड्राई हेयर स्ट्रेट्नर पेश करने में समर्थ बने हैंए जिसमें कोई हॉट प्लेट नहीं हैए इसलिए यह हीट डैमेज नहीं करता। लोगों को उच्च वेग के एयर ब्लेड के साथ आसानी से इस्तेमाल होने वाला स्ट्रेट्नर प्रदान करके हमने उन्हें समय बचानेए बालों की शक्ति बनाए रखने और प्रतिदिन प्राकृतिक स्ट्रेट स्टाईल प्राप्त करने में समर्थ बनाया है। डायसन ने एक दशक से ज्यादा समय तक स्टाईल के विज्ञान की शोध की और वो लगभग आधे बिलियन ब्रिटिश पाउंड का उपयोग इसमें करके ब्यूटी की श्रेणी में शोध और टेक्नोलॉजी में तेजी लेकर आ रहे हैं। डायसन के इंजीनियर्स ने विस्तार से बालों की संरचना से लेकर एयरफ्लो डाईनामिक्स तक हर पहलू का अध्ययन किया और बालों को इससे होने वाली थर्मलए मैकेनिकल और कैमिकल क्षति के साथ इसके अन्य प्रभावों को समझा। हेयर स्टाईल बदलने के लिए हर बाल में मौजूद हाईड्रोजन बॉन्ड्स को तोड़कर उन्हें नया आकार देना होता है। यह तापमान या नमी द्वारा किया जा सकता है। गीले बालों पर शक्तिशाली एयरफ्लो के साथ स्टाईलिंग के कारण उच्च तापमान की जरूरत कम पड़ती हैए जिससे बाल कम उलझते और बिखरते ह और उनकी प्राकृतिक चमक बनी रहती है।

विश्व चैंपियन टीम दिल्ली पहुंची, नाश्ते पर पीएम मोदी से मुलाकात की

● वापसी के दौरान नाच-गाना हो रहा था

भाषा। नई दिल्ली

टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम बृहस्पतिवार को विशेष विमान से स्वदेश लौट आई। लगातार बूंदाबादी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हवाई अड्डे पर प्रशंसकों ने खिलाड़ियों का गर्मजोशी से स्वागत किया जिसके बाद टीम के सदस्यों ने नाश्ते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे सैकड़ों प्रशंसक मौसम की परवाह किए बिना विभिन्न नारे लिखे बैनर और राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहे थे। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई दी। पिछले शनिवार को टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों की वापसी के दौरान नाच-गाना हो रहा था, खूब सारे केक थे और सड़कों पर प्रशंसक थे जो दर्शा रहे थे कि क्रिकेट देश में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला खेल क्यों है। थके हुए खिलाड़ी भी हवाई अड्डे से होटल पहुंचने के बाद मस्ती में शामिल हुए और पार्टी का माहौल पूरा किया। वर्ष 2011 में जीते पिछले विश्व कप का जिक्र करते हुए एक प्रशंसक ने कहा, हम पिछले 13 साल से इस पल का इंतजार कर रहे थे। टीम ने विश्व कप जीतकर हमें गौरवांवित किया है। उन्होंने दावा किया कि वह सुबह करीब साढ़े चार बजे से हवाई अड्डे पर मौजूद हैं। तूफान बेरिल के चलते बारबाडोस में शटडाउन के कारण भारतीय टीम खिताब जीतने के तुरंत बाद स्वदेश नहीं लौट पाई थी। खिलाड़ी अपने होटल में ही रुके थे जिसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने वापसी के लिए विशेष उड़ान का इंतजाम किया। एयर इंडिया का विशेष विमान एआईसी24डब्ल्यूसी एयर इंडिया चैम्पियंस 24 विश्व कप बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह चार बजकर 50 मिनट पर बारबाडोस से रवाना हुआ और 16 घंटे बिना रुके यात्रा करने के बाद बृहस्पतिवार सुबह छह बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंचा।

हल्के-फुल्के अंदाज में पीएम से बातचीत की

कुछ देर बाद टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास के लिए रवाना हो गए। खिलाड़ियों का पूरे दिन का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। होटल लौटने से पहले भारतीय दल ने बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की मौजूदगी में प्रधानमंत्री के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर करीब दो घंटे बिताए। बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में खिलाड़ियों को मोदी के साथ हल्की-फुल्की बातचीत करते देखा जा सकता है। कोहली ने इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलना हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। हमें प्रधानमंत्री आवास पर आमंत्रित करने के लिए आपका धन्यवाद।

रोहित को 15 साल में पहली बार इतना भावुक होते हुए देखा : कोहली

मुंबई। स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने गुरुवार को यहां टीम के सम्मान समारोह के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में खचाखच भरे दर्शकों के सामने खुलासा किया कि उन्होंने 15 साल में कभी भी भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को इतना भावुक होते नही देखा था जिन्होंने टी20 विश्व कप जीत के बाद डबडबाई आंखों से उन्हे गले लगा लिया था।कोहली ने खुली बस मे यादगार विक्ट्री परेड के बाद आयोजित सम्मान समारोह के दौरान कहा, 15 साल मे यह पहली बार है जब मैंने रोहित को इतना भावुक होते देखा है। जब हम (केन्सिंग्टन ओवल मे) सीढ़ियां चढ़ रहे थे तो वह रो रहे थे और मै भी रो रहा था। कोहली जब 21 साल के थे तो उन्होंने इसी मैदान पर कहा था कि 21 वर्षो तक भारतीय क्रिकेट का भार उठाने वाले महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर को अपने कंधो पर उठाना बिलकुल उचित है। कोहली (34 वर्ष) ने पिछले हफ्ते ट्रॉफी जीतने के बाद क्रिकेट के इस छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने इस मैदान पर खड़े होकर उम्मीद जताई कि उन्होंने और उनके कप्तान ने 15 वर्षो तक जिम्मेदारी उठाने और ट्राफी देश मे लाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि हमने (रोहित और मैने) जिम्मेदारी उठाई है और ट्रॉफी यहां (वानखेड़े) वापस लाने से बेहतर कुछ नही है।

हवाई अड्डे पर भारी सुरक्षा व्यवस्था

हवाई अड्डे पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी लेकिन इससे प्रशंसकों का उत्साह कम नही हुआ। उत्साह से लबरेज प्रशंसक स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पोस्टर लेकर नारे लगा रहे थे। खिलाड़ियो को आईटीसी मौर्या शेरेटन होटल ले जाने के लिए टी थ्री टर्मिनल के बाहर दो बसे खड़ी थी। होटल पहुंचने पर ढोल और पारंपरिक भांगड़ा डांस से उनका स्वागत किया गया। कप्तान रोहित शर्मा, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत सहित अधिकांश खिलाड़ियों ने भांगड़ा कर रहे डांसरों के साथ डांस किया। यहां तक कि इस दौरान तैनात सुरक्षाकर्मियो के चेहरे पर भी मुस्कान थी। लंबी यात्रा की थकान के बावजूद खिलाड़ियो ने उन सभी से हाथ मिलाया जो उनसे मिलना चाहते थे। खिलाड़ी ट्रॉफी के आकार का केक काटने के बाद अपने कमरो मे चले गए। यह सब मीडिया की अपेक्षित हलचल के बीच हुआ।

मुंबई के खिलाड़ियों को विधान भवन में सम्मानित किया जाएगा

मुंबई। टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम के मुंबई के चार खिलाड़ियों को शुक्रवार को महाराष्ट्र विधान भवन परिसर मे सम्मानित किया जाएगा। राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को सदन मे यह जानकारी दी। कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे। ये सभी मुंबई के रहने वाले हैं। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने गुरुवार को विधानसभा मे मुंबई के खिलाड़ियो को विधान भवन मे सम्मानित किए जाने का मुद्दा उठाया।विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर ने कहा कि शहर के खिलाड़ियों का सम्मान शुक्रवार दोपहर विधान भवन मे होगा।

त्वेसा संयुक्त 24वें और दीक्षा संयुक्त 46वें नंबर पर

लंदन। भारतीय महिला गोल्फर त्वेसा मलिक संधू यहां अरामको टीम सीरीज लंदन के पहले दौर मे इवन पार 73 के कार्ड से संयुक्त 24वे स्थान पर रही। उनकी साथी भारतीय दीक्षा डागर दो ओवर 75 के कार्ड से संयुक्त 46वे स्थान पर बनी हुई है जबकि प्रणवी उर्स ने सात ओवर 80 का निराशाजनक कार्ड खेला जिससे उनके कट मे प्रवेश की संभावना नही है। दीक्षा अगले हफ्ते मेजर एवियन चैम्पियनशिप मे हिस्सा लेंगी, उन्होने तीन बर्डी लगाई जबकि तीन बोगी और एक डबल बोगी की।

मोरिंग अमेरिका महिला क्रिकेट टीम के कोच नियुक्त

न्यूयॉर्क। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हिल्टन मोरिंग को अमेरिका की राष्ट्रीय महिला और अंडर-19 टीम का कोच नियुक्त किया गया। अमेरिका की क्रिकेट संस्था ने यह घोषणा की। मोरिंग वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर शिवनारायण चंद्रपाल की जगह लेंगे और इस साल बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करेंगे।

बाबर ने ऑस्ट्रेलिया के पावर हिटिंग कोच यंग की मदद मांगी

लाहौर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने हाल ही मे समाप्त हुए विश्व कप मे निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने टी20 कौशल को फिर से तराशने के लिए प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलियाई पावर हिटिंग कोच शेनन यंग की मदद मांगी है।बाबर ने टी20 विश्व कप के चार मैचों में 101 के स्ट्राइक रेट से 120 रन बनाए। पाकिस्तान इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के सुपर आठ मे प्रवेश नही कर पाया और पहले दौर से बाहर हो गया।

कप्तान के तौर पर बाबर के भविष्य पर फैसला सलाह के बाद: पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नक्वी ने गुरुवार को कहा कि कप्तान के तौर पर बाबर आजम के भविष्य पर अभी कोई फैसला नही किया गया है और मुख्य कोच गैरी कर्स्टन तथा पूर्व खिलाड़ियो के साथ सलाह मश्विरे के बाद ही आगे फैसला लिया जाएगा। नक्वी ने कहा कि वह कर्स्टन और सहायक कोच अजहर महमूद से यहां जल्द ही मुलाकात करेंगे और राष्ट्रीय टीम के टी20 विश्व कप मे निराशाजनक प्रदर्शन पर चर्चा करेंगे। उन्होने कहा कि वह जल्दबाजी मे कोई भी फैसला नही करेंगे। नक्वी ने टी20 विश्व कप मे सुपर आठ चरण से पाकिस्तान के बाहर होने के बाद टीम की आलोचना की थी और कहा कि थी इसमें काफी बदलाव की जरूरत है।

जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच नियुक्त कर लेगा एआईएफएफ

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने गुरुवार को कहा कि वह इस महीने के आखिर तक राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति कर लेगा जिसके लिए उसे दुनिया भर से आवेदन मिले है।इस पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त हो गई और एआईएफएफ ने कहा कि उसे कुल 291 आवेदन मिले है।इसमे से 100 आवेदको के पास यूईएफए प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है, जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा और तीन के पास कॉनमेबोल लाइसेंस है।एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बयान मे कहा, हमे बड़ी संख्या मे आवेदन मिले है और कई ख्याति प्राप्त कोच ने भारत मे दिलचस्पी दिखाई है। हमे उम्मीद है कि हम जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच की नियुक्ति कर देंगे ताकि भारत सितंबर में फीफा विंडो का फायदा उठा सके। एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर मे पहुंचने मे नाकाम रहने के बाद पिछले महीने इगोर स्टीमक को मुख्य कोच पद से बर्खास्त कर दिया था।

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी दूसरे दौर में

लंदन। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी ने गुरुवार को यहां पुरुष युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में प्रवेश किया जबकि ओलंपिक दल के सदस्य एन श्रीराम बालाजी और ल्यूक जॉनसन की जोड़ी विम्बलडन चैम्पियनशिप से बाहर हो गई। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुबलिक और एलेक्जेंडर श्वेचेंको की जोड़ी को 58 मिनट में 6-4 6-4 से पराजित किया। अब भांबरी और ओलिवेटी का सामना जर्मनी के केविन क्राविट्ज और टिम पुएट्ज की जोड़ी से होगा। बालाजी और जॉनसन को पहले दौर में सर्बिया के मेट पाविक और अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो की चौथी वरीय जोड़ी से 4-6 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने रोबिन हास और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी पर आसान जीत के साथ दूसरे दौर में प्रवेश किया। बोपन्ना और एब्डेन ने बुधवार को बारिश से बाधित पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे 11 मिनट में नीदरलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वियों को 7-5, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी दूसरे दौर में हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्सटेंटिन फ्रेंटजन की जर्मनी की जोड़ी से भिड़ेगी। बोपन्ना और एब्डेन पिछले साल सत्र के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले बुधवार को भारत के सुमित नागल और उनके सर्बियाई जोड़ीदार दुसान लाजोविच को पहले दौर में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जॉमे मुनार के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मार्टिनेज और मुनार ने एक घंटे सात मिनट में 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की।

बोपन्ना-एब्डेन दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने यहां रोबिन हास और सैंडर एरेंड्स की जोड़ी पर आसान जीत के साथ विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। बोपन्ना और एब्डेन ने बुधवार को बारिश से बाधित पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे 11 मिनट में नीदरलैंड के अपने प्रतिद्वंद्वियों को 7-5, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी दूसरे दौर में हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्सटेंटिन फ्रेंटजन की जर्मनी की जोड़ी से भिड़ेगी। बोपन्ना और एब्डेन पिछले साल सत्र के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले बुधवार को भारत के सुमित नागल और उनके सर्बियाई जोड़ीदार दुसान लाजोविच को पहले दौर में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जॉमे मुनार के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मार्टिनेज और मुनार ने एक घंटे सात मिनट में 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की।

आडवाणी ने पारिख को हराया

रियाद। भारत के शीर्ष क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिद्धार्थ पारिख को 4-2 से हराकर एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में खिताब की हैट्रिक की ओर कदम बढ़ाए। मैच में पारिख ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला फ्रेम 101-38 से जीता। दूसरे फ्रेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन पारिख ने 100-99 से आडवाणी को हराकर 2-0 की बढ़त बनाई। आडवाणी ने दो फ्रेम से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा फ्रेम 101-0 से जीता। चौथे फ्रेम में पारिख 95 के ब्रेक के बावजूद आडवाणी को 101-95 से जीतने से नहीं रोक पाए।आडवाणी पांचवें फ्रेम में हावी रहे और 87 के ब्रेक के साथ 104-2 की जीत से 3-2 की बढ़त बनाने में सफल रहे।

भारतीय मूल की स्कूली छात्रा इंग्लैंड की शतरंज टीम में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी

लंदन। भारतीय मूल की नौ वर्षीय स्कूली छात्रा बोधना शिवनंदन शतरंज मे इतिहास रचने जा रही है क्योंकि वह किसी भी खेल मे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है। उत्तर-पश्चिम लंदन के हैरो की रहने वाली बोधना सितंबर मे हंगरी के बुडापेस्ट मे होने वाले शतरंज ओलंपियाड मे इंग्लैंड की महिला टीम मे शामिल होंगी। टीम मे शामिल अन्य खिलाड़ियो की उम्र 20 साल से अधिक है।बोधना ने बुधवार को बीबीसी से कहा, कल स्कूल से वापस आने के बाद जब मेरे पिताजी ने मुझे बताया तो मुझे इस बारे मे पता चला। मै खुश थी। मुझे उम्मीद है कि मै अच्छा प्रदर्शन करूंगी और मुझे एक और खिताब मिलेगा। इंग्लैंड शतरंज टीम के मैनेजर मैल्कम पेन ने स्कूली छात्रा बोधना को अब तक देखी गई सबसे उल्लेखनीय ब्रिटिश शतरंज प्रतिभाओं मे से एक बताया।

जोकोविच ने जीत के लिए बहाया पसीना

● विंबलडन: पेगुला बनी उलटफेर का शिकार

भाषा। लंदन

ऑल इंग्लैंड क्लब में सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को गुरुवार को यहां विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के लिए पसीना बहाना पड़ा जबकि महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। जोकोविच ने सेंटर कोर्ट पर खेले गए मैच में स्कॉटलैंड के 22 वर्षीय खिलाड़ी जैकब फर्नले को चार सेट में 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से हराया। फर्नले को टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था।पेगुला हारने वाली सर्वोच्च वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी बन गईं। इस अमेरिकी खिलाड़ी को वांग जिन्यू ने 6-4, 6-7 (7), 6-। से हराया। वांग की यह शीर्ष 10 में शामिल खिलाड़ी पर पहली जीत है।ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दो बार की चैंपियन आर्यना सबालेंका को विंबलडन में तीसरी वरीयता दी गई थी लेकिन उन्होंने कंधे की चोट के कारण पहले दौर से पूर्व ही टूर्नामेंट से हटने का फैसला कर दिया था। ब्रिटेन को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली युरिको लिली मियाज़ाकी से काफी उम्मीद थी लेकिन डारिया कसाटकिना के सामने उनकी एक नहीं चली। कसाटकिना ने यह मैच आसानी से 6-0, 6-0 से जीता। कसाटकिना का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने ब्रेंडा फ्रूहविर्टोवा को 6-4, 6-2 से हराया। अमेरिका की 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मैडिसन कीज़ ने वांग याफ़ान पर 6-2, 6-2 से जीत दर्ज करके तीसरे दौर में प्रवेश किया।

डोप जांच में विफल रही 400 मी धाविका दीपांशी

● नाडा ने निलंबित किया

भाषा। नई दिल्ली

नाडा ने हाल में राष्ट्रीय अंतर राज्‍य चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाली भारत की शीर्ष महिला 400 मीटर धाविका दीपांशी को डोप जांच में विफल होने के कारण निलंबित किया। दीपांशी (21 साल) ने शुक्रवार को पंचकुला में महिलाओं के 400 मीटर फाइनल में किरण पहल (50.92 सेकेंड) के बाद 52.01 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया था। टूर्नामेंट के दौरान लिए गए डोप नमूने में एनाबोलिक स्टेरायड मिला है। ए नमूने 27 जून को (हीट रेस के बाद या सेमीफाइनल में) लिए गए। राष्ट्रीय अंतरराज्‍य चैम्पियनशिप (27 से 30 जून) में यह पहला डोप पॉजिटिव मामला सामने आया है जो पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी था।

पेरिस ओलंपिक में भारत की 28 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम की अगुवाई करेंगे चोपड़ा

भाषा। नई दिल्ली

मौजूदा चैंपियन नीरज चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत की 28 सदस्‍यीय एथलेटिक्स टीम की अगुवाई करेंगे। तोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले और मौजूदा विश्व चैंपियन चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक की तैयारी के सिलसिले में डायमंड लीग के अंतिम चरण में भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

भारतीय एथलेटिक्स टीम में 17 पुरुष और 11 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। चोपड़ा के अलावा इनमें एशियाई खेलों के चैंपियन अविनाश साबले, तेजिंदरपाल सिंह तूर और बाधा दौड़ के धावक ज्योति याराजी जैसे अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी शामिल हैं। पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम में मुहम्मद अनस, मुहम्मद अजमल, अमोज जैकब और राजेश रमेश शामिल हैं। इस टीम ने हाल में विश्व चैंपियनशिप में अमेरिका की टीम को पीछे छोड़कर सनसनी मचा दी थी। पेरिस ओलंपिक में ट्रैक एवं फील्ड की स्पर्धाएं एक अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित की जाएगी।

एशिया व विश्व कप की तैयारी पुख्ता करने उतरेगा भारत

● दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से

चेन्नई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का इस्तेमाल एशिया कप और टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों और रणनीति को पुख्ता करने के लिए करेगी। श्रीलंका में 19 जुलाई से होने वाले एशिया कप और बांग्लादेश में चार अक्टूबर से होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले यह भारत की सफेद गेंद से आखिरी द्विपक्षीय श्रृंखला है। इसे

देखते हुए हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय टीम इन बड़े टूर्नामेंट की तैयारी के लिए अपने प्रयास में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। टीम ने बेंगलुरू में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला और यहां एकमात्र टेस्ट में भी इसके संकेत दिए हैं। दक्षिण अफ्रीका से टक्कर मिलने के बावजूद भारत ने अब तक सभी मैच जीते हैं। 2023 से अब तक भारत ने सात टी20 श्रृंखला खेली हैं जिनमें से तीन में उसे जीत मिली है और चार में हार का सामना करना पड़ा है। टीम इस आंकड़े को बेहतर करना चाहेगी।भारत को एकदिवसीय श्रृंखला और टेस्ट मैच में अपनी खिलाड़ियों की फॉर्म से राहत मिलेगी।एकदिवसीय टीम की उप कप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने तीन मैच में दो शतक और एक अर्धशतक के साथ शानदार प्रदर्शन किया जबकि हरमनप्रीत ने अंतिम वनडे में शतक जड़ा।

गुकेश ने करुआना को बराबरी पर रोका, प्रज्ञानानंदा ने नेपो के साथ अंक बांटे

भाषा। बुकारेस्ट (रोमानिया)

विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में शीर्ष पर चल रहे अमेरिका के फाबियानो करुआना को बराबरी पर रोका। एक बार फिर दिन की सभी बाजियां ड्रॉ रही। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने रूस के इयान नेपोमनियाची के साथ अंक बांटे। अंतिम स्थान पर चल रहे रोमानिया के डिएक बोगडेन-डेनियल ने फिरोजा के साथ ड्रॉ खेला जबकि गिरी ने वाचिएर-लाग्रेव के साथ बाजी ड्रॉ की। शीर्ष वरीय करुआना दो जीत और पांच ड्रॉ से 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं। उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा हैं जो अमेरिकी से आधा अंक पीछे हैं। नेपोमनियाची 3.5 अंक के साथ फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। अमेरिका के वेस्ली सो, नीदरलैंड के अनीश गिरी और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव की तिकड़ी उनसे आधा अंक पीछे है। इस 3,50,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में अब केवल दो दौर बचे हैं।

क्विक न्यूज

विश्व चैंपियन टीम की बारबाडोस से नई दिल्ली तक यादगार उड़ान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विशेष विमान से। यह संभवत पहला अवसर था जबकि बारबाडोस से नई दिल्ली तक विमान ने सीधी उड़ान भरी, लेकिन 14000 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह उड़ान विशेष थी क्योंकि इसमें टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम सवार थी।
लंबे इंतजार के बाद एयर इंडिया का विशेष विमान बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह दो बजे ग्रांटली एडम्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा तो सभी के चेहरे खिल गए। यह विमान भारतीय टीम को स्वदेश ले जाने के लिए न्यूयॉर्क से यहां पहुंचा था। तूफान बेरिल के कारण बारबाडोस से कई उड़ाने रद्द कर दी गई थी और ऐसे मे भारतीय टीम के लिए इस विशेष विमान की व्यवस्था की गई। इस बोइंग 777 विमान को देखकर हवाई अड्डे के कई कर्मचारी भी हैरत मे पड़ गए थे।ग्रांटली एडम्स के एक अधिकारी ने कहा, मैने यहां इससे पहले इतना बड़ा विमान उतरते नही देखा। स्थानीय समयानुसार सुबह चार बजे खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ के सदस्य और मीडियाकर्मी विमान मे सवार हुए जिसके बाद अगले 16 घंटों तक चलने वाले जश्न की शुरुआत हुई। भारतीय टीम ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लंबे इंतजार को समाप्त किया था।विमान मे सवार प्रत्एक व्यक्ति जीत के जश्न मे डूबा था और जल्द से जल्द स्वदेश पहुंचने के लिए बेताब था। बिजनेस क्लास की सीमित सीटें होने के कारण सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ के सदस्य और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी प्रीमियम केबिन मे जगह नही पा सके लेकिन यह कोई मसला नही था।इकोनॉमी क्लास मे भी आधे से अधिक सीटें खाली थी जिससे विमान मे सवार यात्रियो को नीद लेने मे परेशानी नही हुई।

राजावत ने गेम्के को हराया, कनाडा ओपन के दूसरे दौर में

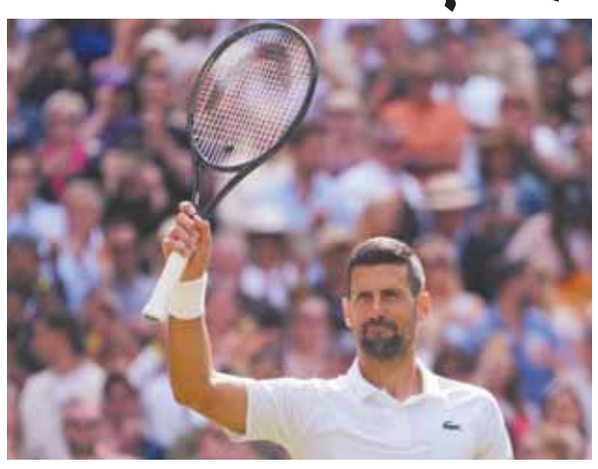

कैलगेरी (कनाडा)। उभरते हुए भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने यहां कनाडा ओपन के पुरुष एकल के पहले दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले डेनमार्क के रासमुस गेम्के को हराया।दुनिया के 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने बुधवार रात आठवें वरीय गेम्के को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले मे एक घंटे और 10 मिनट मे 17-21 21-16 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।राजावत अब पुरुष एकल मे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी बचे हैं। वह अगले दौर में जापान के ताकुमा ओबायाशी से भिड़ेंगे।पुरुष एकल मे हिस्सा ले रहे दो अन्य भारतीयो आयुष शेट्टी और एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम को हार का सामना करना पड़ा। शेट्टी को जापान के छठे वरीय कोकी वातानाबे के हाथों 14-21 11-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा जबकि शंकर को फ्रांस के एलेक्स लेनियर के खिलाफ 16-21 17-21 से हार झेलनी पड़ी।महिला एकल मे तान्या हेमंत और अनुपमा उपाध्याय भी दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। तान्या ने कनाडा की जैकी डेंट को 21-13 20-22 21-14 से हराया जबकि अनुपमा ने आयरलैंड की रैशेल डेरेग को 21-11 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। तान्या अगले दौर मे थाईलैंड की तीसरी वरीय बुसानन ओंगबैमरुंगफान से भिड़ेंगी जबकि अनुपमा को कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ खेलना है।

युवा एथलीट्स को बढ़ावा देंगा एनर्जाइज इंडिया

लखनऊ। डाबर की ओर से इंस्टेन्ट एनर्जी ड्रिंक डाबर ग्लुकोज़ ने युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा देश भर की स्पोर्ट्स एकेडमियों के युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए एक कैंपेन षएनर्जाइज़ इंडिया का लॉन्च किया है। इस कैंपेन के तहत लखनऊ की टाउन कराटे अकादमी में एनर्जी एवं स्टैमिना मैनेजमेन्ट पर एक विशेष जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस मौके परदिनेश कुमार, मैनेजर, कार्पोरेट कम्युनिकेशन, डाबर इण्डिया लिमिटेड, जसपाल सिंह सेक्रेटरी, कराटे एसोसिएशन ऑफउत्तर प्रदेश व प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा खालसा इंटर कालेज आदि प्रमुख लोग मौजूद थे। इस मौके पर विवान आहूजा व ईशिता को सम्मानित किया गया। सत्र के दौरान जसपाल सिंह ने एथलीट्स को बताया कि किस तरह से वे खेल के दौरान अपने प्रदर्शन को बेहतर बना सकते हैं और अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही खेल में अच्छा परफॉर्मेन्स देने के लिए पोषण और हाइड्रेशन बहुत ज़रूरी है। इस सत्र के दौरान उन्हें बताया गया कि वे किस तरह अपने स्टैमिना और धैर्य में सुधार ला सकते हैंए जो एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। डाबर इंडिया लिमिटेड में हेल्थ सप्लीमेन्ट्स के मार्केटिंग हैड श्र प्रशांत अग्रवाल ने कहा हमें खुशी है कि युवा एथलीट्स को एनर्जी एवं स्टैमिना के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए हम एनर्जाइज़ इंडियाकैंपेन लेकर आए हैं। यह कैंपेन उन्हें अपने खेल में एनर्जी के साथ बेहतरीन परफॉर्मेन्स देने के लिए प्रेरित करेगा।

वाटरपोलो खिलाड़ियों को बांटी गई किट

लखनऊ। यूपी में जूनियर स्टेट वाटरपोलो खिलाड़ियों और सब.जूनियर और जूनियर स्टेट डाइवर्स को सेरेमोनियल किट वितरित की गई है। केडीकी टीम सिंह बाबू स्टेडियम डाइविंग और वाटरपोलो दोनों टीमें 7 से 11 जुलाई 2024 तक इंडोर में आयोजित होने वाली 40वीं सब.जूनियर और 50वीं जूनियर नेशनल डाइविंग और वाटरपोलो चैंपियनशिप.2024 में भाग लेने जा रही हैं। 30 तीस सदस्य उप्र वाटरपोलो टीम के लड़कों और लड़कियों दोनों ने मुख्य कोच आनंद श्रीवास्तव खेल अधिकारी और कोच गंगतेश्वर सिंह पूर्व वाटरपोलो राज्य टीम के कप्तान के तहत 11 दिवसीय वाटरपोलो एडवांस कोचिंग कैंप में भाग लिया है। निशित दीक्षित एनआईएस ने डाइविंग टीम के कोच के रूप में सहायता की है। सहायक प्रशिक्षक जिला कुशीनगर के अभिषेक कुमार हैं।देवानंद चौहान लड़कों की वाटरपोलो टीम के कप्तान हैं और वंदना साहनी लड़कियों की टीम की कप्तान हैं। दोनों कप्तान इंडोर में वाटरपोलो मैचों में अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे। एमपी।यूपी गोताखोरी टीम में 7 गोताखोर शामिल हैं। ;ह लड़के और एक लड़की-आयुष पटेल, किशन सहनी , शिवम कुमार शर्मा, आदित्य साहनी अभि प्रताप यादव, दीप त्रिवेदी एलकेओ बी, आइला अवस्थी।

दिल्ली की अदालत ने ईएफआई चयन मानदंड को बरकरार रखा, अनुष की पेरिस में भागीदारी मंजूर की

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के मौजूदा चयन मानदंडों को बरकरार रखते हुए पेरिस ओलंपिक मे अनुष अग्रवाल की भागीदारी को मंजूरी दे दी जिसे राष्ट्रीय टीम की एक अन्य दावेदार श्रुति वोरा ने चुनौती दी थी। भारत पहली बार ओलंपिक खेलों मे ड्रेसेज स्पर्धा मे हिस्सा लेगा। भारत को चयन मानदंड के अनुसार दो योग्य खिलाड़ियो मे से एक का चयन करना था जिसमे एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अनुष 53 वर्षीय श्रुति को पछाड़ दिया था। जिसके बाद अनुभवी श्रुति ने तर्क दिया था कि उन्हे पेरिस ओलंपिक मे भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाना चाहिए था। इसके बाद अदालत ने ईएफआई को अनुष की प्रविष्टि पर रोक लगाने को कहा था। लेकिन अब फैसले मे अंतरिम आदेश निरस्त कर दिया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।